दिनमान | तापमान
सूर्योदय 5.01 सूर्यास्त 6.06 | अधिकतम 33° न्यूनतम 24°

वर्ष 18, अंक 319 पृष्ठ 12
कोलकाता, गुरुवार, 7 मई 2026
ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, पंचमी, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

शुभेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या

भीड़ के बीच चंद्रनाथ को निशाना बनाया गया, वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. बुधवार देर शाम भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) की गोली मारकर हत्या कर दी गई. जानकारी के मुताबिक घटना मध्यमग्राम की है,जहां चंद्रनाथ रथ को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ चार गोलियां चलाईं. गंभीर घायल अवस्था में उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है. इलाके में नाकेबंदी कर दी गई है और हमलावरों की तलाश जारी है. पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके. बीजेपी ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर टीएमसी के अपराधियों को जिम्मेदार ठहराया है. शुभेंदु अधिकारी अपने सहयोगी की मौत की खबर मिलते ही मध्यमग्राम के लिए रवाना हो गए हैं. फिलहाल चंद्रनाथ का पार्थिव शरीर मध्यमग्राम के मेघसिटी अस्पताल में रखा गया है. मध्यमग्राम में हुई यह वारदात बताती है कि हमलावरों को चंद्रनाथ की लोकेशन की पूरी जानकारी थी. जब वह कुछ लोगों के साथ खड़े होकर बातचीत कर रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ. बीजेपी नेता अर्जुन सिंह ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए इसे राज्य प्रायोजित हिंसा करार दिया है. उनका कहना है कि ममता बनर्जी की सरकार जाते-जाते बंगाल को पूरी तरह अस्थिर करना चाहती है. बीजेपी का आरोप है कि सीमा पार से आए जिहादी तत्वों का इस्तेमाल कर उनके नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है. पार्टी ने इस मामले में प्रशासन से तुरंत आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है.

घटना की जानकारी मिलते ही बीजेपी में शोक और गुस्से की लहर है. बीजेपी ने पहले ही दावा किया था कि टीएमसी की 'गुंडा वाहिनी' बीजेपी कार्यकर्ताओं का भेष बदलकर राज्य में हिंसा फैला रही है. पार्टी का कहना है कि यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा है ताकि लोगों को गुमराह किया जा सके. अर्जुन सिंह के मुताबिक अपराधियों को जेल में डालना और प्रशासन को पूरी तरह चुस्त करना ही एकमात्र रास्ता बचा है. उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल को इस अराजकता से बाहर निकालने में कम से कम 2 साल का समय लगेगा.

बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 206 सीटें जीतकर ऐतिहासिक सफलता हासिल की है. पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह इस तरह के खूनी खेल को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी. बीजेपी ने चेतावनी दी है कि जो भी कानून को हाथ में ले रहा है, उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. राज्य के अलग-अलग हिस्सों जैसे टॉलीगंज, कस्बा और हावड़ा से भी तोड़फोड़ की खबरें आ रही हैं. टीएमसी ने भी आरोप लगाया है कि उनके दफ्तरों को निशाना बनाया जा रहा है.

उधर, बंगाल में अब तक पोस्ट-पोल हिंसा की घटनाओं के संबंध में कुल 200 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 433 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिद्ध नाथ गुप्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी. डीजीपी ने बताया कि चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामलों में सीधे तौर पर शामिल होने के आरोप में की गई 433 गिरफ्तारियों के अलावा, अब तक 1,100 लोगों को एहतियाती हिरासत में रखा गया है.

डीजीपी का यह बयान, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के उस निर्देश के एक दिन बाद आया है, जिसमें आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और राज्य में तैनात सीएपीएफ को चुनाव के बाद होने वाली हिंसा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था.

बंगाल में नई सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू

सीईओ ने गवर्नर को सौंपा गजट नोटिफिकेशन

9 मई को ब्रिगेड परेड मैदान में शपथ ग्रहण समारोह ▪ टैगोर जयंती से बंगाल के लोगों को संदेश देने की कोशिश

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद सरकार गठन की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू हो गई है. 17वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल कल यानी 7 मई को समाप्त हो रहा है. इस समय सीमा से पहले पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी बुधवार को लोक भवन गए. वे लोक भवन में गवर्नर आर.एन. रवि को आधिकारिक गजट नोटिफिकेशन सौंपने गए थे. चुनाव आयोग के उच्च-अधिकारी भी वहां मौजूद थे. गजट नोटिफिकेशन मिलने के बाद उम्मीद है कि गवर्नर बीजेपी को नई सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे.

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के अनुसार, नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण 9 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे से शुरू होगा. बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह व अन्य नेताओं की मौजूदगी में शुक्रवार को भाजपा विधायक दल का नेता चुना जायेगा और हम सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे.इस मौके पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है. पार्टी सूत्रों के अनुसार, शपथ समारोह में प्रधानमंत्री, एनडीए व भाजपा के सभी मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे. दो दर्जन मंत्री भी शपथ लेंगे.सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल ने लोकभवन में लगभग आधा घंटा बिताया. बाहर निकलने पर उन्होंने मीडिया को बताया कि वे विशेष रूप से गजट नोटिफिकेशन सौंपने गए थे. गवर्नर इस दस्तावेज के आधार पर आगे के निर्णय लेंगे. मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि भारत के चुनाव आयोग की ओर से नोटिफिकेशन आज जारी किया गया था. मैं ठीक उसी दस्तावेज को सौंपने वहां गया था. गवर्नर ने कहा कि यह चुनाव रिकॉर्ड तोड़ रूप से शांतिपूर्ण रहा. उन्होंने चुनाव आयोग, सीईओ के कार्यालय और चुनावी प्रक्रिया में शामिल अन्य सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया. पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्तीफा देने से इनकार करते पेज 9 पर जारी

तमिलनाडु में सरकार गठन में फंसा पेच?

विजय ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, राज्यपाल असंतुष्ट

चेन्नई: तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के बाद तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने राज्य में सरकार बनाने की कवायद शुरू कर दी है. टीवीके प्रमुख विजय ने बुधवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से राजभवन में मुलाकात की. उन्होंने राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया. सूत्रों के अनुसार, विजय ने राज्यपाल को विधायकों के समर्थन का जो पत्र सौंपा है, उसमें 112 विधायकों के समर्थन का दावा किया है. हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. वहीं, राज्यपाल अभी तक टीवीके के दावे से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं क्योंकि पार्टी के पास बहुमत साबित करने के लिए पर्याप्त आधिकारिक आंकड़े नहीं हैं.

तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है. इस चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके ने 108 सीटों पर जीत दर्ज की है. कांग्रेस पार्टी ने टीवीके को अपना समर्थन देने का एलान किया है. कांग्रेस के पास विधानसभा में 5 सीटें हैं. कांग्रेस के समर्थन के बाद विजय की पार्टी टीवीके के गठबंधन की संख्या 234 सदस्यीय विधानसभा में 113 तक पहुंच गई है. क्योंकि विजय ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर ही जीत हासिल की थी. ऐसे में अब उनको एक सीट छोड़नी होगी. इसके बाद टीवीके का आंकड़ा 112 विधायकों का ही रह जाता है. अब 118 के बहुमत के आंकड़े को पार करने पेज 9 पर जारी

अग्निमित्रा पॉल के दिल्ली पहुंचने पर अटकलें

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में धमाकेदार जीत दर्ज करने के बाद अब बड़ा सवाल है कि राज्य की सीएम कौन होगा? इस पर मंथन जारी है. मुख्यमंत्री की रेस में कई नाम हैं, जिसमें सुवेंदु अधिकारी इस पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं. हालांकि, उनके साथ ही इस रेस में कई और भी नाम हैं, जिनमें अग्निमित्रा पॉल भी एक हैं. सूत्रों के अनुसार, वो मंगलवार को दिल्ली पहुंची थीं. उन्होंने पार्टी के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की. इसके बाद कोलकाता लौट गईं. उन्होंने बीजेपी हाईकमान से मुलाकात भी की. सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी बंगाल में महिला को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही है. इस लिहाज से हाईकमान की पहली पसंद अग्निमित्रा पॉल हैं.

'मुझे बर्खास्त कर दो, इस्तीफा नहीं दूंगी'

कोलकाता: विधानसभा चुनाव में झटके के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को कालीघाट में पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक में आक्रामक रुख अपनाया. ममता बनर्जी ने स्पष्ट कहा कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी और यदि हटाना है तो राज्यपाल उन्हें बर्खास्त करें. बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद रहे. दोनों नेताओं ने चुनावी नतीजों के बाद पार्टी की आगे की रणनीति पर चर्चा की और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया. ममता बनर्जी ने चुनाव प्रक्रिया को अत्याचार बताते हुए गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान व्यापक गड़बड़ी, डराने-धमकाने और हिंसा की घटनाएं हुईं और कई पार्टी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया. ममता बनर्जी के मुताबिक, 1500 से अधिक पार्टी कार्यालयों पर कब्जा कर लिया गया. उन्होंने संकेत दिया कि वह और उनके सहयोगी चुनावी नतीजे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट भी जा सकते हैं.

ममता जाएंगी सुप्रीम कोर्ट? विधायकों को दिया नया टास्क

ममता ने विधायकों से विरोध के प्रतीक के तौर पर विधानसभा के पहले दिन काले कपड़े पहनने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए काला दिन है, लेकिन हमें मजबूत रहना है और लड़ाई जारी रखनी है. ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री और प्रधानमंत्री चुनाव प्रक्रिया में सीधे तौर पर शामिल थे. साथ ही, उन्होंने बंगाल पुलिस, सीआरपीएफ, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए. बैठक के बाद तृणमूल कांग्रेस ने बयान जारी कर कहा कि पार्टी सत्ता में रहे या नहीं, बंगाल की जनता की सेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता बनी रहेगी. पार्टी ने यह भी संकेत दिया कि वह भाजपा के खिलाफ दमन और अत्याचार के मुद्दे पर आक्रामक विपक्ष की भूमिका निभाएगी. बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी में एकजुटता बनाए रखना, चुनाव में कथित अनियमितताओं पर रणनीति बनाना और आगे की राजनीतिक दिशा तय करना बताया गया.

आज बिहार सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार

जदयू ने सीएम सम्राट चौधरी को सौंपी अपने मंत्रियों की सूची ▪ पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी रहेंगे मौजूद

पटना: जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के सरकारी आवास (सात सर्कुलर रोड) पर बैठक हुई. इसमें केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, दोनों उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, विधायक दल के नेता श्रवण कुमार समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए. बैठक में मंत्रिमंडल विस्तार और आगामी सरकार की कार्यप्रणाली पर बातचीत हुई. निशांत कुमार को मंत्रिमंडल में शामिल करने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई.पिछले 24 घंटे में निशांत कुमार लेकर जदयू के शीर्ष नेतृत्व के बीच हाईलेवल मीटिंग हुई. निशांत कुमार ने पहले मंत्री बनने से

इनकार कर दिया था लेकिन ललन सिंह और संजय झा के समझाने के बाद वह मंत्री बनने के लिए मनाया गया. सात मई को उनकी की यात्रा को रद्द कर दिया गया है. सूत्र बता रहे हैं सात मई को निशांत कुमार मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं.

बैठक के बाद राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलने गए. वहां जाकर जदयू कोटे से मंत्रियों की लिस्ट उन्हें सौंप दी. कहा जा रहा है कि जदयू कोटे से 11 नेता मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं. नवंबर 2025 में नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनी सरकार में जदयू के जिन वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली थी, उनमें से लगभग सभी नेता रिपीट होंगे. जदयू सूत्रों के अनुसार, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, मदन सहनी, सुनील कुमार, लेशी सिंह, रत्नेश सदा, जमा खान, जयंत राज को दोबारा मौका दिया जाएगा. साथ ही कुछ नए चेहरे को भी मौका देने की बात जदयू में चल रही है. बाहुबली आनंद मोहन अपने बड़े बेटे चेतन आनंद को मंत्री बनाना चाहते हैं. पेज 9 पर जारी

ममता की कृपा से नियुक्त अफसरों के इस्तीफे की होड़

तीन सलाहकारों ने किया रिजाइन

कोलकाता: ममता बनर्जी के मुख्यमंत्रित्व काल में उनके सलाहकार के रूप में कार्यरत रहे तीन पूर्व मुख्य सचिवों अलापन बंद्योपाध्याय, हरिकृष्ण द्विवेदी व मनोज पंत ने राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है.राज्य सचिवालय के एक अधिकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी. उन्होंने आगे बताया कि जाने-माने अर्थशास्त्री अभिरूप सरकार ने भी पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम (डब्ल्यूबीआइडीसी) और पश्चिम बंगाल लघु उद्योग विकास निगम (डब्ल्यूबीएसआइडीसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है. इन इस्तीफों के बाद आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई हैं. पेज 9 पर जारी

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, कैबिनेट ने दी मंजूरी

अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा ● जुर्माना भी, जन-गण-मन से पहले गाया जाएगा

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया. बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है.

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं. यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी. अभी राष्ट्रीय ध्वज,संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा.

सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है. इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा. इस धारा के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे रोकता है, तो उसे तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं.

दोबारा अपराध करने पर कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान है. संशोधन के बाद यही नियम वंदे मातरम पर भी लागू होंगे.

केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के लिए आधिकारिक प्रोटोकॉल के लिए गाइडलाइन जारी की. गाइड लाइन के अनुसार, वंदे मातरम का संपूर्ण

आधिकारिक वर्जन, जिसमें छह श्लोक हैं और जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट और 10 सेकंड है, प्रमुख राजकीय समारोहों के दौरान प्रस्तुत या बजाया जाना चाहिए. इनमें राष्ट्रीय ध्वज फहराना, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रमों में औपचारिक आगमन और प्रस्थान समारोह और ऐसे समारोहों में उनके निर्धारित भाषणों से पहले और बाद के कार्यक्रम शामिल हैं.

अगर किसी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' और 'राष्ट्रगान' दोनों होने हैं, तो पहले 'वंदे मातरम' (राष्ट्रगीत) गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान'.दिशा-निर्देशों में आगे यह भी स्पष्ट किया गया है कि दर्शकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सम्मान के प्रतीक के रूप में दोनों प्रदर्शनों के दौरान सावधान मुद्रा में खड़े रहें. गृह मंत्रालय ने स्कूल-कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थागत कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया है.इस कदम का उद्देश्य स्टूडेंट्स और आम जनता के बीच राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति जागरूकता और सम्मान को प्रोत्साहित करना है. यह भी बताया गया है कि जब वंदे मातरम का प्रदर्शन किसी बैंड द्वारा किया जाता है, तो उससे पहले ढोल की थाप या बिगुल की ध्वनि से औपचारिक रूप से गायन की शुरुआत का संकेत दिया जाना चाहिए,

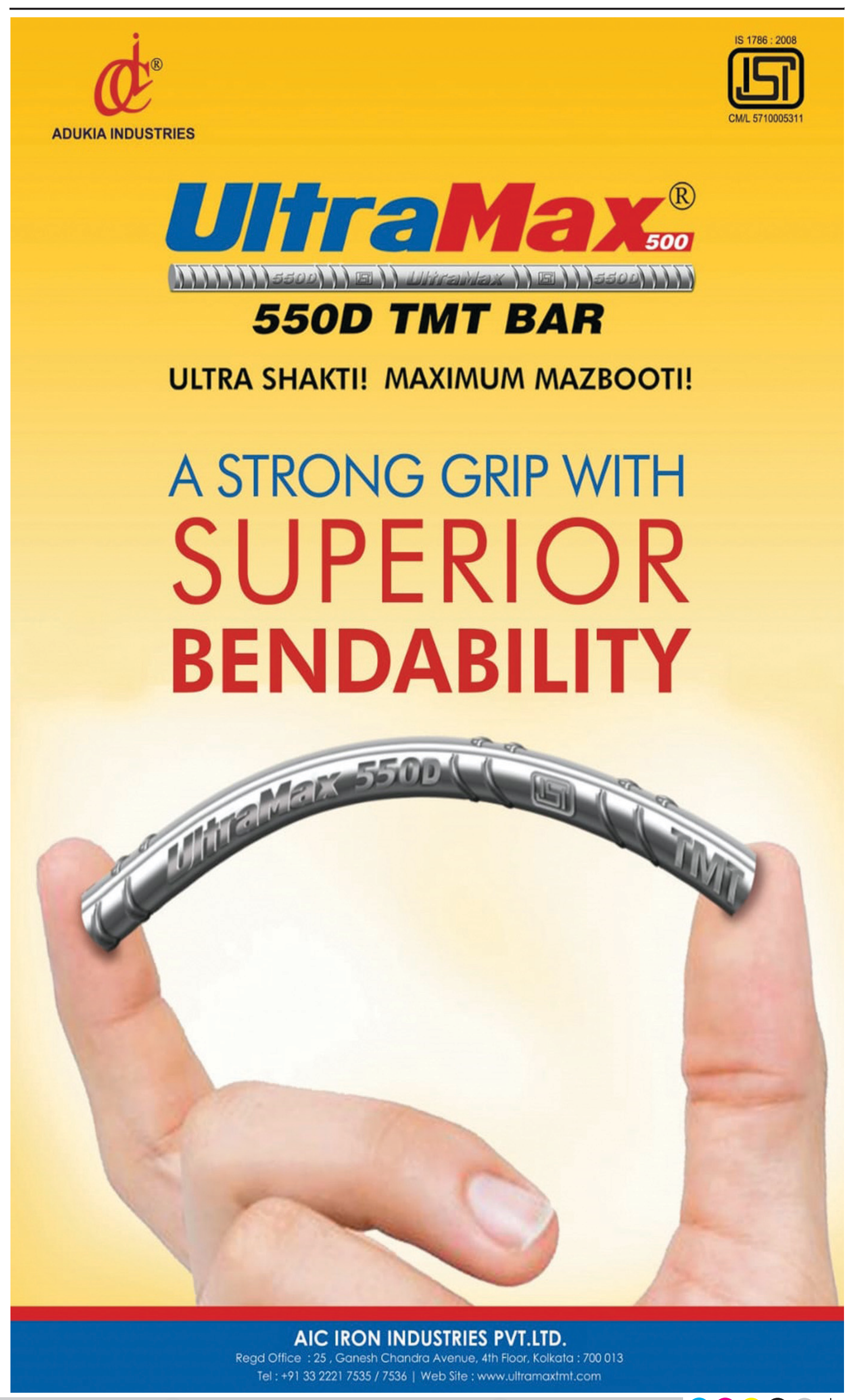

पुलिस आयुक्त से मिला टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद आसनसोल और पश्चिम बर्धमान जिले में हिंसा के गंभीर आरोपों को लेकर तृणमूल कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पुलिस आयुक्त से मिला. तृणमूल कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नरेंद्र चक्रवर्ती के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस आयुक्त डॉ. प्रणव कुमार से मुलाकात की, जिसमें वरिष्ठ नेता मलय घटक, विधान उपाध्याय और हरेराम सिंह भी शामिल रहे.तृणमूल प्रतिनिधिमंडल की ओर से आरोप लगाया गया कि जिले के विभिन्न इलाकों में पार्टी के कई कार्यालयों पर हमला, तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं. कुछ स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमले किए गए. जबरन पार्टी कार्यालयों और सरकारी संस्थानों पर कब्जा करने की शिकायत की गई है.तृणमूल नेताओं के अनुसार, जिले के कई हिस्सों में पार्टी कार्यालयों को निशाना बनाकर तोड़ा गया, महत्वपूर्ण दस्तावेज और सामान लूट लिए गए और कई जगहों पर आग लगा दी गई. आरोप है कि हजारों कार्यकर्ताओं के घरों पर हमले किए गए, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार हुआ, अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाया गया और स्थानीय व्यापारियों को आर्थिक रूप से प्रताड़ित करने की घटनाएं भी सामने आई हैं.प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस आयुक्त को इन सभी घटनाओं की विस्तृत

जानकारी देते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की. उन्होंने मांग की कि सभी घटनाओं में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए, दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई हो और सभी पार्टी कार्यालयों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए. साथ ही, क्षतिग्रस्त कार्यालयों के फोटो और वीडियो सबूत के तौर पर पुलिस प्रशासन को सौंपे गए हैं.जिलाध्यक्ष नरेंद्र चक्रवर्ती ने साफ कहा कि पार्टी शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के पक्ष में है, लेकिन हिंसा और अराजकता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी.

उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करने और निगरानी बढ़ाने की अपील की, ताकि आम लोगों में भरोसा कायम किया जा सके.वहीं, पुलिस आयुक्त डॉ. प्रणव कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी तरह की हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

उन्होंने कहा कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है.फिलहाल संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके.प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी और राज्य में शांति बहाल करने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएंगे.

हार के बाद तृणमूल में बगावत तेज – आई-पैक और अभिषेक बनर्जी पर उठाए गंभीर सवाल

जलपाईगुड़ी : पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी के भीतर ही बगावत तेज हो गई है.जलपाईगुड़ी जिला तृणमूल के चेयरमैन और वरिष्ठ विधायक खगेश्वर राय ने पार्टी के रणनीतिकार इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए हैं.खगेश्वर राय ने दावा किया कि पार्टी के सभी कार्यक्रम आई-पैक तय करता था और बूथ या अंचल अध्यक्षों को कोई अधिकार नहीं था. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले मनमाने तरीके से अंचल अध्यक्ष बदले गए और यह सब आई-पैक व अभिषेक बनर्जी के निर्देश पर हुआ.उम्मीदवार चयन को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि स्थानीय नेतृत्व से बिना बताए टिकट बांटे गए. राजगंज, जो कभी तृणमूल का मजबूत गढ़ था, वहां इस बार पार्टी को हार का सामना करना पड़ा.उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी को उम्मीदवार बनाया गया, लेकिन राजनीति और खेल अलग चीजें हैं, अनुभव की कमी का खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा. तृणमूल नेता कृष्ण दास से जुड़े विवाद पर उन्होंने कहा कि यह पार्टी का नहीं, बल्कि व्यक्तिगत मामला है.उन्होंने कार्यकर्ताओं को संयम बरतने की सलाह दी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं के जज्बे को सामान्य बताया. खगेश्वर रॉय के इन बयानों से जिला राजनीति में हलचल तेज हो गई है.

चोपड़ा बाजार में व्यक्ति के बैग से गिरा जिंदा बम, दो पकड़े गए

उत्तर दिनाजपुर : जिले के चोपड़ा के कालागछ बाजार में बुधवार को अचानक हुई मारपीट के दौरान एक व्यक्ति के बैग से सड़क पर बम गिरने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई. इस मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को पकड़ा है. स्थानीय लोगों के मुताबिक, बाजार में दो पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया. इसी दौरान धक्का-मुक्की के बीच एक व्यक्ति के बैग से अचानक जिंदा बम नीचे गिर गया. बाजार के बीचों-बीच बम देखते ही लोग भड़क उठे और आरोपित को घेर लिया.घटना के बाद सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है.भाजपा नेता श्यामल सरकार ने दावा किया कि कुछ लोग जानबूझकर इलाके में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं.मौके पर मौजूद लोगों की सतर्कता से दो आरोपितों को पकड़ लिया गया. सूचना पाकर पुलिस अधिकारी केशव बडाल और डीएसपी राहुल बर्मन टीम के साथ पहुंचे और दोनों को भीड़ से बचाकर हिरासत में लिया.बम को निष्क्रिय करने के लिए बम स्कॉड को बुलाया गया है और पूरे इलाके को घेर लिया गया है. स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात है.स्थानीय भाजपा नेताओं का आरोप है कि वसूली का विरोध करने पर उन पर हमला किया गया.पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस घटना के पीछे कोई बड़ी साजिश तो नहीं है.

आसनसोल के तृणमूल कार्यालय में आग, सियासी आरोप–प्रत्यारोप तेज

आसनसोल : पश्चिम बर्दवान जिले के आसनसोल साउथ थाना अंतर्गत पुलिस लाइन में बने तृणमूल कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार देर रात आग लगने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया. घटना की खबर पाकर मौके पर स्थानीय लोग, पार्टी कार्यकर्ता और दमकल विभाग की टीम पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की गई.घटना के बाद राजनीतिक माहौल भी गर्म हो गया है. भाजपा विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व भाजपा का झंडा लगाकर पार्टी को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं. उनके अनुसार, यह हरकत तृणमूल के ही किसी गुट द्वारा की गई हो सकती है ताकि भाजपा की छवि खराब की जा सके. उन्होंने इस घटना को साजिश

करार दिया.उन्होंने बताया कि उन्हें मौसमी बसु ने फोन कर घटना की जानकारी दी थी. उस समय वे शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर एक बैठक में मौजूद थे. सूचना मिलते ही भाजपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग को खबर दी गई. विधायक ने कहा कि इस तरह की घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं और इसकी निष्पक्ष जांच होना जरूरी है.उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिस कमिश्नर डॉ. प्रणव कुमार से भी जांच की मांग की. उन्होंने दोहराया कि किसी भी प्रकार की पोस्ट-पोल हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और यह पता लगाया जाना चाहिए कि यह आगजनी की घटना है या कोई दुर्घटना.वहीं, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप दे ने भी इस घटना को साजिश बताया. उनका कहना है कि भाजपा एक अनुशासित पार्टी है और इस तरह की गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकती. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को बदनाम करने के लिए जानबूझकर इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है. स्थानीय निवासी हरे कृष्ण बनर्जी ने बताया कि वे दुकान बंद कर घर गए थे, तभी उन्हें फोन आया कि पार्टी कार्यालय के साथ उनकी दुकान में भी आग लग गई है.

उन्होंने कहा कि आग कैसे लगी, इसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है.फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है.

पूजा पर प्रतिबंध को दरकिनार कर लोगों ने खोले दुर्गा मंदिर के कपाट, शुरू हुई नियमित आराधना

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के आसनसोल से एक अनोखा और लंबे समय से विवादों में घिरा मामला सामने आया है, जहां 75 वर्षों से चली आ रही दुर्गा पूजा की परंपरा मंदिर निर्माण के बाद ही प्रतिबंधों में जकड़ गई थी. जिस स्थान पर दशकों से नियमित पूजा-अर्चना होती रही, वहीं मंदिर बनने के बाद पूजा पर रोक लगा दी गई और साल में केवल तीन अवसर-दुर्गा पूजा, काली पूजा और लक्ष्मी पूजा-पर ही मंदिर के द्वार खोलने की अनुमति दी गई.इस पूरे विवाद की शुरुआत वर्ष 2009 में हुई जब करीब साढ़े तीन कट्ठा जमीन 45 लाख रुपये में मंदिर निर्माण के लिए खरीदी गई. जमीन का रजिस्ट्रेशन मंदिर ट्रस्ट के नाम पर कराया गया और सभी सरकारी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद 2012-13 में मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ, हालांकि यह आज तक पूरी तरह से तैयार नहीं हो सका है. निर्माण शुरू होते ही कुछ लोगों ने यहां नियमित पूजा का विरोध किया, जिसके बाद मामला प्रशासन तक पहुंचा और हस्तक्षेप हुआ.बताया जाता है कि तत्कालीन अतिरिक्त जिला अधिकारी की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मंदिर में सीमित अवसरों पर ही पूजा की अनुमति होगी. बाद में मामला उच्च न्यायालय तक पहुंचा, जहां प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट में आशंका जताई कि यदि नियमित पूजा की अनुमति दी गई तो कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है. इसके बाद से मामला लंबित है और मंदिर अधिकांश समय बंद ही रहा, जिससे स्थानीय लोगों में निराशा बनी रही.करीब 14 से 15 वर्षों तक मंदिर बंद रहने के बाद सोमवार रात हालात ने अचानक नया मोड़ ले लिया. सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और बंद ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर गए. जय श्री राम के नारों के बीच मंदिर के द्वार खोल दिए गए. मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने मंदिर की साफ-सफाई कर विधिवत पूजा-अर्चना शुरू कर दी, जिसके बाद पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल बन गया.स्थानीय लोगों का मानना है कि हालिया राजनीतिक बदलाव के बाद यह संभव हो पाया है. क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर विजयी उम्मीदवार कृष्णेंदु मुखर्जी को इसका श्रेय दिया जा रहा है. लोगों के अनुसार उन्होंने चुनाव के दौरान वादा किया था कि मंदिर का द्वार खोला जाएगा और अब वह वादा पूरा होता दिखाई दे रहा है.मंदिर से जुड़े ट्रस्टी संजय अग्रवाल का कहना है कि जब तक प्रशासन की ओर से कोई लिखित आदेश नहीं मिलता, तब तक वे औपचारिक रूप से मंदिर का संचालन अपने हाथ में नहीं लेंगे. हालांकि उन्होंने इसे सनातन आस्था की जीत बताया और कहा कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा.मंदिर खुलने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं. स्थानीय निवासियों का कहना है कि वर्षों तक वे मंदिर के बाहर से ही प्रणाम कर लौट जाते थे, लेकिन अब मंदिर के खुलने से उनकी आस्था को नया बल मिला है. कई लोगों ने इसे लंबे इंतजार के बाद मिली खुशी बताया, वहीं एक बुजुर्ग ने भावुक होकर कहा कि अगर उनके पिता आज जीवित होते तो यह दिन देखकर बेहद खुश होते.फिलहाल मामला न्यायालय में विचाराधीन है और प्रशासनिक आदेश का इंतजार किया जा रहा है. ऐसे में मंदिर का भविष्य पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया पर निर्भर करेगा, लेकिन वर्षों से बंद पड़े इस मंदिर के खुलने से आसनसोल में खुशी और उत्साह की लहर साफ तौर पर देखी जा रही है.

दंपति पर हमला करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : माटीगाड़ा इलाके में नशे में हंगामा करने से रोकने पर पड़ोसी दंपति पर हमला करने का मामला सामने आया है. घटना माटीगाड़ा थाना अंतर्गत चामटा इलाके में मंगलवार देर रात हुई. आरोपित युवक की पहचान पंचू चिकबड़ाईक के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया है.स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपित अक्सर शराब के नशे में इलाके में उत्पात मचाता था.

अजीबोगरीब: हावड़ा में बीजेपी की जीत पर कांग्रेसियों ने बांटी मिठाई, बोले– 'ममता की हार का है जश्न'

हावड़ा : पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों के बीच हावड़ा जिले के श्यामपुर विधानसभा क्षेत्र से एक बेहद चौंकाने वाली और अनोखी तस्वीर सामने आई है. यहाँ बीजेपी (इगझ) की जीत की खुशी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आम जनता के बीच लाडू (मिठाई) बांटे.यह घटना श्यामपुर के देओड़ा मोड़ इलाके की है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज सुबह लगभग 10 बजे कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एक समूह देओड़ा मोड़ पर जमा हुआ और अचानक राहगीरों और स्थानीय लोगों को लड्डू खिलाना शुरू कर दिया.**प्रमुख बिंदु:**नेतृत्व: इस पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व हावड़ा जिला कांग्रेस के कद्दावर नेता आतियार रहमान खान ने किया.अनोखा तर्क: जब उनसे इस जश्न की वजह पूछी गई, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि वे बीजेपी के प्रति प्रेम के कारण मिठाई नहीं बांट रहे हैं.**ममता बनर्जी पर निशाना:** आतियार रहमान खान ने कहा, हम बीजेपी की जीत से ज्यादा ममता बनर्जी की हार से खुश हैं. यह मिठाई उनकी पराजय का जश्न है.**इलाके में चर्चा का विषय:**आमतौर पर धुर विरोधी माने जाने वाली कांग्रेस और बीजेपी के बीच इस तरह का 'अप्रत्यक्ष तालमेल' राजनीति गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है. तृणमूल कांग्रेस (ढचउ) की हार पर कांग्रेसियों का यह उल्लास सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है. देओड़ा मोड़ इलाके में इस घटना को लेकर काफी गहमागहमी बनी रही.

न्यूज कॉर्नर

रहस्यमय तरीके से लापता मदरसा छात्र, परिवार चिंतित

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी महकमा के फांसीदेवा के तूफानडांगी इलाके में स्थित 'मदरसा आशरफिया इस्लाहुल मुसलमीन' के हॉस्टल से एक छात्र के रहस्यमय ढंग से लापता होने से इलाके में सनसनी फैल गई है. लापता छात्र का नाम मोसब्बीफ रेज़ा है.परिवार के अनुसार, वह दो मई को मदरसे में गया था. मंगलवार शाम करीब छह बजे मदरसा प्रशासन ने उसकी मां को फोन कर बताया कि वह परिसर में नहीं मिल रहा है. सूचना पाकर परिवार मौके पर पहुंचा, लेकिन काफी तलाश के बावजूद छात्र का कोई सुराग नहीं मिला. हालांकि, अबू सूफियान नामक एक शिक्षक के पास से उसका मोबाइल फोन बरामद किया गया है, जिससे मामले को लेकर संदेह और गहरा गया है.छात्र की मां शफाकत जहान ने बताया कि रिश्तेदारों और सभी संभावित जगहों पर खोजबीन के बावजूद बेटे का कोई पता नहीं चला. उन्होंने मदरसा स्टाफ की भूमिका पर सवाल उठाते हुए फांसीदेवा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.वहीं, बुधवार को छात्र की तलाश में महानंदा नहर में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. पुलिस और परिजन दोनों ही छात्र के सुरक्षित लौटने का इंतजार कर रहे हैं.

तृणमूल कार्यकर्ता के घर के पीछे से जिंदा बम बरामद

कूचबिहार : चुनाव परिणाम आने के बाद बढ़े राजनीतिक तनाव के बीच एक तृणमूल कार्यकर्ता के घर के पीछे से ताजा बम बरामद होने से हड़कंप मच गया. बुधवार को महिषकुची एक नंबर ग्राम पंचायत क्षेत्र में सुषांत दास के घर के पास स्थित तालाब किनारे से पुलिस ने दो जिंदा बम बरामद किए.जानकारी के अनुसार, खेत में धान काटने के दौरान ग्रामीणों ने एक बैग में रखे बम देखा, पुलिस को इसकी सूचना दी गई.घटना को लेकर सियासी आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गया है. भाजपा नेता गौतम दास ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान अशांति फैलाने के लिए बम जमा किए गए थे.वहीं, तृणमूल कार्यकर्ता सुषांत दास ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि परिणाम आने के बाद से ही वह घर से बाहर हैं और उन्हें फंसाने के लिए बम रखे गए हैं. उनका दावा है कि उनके परिवार ने ही पुलिस को इसकी सूचना दी थी, लेकिन अब उन्हीं पर आरोप लगाया जा रहा है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

शिक्षा में राजनीति नहीं चलेगी, तुरंत छात्रसंघ चुनाव कराए जाएं :एबीवीपी

सिलीगुड़ी : शिक्षा संस्थानों में राजनीतिक रंग के खिलाफ और छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने सिलीगुड़ी के बाबूपाड़ा स्थित विद्यार्थी कल्याण भवन में पत्रकारों से बात की.इस दौरान संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पूजा राम और प्रदेश सचिव डीओ दत्त मौजूद रहे. बैठक में शिक्षा संस्थानों की वर्तमान स्थिति और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई.एबीवीपी ने साफ कहा कि कॉलेज और विश्वविद्यालयों में किसी भी तरह का राजनीतिक हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उनका कहना है कि छात्रहित सर्वोपरि है और उसी आधार पर शिक्षण संस्थानों को राजनीति से दूर रखना चाहिए.संगठन ने यह भी घोषणा की कि जल्द ही राज्य के विभिन्न शिक्षा संस्थानों में सदस्यता अभियान शुरू किया जाएगा, ताकि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया जा सके. साथ ही एबीवीपी ने तत्काल छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग उठाई.एबीवीपी के अनुसार, लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराकर छात्रों को अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार मिलना चाहिए.संगठन ने यह भी चेतावनी दी कि शिक्षा संस्थानों में किसी भी तरह की दादागिरी या अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

स्वच्छ व हरित पृथ्वी से जुड़ाव को सशक्त बना रहा पूर्व रेलवे

कोलकाता : पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के स्वच्छ रेलवे ज़ोन के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर तथा बेहतर पृथ्वी के लिए स्वच्छता का व्यापक संदेश फैलाने के निरंतर प्रयास के तहत, आज पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के नैहाटी समूह ने नैहाटी रेलवे स्टेशन एवं रेलवे कॉलोनी में एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया.**अभियान की प्रमुख विशेषताएं**मैस्कॉट सहभागिता: लोकप्रिय पात्र मिकी माउस और छोटा भीम ने रैली में भाग लेकर बच्चों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति आकर्षित व जागरूक किया. स्काउट्स एवं गाइड्स की बैंड टीम ने पोस्टर और प्लेकार्ड के माध्यम से स्वच्छता का संदेश देते हुए रैली का नेतृत्व किया. सदस्यों ने यात्रियों, दुकानदारों और रेलवे परिवारों से संवाद कर कचरा न फैलाने, डस्टबिन का उपयोग करने और स्टेशन परिसर को साफ रखने का आग्रह किया. इसके अतिरिक्त, आज ही सियालदह रेलवे स्टेशन पर सियालदह जिला संघ के

प्रथम सियालदह समूह द्वारा एक अन्य स्वच्छता जागरूकता अभियान भी सफलतापूर्वक आयोजित किया गया.स्वच्छ व हरित पृथ्वी की दिशा में एक सशक्त पहल के रूप में, पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने आज दो प्रमुख जागरूकता अभियानों के माध्यम से नैहाटी और सियालदह रेलवे परिसरों को जन-प्रेरणा के केंद्रों में परिवर्तित कर दिया.**नैहाटी में स्वच्छता का उत्सव**पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के नैहाटी समूह ने स्टेशन और रेलवे कॉलोनी में रैली निकालकर परंपरा और मनोरंजन का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया. युवा पीढ़ी को जोड़ने के लिए मिकी माउस और छोटा भीम जैसे लोकप्रिय मैस्कॉट्स की भागीदारी ने बच्चों और परिवारों तक स्वच्छता का संदेश सरल और प्रभावी ढंग से पहुँचाया. बैंड टीम के नेतृत्व में निकली रैली में रंग-बिरंगे पोस्टर और प्लेकार्ड्स के साथ कचरा मुक्त भारत का संदेश गूंजता रहा. सदस्यों ने यात्रियों, स्थानीय दुकानदारों और रेलवे कॉलोनी के निवासियों से सीधे संवाद कर स्वच्छता की जिम्मेदारी स्वयं लेने, कचरा न फैलाने और डस्टबिन का उपयोग करने पर बल दिया.सियालदह में स्वच्छता मिशन को मजबूतीइसी क्रम में, सियालदह जिला संघ के प्रथम सियालदह समूह ने देश के व्यस्ततम रेलवे स्टेशनों में से एक पर जागरूकता अभियान चलाया. यह अभियान विशेष रूप से अधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में केंद्रित रहा,

ताकि स्वच्छता का संदेश अधिकतम यात्रियों तक पहुँच सके.इस संबंध में, पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझी ने कहा कि ये पहलें पूर्व रेलवे के स्वच्छता के प्रति व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं. भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जैसे अनुशासन और सेवा पर आधारित संगठन की भागीदारी से हमारा उद्देश्य केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि जन-व्यवहार में स्थायी परिवर्तन लाना है.

तृणमूल कांग्रेस के कार्यालय पर कब्जे का आरोप, भाजपा ने बताया साजिश

सिलीगुड़ी : फांसीदेवा के विधाननगर में तृणमूल कांग्रेस के पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ और कब्जे को लेकर भाजपा पर आरोप लगा है, जिससे इलाके में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है.तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद लगातार उनके पार्टी कार्यालयों पर कब्जे की घटनाएं सामने आ रही है. इस घटना में कार्यालय का ताला तोड़कर अंदर तोड़फोड़ की गई, साथ ही पार्टी के पोस्टर, बैनर और होर्डिंग भी फाड़ दिए गए.तृणमूल के ब्लॉक अध्यक्ष काजल घोष ने अपील करते हुए कहा कि जनता के जनादेश का सम्मान होना चाहिए और पार्टी कार्यालय वापस किया जाए. उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी कार्यालय हमारे लिए मंदिर जैसा है और इस तरह की घटनाएं लोकतंत्र के खिलाफ है.दूसरी ओर फांसीदेवा भाजपा विधायक दुर्गा मुर्मू ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह भाजपा कार्यकर्ताओं का काम नहीं है, बल्कि पार्टी को बदनाम करने की साजिश हो सकती है. उन्होंने कहा कि इस तरह के गलत काम किसी को नहीं करने चाहिए. फिलहाल इस मामले को लेकर दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी है और इलाके में राजनीतिक माहौल गर्म बना हुआ है.

यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने की पहल : सियालदह डिवीज़न की ओर से कमर्शियल स्टाफ के लिए सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग

कोलकाता : 6 मई बुधवार को कस्टमर सर्विस के स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने और रेल यूज़र्स के साथ बेहतर रिश्ते बनाने की लगातार कोशिश में, सियालदह डिवीज़न के कमर्शियल डिपार्टमेंट ने आज अपने फ्रंटलाइन स्टाफ के लिए एक बड़ा सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम रखा.वर्कशॉप में रोज़ाना के रेलवे ऑपरेशन में सॉफ्ट स्किल्स की ज़रूरी भूमिका पर फोकस किया गया, जिसमें इस बात पर ज़ोर दिया गया कि फ्रंटलाइन कर्मचारियों का व्यवहार ही भारतीय रेलवे का चेहरा है. यह ट्रेनिंग खास तौर पर पब्लिक डीलिंग को बेहतर बनाने, असरदार कम्युनिकेशन पक्का करने और पैसेंजर्स के साथ ज़्यादा हमदर्दी वाला रिश्ता बनाने के लिए डिज़ाइन की गई थी. इस सेशन में

स्टाफ को एक साफ़ रोडमैप दिया गया कि एक तय क्या करें और क्या न करें फ्रेमवर्क के ज़रिए पैसेंजर की अलग-अलग ज़रूरतों को कैसे मैनेज किया जाए.

क्या -क्या करने को कहा गया ?एक्टिव लिसनिंग: सॉल्यूशन देने से पहले पैसेंजर की शिकायतों और सवालों को ध्यान से सुनना.

हमदर्दी और तहज़ीब: खासकर बुज़ुर्गों, महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों के लिए विनम्र भाषा का इस्तेमाल करना और मददगार रवैया बनाए रखना.बातचीत में साफ़-साफ़ बोलना: ट्रेन की टाइमिंग, टिकट और सुविधाओं के बारे में सही जानकारी साफ़ और छोटे तरीके से देना.और सॉफ्ट स्किल्स के 7 पॉइंट्स को फ़ॉलो करना, जैसे- कम्युनिकेशन, इमोशनल इंटेलिजेंस, टाइम मैनेजमेंट, क्रिएटिविटी, क्रिटिकल थिंकिंग, एडैप्टेबिलिटी और टीम वर्क.क्या न करें.टकराव से बचें: ज़्यादा दबाव वाली स्थितियों में भी गरमागरम बहस में पड़ने से बचें, और इसके बजाय डी-एस्केलेशन टेक्नीक का इस्तेमाल करें.कोई गोलमोल जवाब नहीं: गोलमोल या बिना वेरिफ़ाई की जानकारी देने की आदत से बचें जिससे यात्री कन्फ़्यूज़न में पड़ सकते हैं.

सवालों को नज़रअंदाज़ करना: यह पक्का करना कि हेल्प डेस्क या काउंटर पर कोई भी यात्री अकेला न छूटे.डिवीज़नल अधिकारियों ने बताया कि इस ट्रेनिंग का पब्लिक डीलिंग पर सीधा और अच्छा असर पड़ेगा.

कम्युनिकेशन गैप को कम करके, कमर्शियल डिपार्टमेंट का मकसद सियालदाह डिवीज़न पर निर्भर यात्रियों के लिए हर बातचीत को एक आसान और सुखद अनुभव में बदलना है. सियालदह डिवीज़न पैसेंजर फर्स्ट फिलॉसफी के लिए कमिटेड है.

संदेशखाली में दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष, पुलिस और केंद्रीय बल पर फायरिंग

ओसी समेत पुलिस कर्मी व कई जवान घायल

कोलकाताः नजात थाना जिलान्तर्गत संदेशखाली के बिटपोल इलाके से चुनाव के बाद हिंसा की एक बेहद गंभीर घटना सामने आई है. मंगलवार देर रात दो गुटों के बीच तनाव और हमले की सूचना पर हालात काबू में करने पहुंची पुलिस और केंद्रीय बल की टीम पर ही बदमाशों ने अचानक फायरिंग कर दी. इस हमले में नजात थाना प्रभारी (ओसी) भरत प्रसून पुरकायत समेत कई पुलिसकर्मी और केंद्रीय बल के जवान घायल हो गए. सूत्रों के अनुसार, घटना में ओसी भरत प्रसून पुरकायत को कंधे और हाथ के पास गोली लगी है. महिला कॉन्स्टेबल मोनिका के सिर में गोली लगने की खबर है, जबकि राजबाड़ी आउटपोस्ट के सब-इंस्पेक्टर भास्वत गोस्वामी के पैर में गोली लगी है. इसके अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के दो जवानों के सीने में भी गोली लगने की सूचना मिली है. सभी घायलों को कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है और फिलहाल हालत स्थिर बताई जा रही है. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, राजबाड़ी आउटपोस्ट के अंतर्गत छोटे बिटपोल इलाके में तृणमूल नेता मशरफ मोल्ला के घर पर कुछ दुष्कर्मियों ने हमला और तोड़फोड़ की. इस घटना की सूचना पाकर नजात थाने की बड़ी पुलिस टीम और केंद्रीय बल मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां पहले से मौजूद हमलावरों ने पुलिस को निशाना बनाते हुए फायरिंग शुरू कर दी, जिससे पूरा इलाका दहशत में आ गया. घटना के बाद आज सुबह केंद्रीय बल के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके का जायजा लिया. इस बारे में बसीरहाट पुलिस जिला की एसपी अलकानंदा भवाल ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है. रात में ही त्वरित कार्रवाई करते हुए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है. फिलहाल पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बल की तैनाती की गई है. संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है और किसी भी नई हिंसा को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं. इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी डर का माहौल है. बिटपोल इलाके की निवासी सुमित्रा सरकार ने बताया कि रात में जिस तरह से गोलीबारी और हमले हुए, उससे लोग सहम गए हैं.

जेसीबी सहित विजय जुलूस पर सख्त पाबंदी, कानून तोड़ने पर कड़ी कार्रवाई : पुलिस आयुक्त अजय नंद

कोलकाताः विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद से शहर के विभिन्न इलाकों में तनाव और अशांति को देखते हुए कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने सख्त निर्देश दिया है. बुधवार को पत्रकार सम्मेलन में उन्होंने नागरिकों से सीधी अपील करते हुए कहा कि सभी लोग शांत रहें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें. उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर कोलकाता पुलिस के नाम का इस्तेमाल कर फर्जी खबरें फैलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं. लोगों को इस तरह की भ्रामक जानकारी से दूर रहने के लिए विशेष रूप से सतर्क किया गया है. विजय जुलूसों और रैलियों के संबंध में उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि पुलिस की अनुमति के बिना कोई भी विजय जुलूस, सभा या रैली आयोजित नहीं की जा सकती. विशेष रूप से, जेसीबी का उपयोग करके किसी भी प्रकार की रैली या शक्ति प्रदर्शन करना पूर्णतः प्रतिबंधित है. जेसीबी प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि पूरा चुनावी प्रक्रिया कुल मिलाकर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई और आम लोगों ने बिना किसी बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग किया. अब चुनाव के बाद किसी भी तरह की अशांति या तनाव न फैले, इसके लिए पूरे शहर में कड़ी निगरानी रखी जा रही है. कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोलकाता पुलिस और केंद्रीय बल संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं. शहर के कई इलाकों में क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात की गई है, ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके. साथ ही संयुक्त कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी की जा रही है. अजय नंद ने बताया कि जैसे चुनाव के दौरान समन्वय के साथ काम हुआ, वैसे ही चुनाव के बाद भी यह संयुक्त प्रयास जारी रहेगा. पुलिस सूत्रों के अनुसार, शहर में विभिन्न हिंसक घटनाओं के सिलसिले में अब तक कम से कम 80 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. अलग-अलग इलाकों से हथियार भी बरामद किए गए हैं. इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए आगे किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं.

डबल इंजन सरकार से बंगाल में अटकी रेल परियोजनाओं पूरी होने की उम्मीद

कोलकाताः विधानसभा चुनाव में नयी सरकार बनाने की तैयारी के बीच पश्चिम बंगाल में लंबे समय से अटकी कई रेल परियोजनाओं के पूरा होने की उम्मीद बढ़ गई है. अधिकारियों का मानना है कि राज्य में अब 'डबल इंजन' सरकार बनने के बाद भूमि अधिग्रहण की समस्या दूर हो सकती है और परियोजनाओं को गति मिल सकती है. रेलवे के अनुसार राज्य में करीब 68 हजार करोड़ रुपये की लागत से 42 रेल परियोजनाओं की घोषणा की गई है. लेकिन इन परियोजनाओं के लिए आवश्यक जमीन का केवल 27 प्रतिशत हिस्सा ही अब तक रेलवे को मिल पाया है. करीब 73 प्रतिशत जमीन का अधिग्रहण लंबे समय से अटका हुआ है, जिसकी कुल मात्रा लगभग चार हज़ार 662 हेक्टेयर है. सबसे प्रमुख परियोजनाओं में कोलकाता मेट्रो की ऑरेंज लाइन (कवि सुभाष से एयरपोर्ट) का निर्माण भी शामिल है. चिंग्ड़ीघाटा इलाके में करीब 377 मीटर हिस्से में पिलर नहीं लग पाने के कारण यह काम लंबे समय से रुका हुआ है. रेलवे अधिकारियों का आरोप है कि कई बार ट्रैफिक ब्लॉक लेकर काम शुरू करने की कोशिश की गई, लेकिन राज्य सरकार से अनुमति नहीं मिली. इसके अलावा तारकेश्वर-बिष्णुपुर (83 किमी) रेल परियोजना का काम भी जमीन विवाद के कारण रुका हुआ है. गोघाट-कामारपुकुर हिस्से में 2016 से स्थानीय आंदोलन के कारण निर्माण कार्य बंद है. वहीं देशप्राण-नंदीग्राम (18.5 किमी) रेल परियोजना का काम भी 2009-10 से जमीन अधिग्रहण की समस्या में फंसा हुआ है. नैहाटी और रानाघाट के बीच तीसरी रेल लाइन का काम भी भूमि समस्या के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहा है. यह शाखा बहुत व्यस्त माना जाता है और ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के लिए तीसरी लाइन जरूरी है. रेलवे सूत्रों के अनुसार चांडिल-अनारा-बर्नपुर शाखा में तीसरी लाइन और जलेश्वर से दीघा तक नई रेल लाइन बिछाने का काम भी जमीन के कारण अटका है. नवद्वीप घाट से नवद्वीप धाम तक रेल लाइन बनाने की परियोजना भी लंबे समय से अधूरी है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित रेलवे बोर्ड के कई अधिकारियों ने पहले आरोप लगाया था कि राज्य सरकार के विरोध के कारण इन परियोजनाओं के लिए जमीन नहीं मिल पा रही थी.

ममता के निवास पर पार्टी की बैठक में 11 नवनिर्वाचित विधायक रहें नदारद

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद विपक्ष के नेता के चयन पर चर्चा करने के लिए अपने कालीघाट स्थित आवास पर पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक की. पार्टी के सभी 80 विजयी उम्मीदवारों को बैठक में आमंत्रित किया गया था, जो शाम को निर्धारित समय पर शुरू हुई. हालांकि, 11 विजयी विधायक बैठक में अनुपस्थित रहे. विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी, उसी दौरान यह बैठक हुई. पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक चर्चा के लिए कालीघाट पहुंचे, जहां वरिष्ठ पार्टी नेता भी मौजूद थे. बैठक के दौरान अनुपस्थित विधायकों की पहचान आधिकारिक तौर पर उजागर नहीं की गई. पार्टी नेतृत्व की ओर से उनकी अनुपस्थिति के संबंध में तत्काल कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कुछ विधायकों की अनुपस्थिति के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें चुनाव के बाद के घटनाक्रम और निर्वाचन क्षेत्र स्तर की जिम्मेदारियां शामिल हैं. परिणाम घोषित होने के बाद कई जिलों से हिंसा और अशांति की घटनाएं सामने आई हैं, और कुछ विधायक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में स्थानीय परिस्थितियों को संभालने में व्यस्त रहे होंगे. कालीघाट में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ममता बनर्जी ने दोहराया कि वह इस्तीफा नहीं देंगी और कहा कि वह चुनाव परिणाम को वास्तविक हार के रूप में स्वीकार नहीं करती हैं. तृणमूल के 80 में से 11 विधायकों के नदारद रहने पर कई तरह की बातें हो रही है. अब सवाल उठ रहे हैं कि सत्ता से बेदखल होते ही बगावत तो नहीं शुरू हो गई? बहरहाल जो भी हो बंगाल चुनाव में हार के बाद टीएमसी में आंतरिक मंथन तेज हो गया है. ममता बनर्जी के आवास पर हुई बैठक में चुनाव परिणामों की समीक्षा के साथ संगठन की स्थिति और आगे की रणनीति पर चर्चा हुई. साथ ही विपक्ष में टीएमसी की क्या भूमिका होगी, इस पर भी चर्चा हुई. टीएमसी नेता कुणाल घोष ने बताया कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कौन होगा, बैठक में इस पर चर्चा हुई.

कोलकाता हवाई अड्डे पर कारतूस ले जाने के पुराने मामले में तृणमूल पार्षद गिरफ्तार

कोलकाताः नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वैध दस्तावेजों के बिना कारतूस ले जाने के एक पुराने मामले में तृणमूल कांग्रेस के एक पार्षद को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान अमीरुल शेख इस्लाम के रूप में हुई है, जो बज बज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पुजाली नगरपालिका के वार्ड 14 से पार्षद है. अधिकारी ने बताया कि आरोपी को मंगलवार रात को हिरासत में लिया गया. उन्होंने बताया कि पिछले साल सितंबर में वह एक विमान से उड़ान भरने के लिए कोलकाता हवाई अड्डे पहुंचा था और उसके सामान से कारतूस बरामद हुआ था लेकिन वह निर्धारित समय में उसके लिए कोई वैध लाइसेंस दिखाने में असफल रहे. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सब-इंस्पेक्टर गोपाल शॉ द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, घटना 21 सितंबर, 2025 की है जब आरोपी इंडिगो की उड़ान में सवार होने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंचा था. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, नियमित सामान जांच के दौरान यात्री के सामान में एक मैगजीन के साथ 7.65 एमएम के छह कारतूस बरामद हुए थे. अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने शुरू में दावा किया था कि उसके पास वैध लाइसेंस है और उसने दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा था. अधिकारी ने कहा, चूंकि वह एक निर्वाचित जन प्रतिनिधि है, इसलिए उसे आवश्यक कागजात प्रस्तुत करने के लिए सात दिन का समय दिया गया था. हालांकि, वह दिए गए समय के भीतर कोई भी वैध दस्तावेज़ प्रस्तुत करने में विफल रहा. अधिकारी ने कहा कि इसके बाद, हवाई अड्डे के थाने में शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया. अधिकारी ने बताया, वैध लाइसेंस के बिना कारतूस रखना दंडनीय अपराध है.

अभिषेक बनर्जी के आवास, कार्यालय के बाहर से अतिरिक्त पुलिस तैनाती हटायी गयी

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी के कोलकाता में हरीश मुखर्जी रोड स्थित आवास और कैमक स्ट्रीट कार्यालय के बाहर से अतिरिक्त पुलिस तैनाती और क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था समीक्षा किए जाने के बाद हटा ली गई है. हालांकि, उनकी मौजूदा सुरक्षा श्रेणी में कोई बदलाव नहीं किया गया है. उन्हें अब भी 'जेड' श्रेणी की पुलिस सुरक्षा मिलती रहेगी. अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र प्रबंधन से जुड़ी तैनाती को हटाने का फैसला बुधवार सुबह नए निर्देशों के बाद लागू हुआ. उनके हरीश मुखर्जी रोड स्थित आवास के सामने फुटपाथ पर एक 'सिजर बैरिकेड' लगा हुआ दिखाई दिया, लेकिन वहां कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था. आवास के बाहर बनाया गया पुलिस केबिन अभी तक हटाया नहीं गया है. सूत्रों के अनुसार, पहले की व्यवस्था में तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव के कहीं भी जाने से पहले पुलिसकर्मियों द्वारा मार्ग की जांच की जाती थी. अधिकारियों ने बताया कि हालांकि, संशोधित व्यवस्था के तहत अब अभिषेक बनर्जी की आवाजाही से पहले कोई पुलिस वाहन मार्ग की अग्रिम जांच या सड़क से अन्य वाहनों की आवाजाही रोकने का काम नहीं करेगा. निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए प्रवेश मार्ग पर लगाया गया 'सिज़र बैरिकेड' भी मंगलवार को हटा दिया गया. 'सिज़र बैरिकेड' धातु का, मुड़ जाने वाला एक सुरक्षा अवरोधक होता है, जिसका उपयोग पुलिस किसी सड़क, गली या भवन में प्रवेश को नियंत्रित या प्रतिबंधित करने के लिए करती है. यह कैंची की तरह खुलता और बंद होता है, इसलिए इसे यह नाम दिया गया है.

दिलीप घोष का विस्फोटक हमला

दो दिन में उतर जाएगा सत्ता का नशा, वह साड़ी वाली 'डोनाल्ड ट्रम्प' हैं

कोलकाता: चुनाव परिणामों के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में उबाल आ गया है. भाजपा के कद्दावर नेता दिलीप घोष ने मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है. उन्होंने सत्ता पक्ष को चेतावनी देते हुए कहा कि जनता ने उन्हें नकार दिया है और अब उनके रिटायरमेंट का समय आ गया है. मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए दिलीप घोष ने कहा, दो दिनों के भीतर उनके सत्ता का नशा उतर जाएगा. जनता ने उन्हें खदेड़ दिया है, अब उन्हें चुपचाप कालीघाट चले जाना चाहिए. उनकी सेवानिवृत्ति की उम्र हो गई है. वह कोर्ट, चुनाव आयोग और जनता-किसी पर विश्वास नहीं करती थीं, और अब वह जनमत को भी स्वीकार नहीं कर पा रही हैं. घोष ने मुख्यमंत्री की तुलना पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति से करते हुए कहा, वह 'साड़ी वाली डोनाल्ड ट्रम्प' हैं. जैसे ट्रम्प ने हारने के बाद कहा था कि मैं नहीं हारा, वैसे ही इनकी स्थिति हो गई है. वह अपनी हार स्वीकार करने की मानसिक स्थिति में नहीं हैं. संदेशखाली के नैजाट और अन्य इलाकों में हुई हिंसा पर बोलते हुए दिलीप घोष ने कहा, नैजाट में जो हुआ, वह तृणमूल का आंतरिक झगड़ा है. टीएमसी के लोग अपनों को ही मारकर भाजपा पर दोष मढ़ रहे हैं. हमने 15 साल तक इनका अत्याचार सहा है. अब जनता का गुस्सा देखिए. कुणाल घोष बात-बात पर इसे जन-आक्रोश कहते थे, अगर असली जन-आक्रोश हमने दिखा दिया, तो शरीर पर कपड़ा और खाल तक नहीं बचेगी. अभिषेक बनर्जी का नाम लिए बिना उन पर हमला करते हुए घोष ने कहा, खोकाबु ने डायलॉग दिया था कि 4 तारीख के बाद दिल्ली का बाप भी नहीं बचा पाएगा. मैं पूछता हूँ-अब तुम्हारा बाप कहाँ है? तुम्हें कौन बचाएगा? तुम भाजपा की शराफत के कारण बचे हुए हो, वरना लोग तुम्हें पेड़ों से टांग देते. कार्यकर्ताओं से मेरा कहना है कि चूहों को मत मारो, मारना है तो शेर मारो-दिलीप घोष की तरह. दिल्ली के बंग भवन का जिक्र करते हुए उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए. उन्होंने कहा, दिल्ली के बंग भवन में 72 पुलिसकर्मी तैनात थे जो पैसों का लेनदेन करते थे. हमारे लिए वहां कमरे बुकिंग रद्द कर दी जाती थी. अब कालीघाट का रास्ता खुल गया है. राज्य में कहीं भी किसी के घर के सामने बेवजह गार्ड रेल नहीं रहेगी, हम सब हटा देंगे.

चुनाव जीतने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने कोलकाता में मांस की दुकानों को बुलडोजर से ध्वस्त किया: तृणमूल

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थकों ने विजय उत्सव के दौरान न्यू मार्केट इलाके में मांस की कुछ दुकानों को बुलडोजर से तोड़ दिया और पार्टी ने इसे 'गुंडागर्दी' करार दिया. ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी ने मंगलवार रात को हुई इस घटना के दौरान केंद्रीय बलों पर कोई कार्रवाई नहीं करने का भी आरोप लगाया. पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य भाजपा नेताओं ने 'बुलडोजर न्याय' वाक्यांश का इस्तेमाल किया था और जोर देकर कहा था कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो हर अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया जाएगा. तृणमूल ने एक पोस्ट में कहा, भाजपा का परिवर्तन आ गया है और यह बुलडोजर लेकर आया है. भाजपा समर्थकों की भीड़ ने खुलेआम गुंडागर्दी करते हुए न्यू मार्केट इलाके के पास जमकर उत्पात मचाया, दुकानें तोड़ीं और तृणमूल कांग्रेस के पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की. तृणमूल ने घटना का वीडियो संलग्न करते हुए कहा कि यह उस ऐसी पार्टी का जश्न था जिसने भरोसे की बातें कीं और फिर आतंक फैलाया. टीएमसी ने दावा किया कि यह घटना चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद 'धमकी भरे रवैये' को दर्शाती है. पार्टी ने कहा, चुनाव से पहले: भय दूर, भरोसा कायम चुनाव के बाद: भरोसा दूर, बुलडोजर आया. तृणमूल ने दावा किया कि कथित घटना राज्य में कानून-व्यवस्था के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करती है. पार्टी ने दावा किया कि केंद्रीय बल वहां मौजूद थे लेकिन उन्होंने 'हस्तक्षेप नहीं किया', और आरोप लगाया कि उन्हें पीछे हटने के निर्देश दिए गए थे. सोमवार को भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर शानदार जीत हासिल की, जिससे राज्य में टीएमसी के 15 साल के निरंतर शासन का अंत हो गया. तृणमूल से राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए कथित घटना को उजागर किया. उन्होंने लिखा, मध्य कोलकाता में, न्यू मार्केट के पास, पुलिस की अनुमति से. विजय समारोह के तहत मांस की दुकानों को गिराने के लिए एक बुलडोजर लाया गया. सीएपीएफ के जवान आसपास खड़े थे. यही है भाजपा का हाल. दुनिया को ये तस्वीरें देखने दीजिए. भाजपा ने आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य और अन्य नेताओं ने स्पष्ट किया है कि वे किसी भी प्रकार की हिंसा या प्रतिशोध का समर्थन नहीं करते हैं. भट्टाचार्य ने कहा, हम पुलिस और सुरक्षा बलों से आग्रह करते हैं कि वे जश्न के नाम पर शांति और कानून व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके में भाजपा की जीत का जश्न मनाने के लिए लोग इकट्ठा हुए थे, पुलिस और केंद्रीय बल वहां मौजूद थे और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई.

भांगड़ में तनाव के बीच नौशाद सिद्दीकी ने समर्थकों से शांति बनाए रखने की अपील

कोलकाताः दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ इलाके में विधानसभा चुनाव के बाद भी राजनीतिक तनाव जारी है. आईएसएफ के चेयरमैन नौशाद सिद्दीकी ने दूसरी बार चुनाव जीतने के बाद मंगलवार देर शाम अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से शांति बनाए रखने की अपील की है. बताया जा रहा है कि भांगड़, कैनिंग और सोनारपुर इलाके में भाजपा और आईएसएफ के समर्थकों द्वारा तृणमूल कांग्रेस के कार्यालयों पर कब्जा करने और तोड़फोड़ करने के आरोप लगे हैं. कैनिंग पूर्व सीट से तृणमूल उम्मीदवार बहारुल इस्लाम की जीत के बावजूद जीवनतला क्षेत्र में तृणमूल नेता शौकत मोल्ला के कार्यालय और उनके फैन क्लब के दफ्तर पर आईएसएफ समर्थकों के कब्जे का आरोप है. शौकत मोल्ला का फोन भी बंद आ रहा है. मंगलवार को निमकुड़िया गांव में भी हिंसा की घटना सामने आई. आरोप है कि तृणमूल का झंडा नहीं हटाने पर 50-60 आईएसएफ समर्थकों ने हाकिम अली मोल्ला के घर में घुसकर हमला किया. इस घटना में हाकिम अली और उनकी पत्नी आयशा बीबी को पीटा गया, जिससे आयशा बीबी और उनके बेटे फरीद अली मोल्ला के सिर में चोट लगी. एक अन्य बेटे फिरोज मोल्ला पर धारदार हथियार से हमला करने का भी आरोप है. इसके अलावा मंगलवार देर शाम शांकशहर और चालताबेड़िया में कई घरों को नुकसान पहुंचाने की शिकायत मिली है. काठालिया बस स्टैंड पर दुकानों में तोड़फोड़ की कोशिश के दौरान विजयगंज बाजार थाने की पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को नियंत्रित किया. गौरतलब है कि कुछ महीने पहले इसी भांगड़ क्षेत्र में तृणमूल नेता रज्जाक खां की हत्या हुई थी. वहीं न्यू टाउन से सटे हाथीशाला, कुलबेड़िया और जिरानगाछा में भी तृणमूल के पार्टी कार्यालयों पर कब्जे के आरोप आईएसएफ समर्थकों पर लगे हैं.

बंगाल में भाजपा की जीत के बाद हिंसा जारी

लेनिन की प्रतिमा तोड़े जाने से माहौल गरमाया

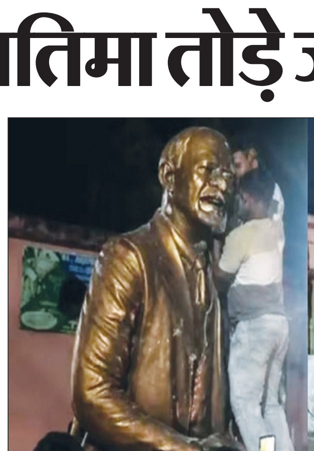

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कई जगहों से हिंसा और तनाव की खबरें सामने आई हैं. ताजा मामला मुर्शिदाबाद जिले के जियागंज का है, जहां मंगलवार शाम श्रीपत सिंह कॉलेज के सामने लगभग दो दशक पुरानी लेनिन की प्रतिमा को तोड़ दिया गया. इस घटना के वीडियो और तस्वीरें वायरल हो गई हैं. इनमें दिखाया गया है कि पहले मूर्ति का चेहरा तोड़ा गया और फिर पूरी मूर्ति को वेदी से उखाड़ दिया गया. आरोप है कि कुछ उपद्रवी वहां पहुंचे और लोहे की छड़ों और फावड़ों से प्रतिमा को तोड़ दिया. मौके पर पुलिस की मौजूदगी के बावजूद स्थिति अराजक हो गई. इस घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया है और वामपंथी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. इधर, राज्यभर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद कई स्थानों से हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं. स्थानीय सूत्रों का दावा है कि जश्न के दौरान कुछ समर्थकों ने प्रतिमा को निशाना बनाया. हालांकि, इन आरोपों को लेकर राजनीतिक विवाद भी तेज हो गया है. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है. इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रण में रखा गया है. राज्य में हिंसा को लेकर बुधवार को मीडिया से बात करते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक सिद्धनाथ गुप्ता ने कहा कि सबसे अधिक घटनाएं आसनसोल, कूचबिहार और बारुईपुर इलाकों में हुई हैं. हालांकि, उन्होंने कहा कि बुधवार सुबह से किसी नई गड़बड़ी की खबर नहीं है. डीजीपी ने बताया कि नानूर और न्यू टाउन इलाके में दो लोगों की मौत की सूचना मिली है. चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामलों में अब तक 200 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई और 433 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. वहीं, 1100 से ज्यादा लोगों को भी हिरासत में लिया गया है. सिद्धनाथ गुप्ता ने कहा कि पुलिस की सख्ती और लगातार कार्रवाई के कारण हालात अब काफी हद तक नियंत्रण में हैं और बुधवार सुबह से कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई है. उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की. डीजीपी ने कहा कि दोनों को पहले की तरह जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिल रही है और किसी तरह की सुरक्षा वापस नहीं ली गई है. उन्होंने बताया कि 'येलो बुक' के नियमों के अनुसार ही जेड प्लस श्रेणी के सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाती है. अतिरिक्त बल को हटाकर उसे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के काम में लगाया गया है. इसलिए सुरक्षा में कटौती की बात सही नहीं है.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)

सम्पर्क :

मो. : 9831572125, 9831494084

www.yuvashakti.news.com

email: yuvashakti@hotmail.com

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या एमसी_एससी_कोचएमिनिटी_एसडीएएच_26, दिनांक 27.04.2026, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर, पूर्व रेलवे, सियालदह, कक्ष सं. 42, प्रथम तल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित निविदा प्रारूप में पर्याप्त अनुभवी एवं वित्तीय संपन्न ख्यातिप्राप्त ठेकेदारों से "दो पैकेट प्रणाली" में मुहरबंद खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम/विवरण:** तीन वर्ष के लिए सियालदह, सीपी कोचिंग डिपो में प्राइमरी और राउंड ट्रिप मेंटेन किए गए कोच में सामान्य फर्निशिंग, कारपेंटरी, प्लंबिंग, ट्रिमिंग और दूसरी पैसेंजर सुविधाओं पर ध्यान देने के कार्य और 03 वर्ष के लिए चेयर कार में रिक्लाइनिंग मैकेनिज्म की मरम्मत के कार्य की आउटसोर्सिंग। **निविदा मूल्य :** रु.19,01,80,739.31, **बयाना राशि :** रु. 11,00,900/-, **ठेका अवधि :** 03 वर्ष, **निविदा कागजात का मूल्य :** रु. 0.00, **बोली प्रारंभ करने की तिथि :** दिनांक 05.05.2026, **निविदा के बंद होने की तिथि और समय :** दिनांक 19.05.2026 को 15.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 19.05.2026 को 15.00 बजे। ई-निविदा सूचना एवं कार्य के पात्रता मानदंड समेत निविदा कागजात www.ireps.gov.in (वेबसाइट यूआरएल) से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। SDAH-29/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 04.05.2026, मंडल अभियंता/I, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. 1, निविदा सं.:** टीएन-13-26-27, **कार्य का नाम:** 01 वर्ष के लिए, सहायक अभियंता (वर्क्स)/I/सियालदह के कार्यक्षेत्र में सियालदह स्टेशन, बी. आर. सिंह अस्पताल, डीआरएम बिल्डिंग सर्कुलेटिंग एरिया, ब्लॉक नंबर 210 और सियालदह स्थित बी. सी. रॉय इंस्टीट्यूट के रेलवे परिसर/कैंपस के भीतर, मासिक किराए के आधार पर, पूरी तरह से विकसित गमलों वाले लाइव इनडोर और आउटडोर सजावटी पौधे तथा विभिन्न किस्मों के मौसमी फूलों की आपूर्ति एवं प्रदर्शित करना और उनका रखरखाव करना तथा मंडल अभियंता (मुख्यालय)/सियालदह के अधीन सहायक अभियंता (वर्क्स)/II/सियालदह के कार्यक्षेत्र में जीएम बंगले, बेल्वेडियर पार्क ऑफिसर्स कॉलोनी परिसर, 1/1ए रेल मीनार, जजेस कोर्ट परिसर, न्यू अलीपुर ऑफिसर्स कॉलोनी, अलीपुर परिसर (बर्न स्टैंडर्ड), ईआरएससी (बेहला) के रेलवे परिसर/कैंपस के भीतर, मासिक किराए के आधार पर, पूरी तरह से विकसित गमलों वाले लाइव इनडोर और आउटडोर सजावटी पौधे तथा विभिन्न किस्मों के मौसमी फूलों की आपूर्ति एवं प्रदर्शित करना और उनका रखरखाव करना **निविदा मूल्य :** रु.1,87,47,401.10, **बयाना राशि :** रु. 3,75,000/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 2, निविदा सं.:** टीएन-14-26-27, **कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/सियालदह के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एसएसई/पीडब्ल्यू/सियालदह के खंड में, एनसीसी पिट लाइन संख्या 2, 5, 7, 8 और एनएसएस यार्ड लाइन संख्या 2, 4, 5, 6, 8 पर बीएलटी ट्रैक का सुदृढ़ीकरण। **निविदा मूल्य :** रु.91,05,385.70, **बयाना राशि :** रु. 1,82,100/-, **कार्य की समापन अवधि:** 06 (छह) माह। **क्रम सं. 3, निविदा सं.:** टीएन-16-26-27, **कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/I/सियालदह के अधिकार क्षेत्र में, खराब हो चुके ग्लूड जॉइंट्स/ब्लॉक जॉइंट्स को बदलने के संबंध में, इनसिटू ग्लूड जॉइंट्स (52/60 केजी) का प्रावधान। **निविदा मूल्य :** रु.71,49,001/-, **बयाना राशि :** रु. 1,43,000/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 29.05.2026 को 15.00 बजे (क्रम 1 से 3 प्रत्येक हेतु)। 1. निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव को तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। 2. **निविदा के खुलने की तिथि और समय** दिनांक 29.05.2026 को 15.30 बजे है। SDAH-28/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

न्यूज कॉर्नर

जिले में नेहा कुमारी ने किया शानदार प्रदर्शन, कला संकाय में द्वितीय स्थान प्राप्त

पाकुड़ : जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड के अपग्रेड प्लस टू विद्यालय की छात्रा नेहा कुमारी ने कला संकाय में 444(88.8%)अंक प्राप्त कर पूरे पाकुड़ जिले में द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है. उनकी इस उपलब्धि से परिवार, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है.नेहा कुमारी के पिता राजेश मंडल तथा माता रीना देवी (गृहिणी) हैं. नेहा की प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, लिट्टीपाड़ा से हुई, जहां से उन्होंने अपनी पढ़ाई की मजबूत नींव रखी. निरंतर परिश्रम, अनुशासन और लगन के बल पर उन्होंने यह सफलता अर्जित की है.नेहा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है, जिन्होंने हर कदम पर उनका मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन किया. उन्होंने बताया कि आगे चलकर वे शिक्षिका बनकर समाज में शिक्षा का प्रसार करना चाहती हैं.विद्यालय परिवार ने नेहा की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है.

तृणमूल का अंतर्कलह, पापिया घोष ने लगाया पार्टी में 'मालिक–नौकर' संस्कृति का आरोप

सिलीगुड़ी :. पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर घमासान तेज हो गया है. हार के तुरंत बाद ही पार्टी के अंदरूनी हालात को लेकर खुलकर बयानबाज़ी शुरू हो गई है.सिलीगुड़ी की पूर्व जिला अध्यक्ष पापिया घोष ने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा, तृणमूल में हम लोग सिर्फ 'नौकर' थे. पिछले पांच सालों में पार्टी किसी सिस्टम से नहीं चली, बल्कि 'मालिक-नौकर' संस्कृति पर चलती रही थी. हमारा काम सिर्फ आदेश मानना था.उनके इस बयान से राज्य की राजनीति में हलचल मच गई है.पापिया घोष ने उत्तर बंगाल में तृणमूल के खराब प्रदर्शन के लिए सिंडिकेट राज और नेताओं के अहंकार को जिम्मेदार ठहराया. उनका कहना है कि जनता ने पार्टी को नहीं, बल्कि उसके घमंडी नेताओं को नकार दिया है.वहीं, हार के बाद पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी और चुनावी रणनीतिकार संस्था आई-पैक पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं. पार्टी नेताओं का आरोप है कि आई-पैक के पास अत्यधिक शक्ति थी और राज्य के नेता निर्णय लेने में असमर्थ थे. नेताओं का यह भी कहना है कि केंद्रीय बलों की सख्ती और चुनाव आयोग की निगरानी के कारण इस बार पुरानी रणनीति काम नहीं कर पाई.नतीजों की समीक्षा से पहले ही इस तरह के बयानों ने साफ कर दिया है कि तृणमूल के अंदर बड़े स्तर पर असंतोष पनप रहा है, खासकर उत्तर बंगाल में. लगातार सामने आ रही नाराज़गी पार्टी नेतृत्व के लिए आने वाले समय में बड़ी चुनौती बन सकती है.

पति की गैरमौजूदगी में घर बुलाए गैर–मर्द

धूपगुड़ी : जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 2, रायपाड़ा इलाके में आज उस समय भारी सनसनी फैल गई, जब एक घर में अनैतिक कार्यों के आरोप में स्थानीय लोगों ने एक महिला और दो युवकों को रंगे हाथों पकड़ लिया. घटना के बाद पूरे इलाके में काफी तनाव और आक्रोश देखा गया.कैसे हुआ खुलासा ?स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रायपाड़ा निवासी देबू राय की पत्नी पर आरोप है कि वह अपने पति की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर घर पर बाहरी पुरुषों को बुलाती थी. आज भी धूपगुड़ी के अल्टाग्राम इलाके के दो युवक वहाँ पहुंचे थे. बताया जा रहा है कि एक दोस्त दूसरे को मौका देकर बाहर निगरानी कर रहा था.घर के पास ही दुकान चलाने वाले भुट्टू राय ने जब अपने सामान के पास अंदर से कुछ संदिग्ध आवाजें सुनीं, तो उन्हें शक हुआ. हालांकि उन्होंने पहले इसे गुप्त रखने की कोशिश की, लेकिन पास की महिलाओं को इसकी भनक लग गई. देखते ही देखते महिलाओं और स्थानीय लोगों की भीड़ घर के सामने जमा हो गई और दोनों युवकों को महिला के साथ पकड़ लिया गया.प्रमुख विवरण:पकड़े गए लोग: अल्टाग्राम इलाके के दो युवक और संबंधित महिला.स्वीकारोक्ति: भीड़ के दबाव में युवकों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली, जिसके बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा और बढ़ गया.पुलिसिया कार्रवाई: घटना की जानकारी तुरंत धूपगुड़ी थाना पुलिस को दी गई. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों और महिला को हिरासत में ले लिया और थाने ले गई.पुराना रिकॉर्ड:स्थानीय निवासियों का दावा है कि उक्त महिला के खिलाफ पहले भी इस तरह के अनैतिक कार्यों की शिकायतें मिली थीं. आज रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद लोगों ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है.फिलहाल, पुलिस तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और मामले की कानूनी जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस के दखल के बाद ही इलाके में स्थिति शांत हो पाई है.

'गोविंदभोग चावल' के विज्ञापनों को लेकर नयाबाजार में तनाव

सिलीगुड़ी: शहर के प्रमुख व्यापारिक केंद्र नयाबाजार के नेहरू रोड इलाके में बुधवार को 'गोविंदभोग चावल' के विज्ञापनों और प्रतीकों को लेकर भारी तनाव व्याप्त हो गया. एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान द्वारा प्रचार के लिए इस्तेमाल किए जा रहे प्रतीकों पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों और एक संगठन ने विरोध प्रदर्शन किया.धार्मिक प्रतीकों और लेबलिंग पर विवादप्राप्त जानकारी के अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ जब बंगीय हिंदू महामंच के प्रतिनिधियों ने एक दुकान पर आपत्ति जताई. संगठन के अध्यक्ष विक्रमादित्य मंडल के नेतृत्व में पहुंचे प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि चावल की बोरियों पर पहले से ही एक विशिष्ट धार्मिक प्रतीक और 786 अंकित था, लेकिन उसके ऊपर 100% शुद्ध गोविंदभोग का स्टिकर लगाकर उसे बेचा जा रहा था. प्रदर्शनकारियों का दावा है कि इस तरह की लेबलिंग से उपभोक्ताओं में भ्रम पैदा हो रहा है और यह धार्मिक संवेदनाओं के विरुद्ध है.मौके पर मची अफरा-तफरीदोपहर करीब ढाई बजे संगठन के सदस्यों और दुकान प्रबंधन के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जिससे देखते ही देखते माहौल गर्म हो गया. प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि संबंधित सभी पोस्टर और ग्लो-साइन बोर्ड तुरंत हटाए जाएं.पुलिस और स्थानीय पार्षद ने संभाली स्थितिस्थिति को बिगड़ते देख सिलीगुड़ी पुलिस और स्थानीय भाजपा पार्षद अमित जैन तुरंत मौके पर पहुंचे. पार्षद अमित जैन ने प्रदर्शनकारियों और व्यापारियों के बीच मध्यस्थता की और उत्तेजित भीड़ को शांत कराया. उनके निर्देश के बाद प्रदर्शनकारी वहां से हटे. पार्षद ने स्थानीय व्यापारियों से भी बात की ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो.प्रशासनिक कार्रवाईपुलिस सूत्रों ने बताया है कि इस मामले में थाने में एक लिखित डायरी दर्ज की गई है. पुलिस प्रशासन और संबंधित विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं कि क्या यह जानबूझकर किया गया था या महज एक त्रुटि थी. प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि जांच के आधार पर उचित कदम उठाए जाएंगे. फिलहाल इलाके में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में और सामान्य है.

चुनाव में पराजय के बाद सिलीगुड़ी के मेयर पद से गौतम देव के इस्तीफे की सुगबुगाहट तेज

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार शंकर घोष के हाथों में मिली करारी शिकस्त के बाद गौतम देव ने सिलिगुड़ी के मेयर का पद छोड़ने की इच्छा जताई है. हालांकि समर्थकों ने उन्हें जल्दबाजी में फैसला न लेने की सलाह दी है.शंकर घोष के खिलाफ गौतम देव को रिकॉर्ड 73,192 वोटों से हार का सामना करना पड़ा. हार के बाद सोमवार को उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे, लेकिन मंगलवार को वह घर से बाहर नहीं निकले. दिनभर तृणमूल के कई नेता उनसे मिलने पहुंचे और चुनाव के बाद की स्थिति पर चर्चा हुई. इसी दौरान उन्होंने कहा कि वह अब मेयर पद पर बने रहना नहीं चाहते.मेयर पद छोड़ने की वजह पर गौतम देव ने कहा कि पहले यह देखना होगा कि भाजपा आगे क्या कदम उठाती है-क्या नगर निगम को भंग कर फिर से चुनाव कराया जाएगा या नहीं. उन्होंने साफ किया कि वह अपनी बात पार्टी नेतृत्व को बताएंगे और अंतिम निर्णय पार्टी का ही होगा.

झारखण्ड राज्य ओलम्पियाड- 25 परीक्षा शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ शांतिपूर्ण संपन्न

पाकुड़: जिला शिक्षा पदाधिकारी के दिशा-निर्देशों पर झारखण्ड राज्य ओलम्पियाड- 2025 के द्वितीय चरण की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई. परीक्षा का आयोजन पूर्वाहन 10.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे तक किया गया. इस जिला स्तरीय परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय पाकुड़ राज +2 को एकमात्र परीक्षा केन्द्र निर्धारित किया गया था. इस परीक्षा के लिए जिले से कुल 33 मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया गया था.

परीक्षा में शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई. कुल 33 परीक्षार्थियों में से सभी 33 उपस्थित रहे (कक्षा 7 से 12 छात्र, कक्षा 8 से 10 छात्र और कक्षा 9 से 11 छात्र). किसी भी परीक्षार्थी की अनुपस्थिति दर्ज नहीं हुई. अधिकारियों के कुशल नेतृत्व में कदाचार मुक्त परीक्षा परीक्षा के पारदर्शी और सुचारु संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा

नियुक्त अधिकारियों ने पूरी मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभाई. राजू नन्दन साहा प्रभारी प्रधानाध्यापक को इस परीक्षा केन्द्र का केन्द्राधीक्षक नियुक्त किया गया था. श्रीमती सुधा कुमारी प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, हिरणपुर को केन्द्र पर्यवेक्षक के रूप में नामित किया गया था. संबंधित पर्यवेक्षक एवं केन्द्राधीक्षक संयुक्त रूप से कदाचार मुक्त परीक्षा के लिए जिम्मेवार थे. प्रश्न-पत्र एवं ओ.एम.आर शीट की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रखण्ड संसाधन केन्द्र पाकुड़ को बजगृह बनाया गया था तथा श्रीमती सुमिता मराण्डी प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, पाकुड़ को बजगृह प्रभारी का दायित्व सौंपा गया था.

झारखण्ड अधिविद्य परिषद् के मानकों के अनुरूप परीक्षा संपन्न कराने में प्रतिनियुक्त वीक्षकों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही. परीक्षा कक्ष में वीक्षक के रूप में श्री नसीम दफादार, श्री मुकुल हुसैन और श्रीमती मीना हेम्ब्रम आदि ने उत्कृष्ट कार्य किया. सभी अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और वीक्षकों के समन्वित प्रयास से झारखण्ड राज्य ओलम्पियाड- 2025 की यह परीक्षा पूर्णतः शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न हुई.

दीनी व आधुनिक शिक्षा को सशक्त बनाने पर हुई विचार विमर्श

पाकुड़: रहसपुर मदरसा में मौलाना साहबों की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में दीनि तालीम (धार्मिक शिक्षा) के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई तथा शिक्षा को प्रभावी बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया.इस अवसर पर पूर्व विधायक अकील अख्तर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्रों को बेहतर शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया और मौलाना साहबों के साथ मिलकर दीनि तालीम को सुदृढ़ एवं आधुनिक समय के अनुरूप बनाने पर अपने विचार साझा किए.उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है. दीनि

उपायुक्त ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय का किया निरीक्षण

पाकुड़: जिले के महेशपुर प्रखंड उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज ने महेशपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कैराछत्तर स्थित पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया.प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव, अंचलाधिकारी श्री संजय कुमार सिन्हा एवं जेएसएलपीएस की दीदियों द्वारा उपायुक्त का स्वागत किया गया.
कंप्यूटर ऑपरेटर कक्ष का निरीक्षण, कार्यों में तेजी लाने का निर्देश
उपायुक्त ने कार्यालय परिसर स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण करते हुए कंप्यूटर ऑपरेटर कक्ष का भी जायजा लिया. इस दौरान सभी ऑपरेटरों को नियमों के अनुरूप कार्य करने एवं लंबित कार्यों को शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया.
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण, साफ-सफाई पर विशेष जोरइसके उपरांत उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशपुर का निरीक्षण किया. इस दौरान ओपीडी,

लेबर रूम, दवा कक्ष, इमरजेंसी वार्ड सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण किया गया तथा मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली गई.
अस्पताल में बिजली आपूर्ति बाधित पाए जाने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार किस्कु को अविलंब वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने, उपलब्ध जनरेटर के समुचित संचालन हेतु आवश्यक अपग्रेडेशन (उन्नयन) करने, इनवर्टर लगाने एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया. साथ ही सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों के साथ बेहतर व्यवहार करते हुए गुणवत्तापूर्ण सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए.
कस्तूरबा विद्यालय में पठन-पाठन व आधारभूत सुविधाओं की जांच
कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कैराछत्तर के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पठन-पाठन व्यवस्था का जायजा लिया तथा कक्षाओं में जाकर छात्राओं से संवाद किया. निरीक्षण के दौरान बाथरूम एवं शौचालय की साफ- सफाई को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.
साथ ही जर्जर भवन की मरम्मत कराने, नए शौचालय निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने तथा छात्राओं के लिए खेल मैदान विकसित करने के निर्देश दिए.
योजनाओं के लाभ से पूर्व अनिवार्य सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश
उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मैय्या सम्मान योजना सहित अन्य सभी योजनाओं के अंतर्गत लाभुकों को राशि हस्तांतरण से पूर्व उनका समुचित सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए. बिना सत्यापन के किसी भी लाभुक के खाते में राशि स्थानांतरित न करने के निर्देश दिए गए.
आंगनबाड़ी केंद्रों में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने का निर्देश
उपायुक्त ने बाल विकास परियोजना के समीक्षा के क्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल, बिजली, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि सभी केंद्रों में आधारभूत सुविधाएं हर हाल में उपलब्ध रहनी चाहिए तथा जहां कहीं भी कमी है, वहां अविलंब आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए.

झामुमो ने की एसबीआई एटीएम सुरक्षा में कार्यरत 140 गार्डों की बहाली की मांग

जमशेदपुर : एसबीआई बैंक के एटीएम में पिछले 20 वर्षों से कार्यरत 140 सुरक्षा गार्डों को नई एजेंसी द्वारा हटाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है. हाल ही में कार्यभार संभालने वाली एजेंसी डब्ल्यूडब्ल्यूएसओ इंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा इन गार्डों को कार्य से हटाया जा रहा है. इस मुद्दे को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता प्रमोद लाल, शेख बदरूदीन और महावीर मुर्मू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से मुलाकात की और सभी हटाए गए गार्डों की बहाली की मांग की. गार्डों ने आरोप लगाया कि एजेंसी उन्हें महीने में 30 दिनों का कार्य करवाती है, लेकिन वेतन केवल 26 दिनों का दिया जाता है. साथ ही, पिछले 15 महीनों से भविष्य निधि (पीएफ) की राशि भी जमा नहीं की गई है. झामुमो प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से बकाया पीएफ राशि की वसूली और नई एजेंसी के तहत 140 गार्डों की पुनः बहाली की मांग रखी. उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि नई एजेंसी के तहत सभी पात्र गार्डों को पुनः बहाल कराया जाएगा. इस अवसर पर प्रमोद सिंह, शशिकांत पांडे, राजीव तिवारी, पंकज कुमार, प्रीतेश सिंह, अमित सिंह, विशाल कुमार, भरत भूषण ओझा, रवि पांडे, विनोद कुमार, दिनेश कुमार, अमित कुमार, अरविंद गिरी, सोनू बाग सहित कई लोग उपस्थित थे.

'जीवन' संस्था की अपील

जमशेदपुर : बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए आत्महत्या निवारण केंद्र 'जीवन' ने छात्रों से मानसिक दबाव को चुपचाप सहने के बजाय समय पर सहायता लेने की अपील की है. संस्था ने कहा है कि परीक्षा परिणामों को लेकर डर, निराशा या असमंजस महसूस करना सामान्य है, इस स्थिति को संभाला जा सकता है.

चांदपुर नहर मामले में प्रशासन सख्त, हुई हाई लेवल बैठक

पाकुड़: चांदपुर नहर से जुड़े मामलों को लेकर जिला प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है. राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों के आलोक में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित विभागों की अब तक की कार्रवाई की गहन समीक्षा की गई.बैठक में अपर समाहर्ता ने स्पष्ट निर्देश दिया कि चांदपुर नहर से जुड़े सभी विभाग तत्काल अद्यतन स्थिति रिपोर्ट उपलब्ध कराएं. उन्होंने कहा कि अब तक किए गए कार्यों और वर्तमान स्थिति का समग्र आकलन कर आगे की रणनीति तय की जाएगी. यह समिति की पहली बैठक थी, जिसमें तय किया गया कि सभी विभागों से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर अगली बैठक आयोजित होगी. इसके बाद तथ्यों के अनुरूप ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी.
प्रशासन ने साफ संदेश दिया कि नहर से संबंधित सभी कार्यों में पारदर्शिता, पर्यावरणीय मानकों का कड़ाई से पालन और विधिसम्मत प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी. किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.
बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, सिंचाई विभाग, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि, अंचलाधिकारी पाकुड़ सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

अब प्रताड़ितों का सम्मान लौटाने की बारी : शंकर घोष

सिलीगुड़ी : पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में उत्तर बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए तृणमूल कांग्रेस को लगभग साफ कर दिया है. सिलीगुड़ी विधानसभा सीट से बीजेपी के शंकर घोष ने एक बार फिर बड़ी जीत हासिल की है.राज्य में भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने की ओर बढ़ रही बीजेपी को लेकर अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या वह सिलीगुड़ी नगर निगम पर भी कब्जा करेगी ? हालांकि, इस मुद्दे पर शंकर घोष ने साफ किया कि वह व्यक्तिगत रूप से ऐसा नहीं चाहते. शंकर घोष ने कहा, हम बहुत दबाव और कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे थे. हमारी जीत के पीछे कई लोगों का बलिदान है. कई लोग बेघर हुए, कई महिलाओं पर अत्याचार हुआ. यह जीत उन सभी लोगों की है और उनका सम्मान लौटाने की जिम्मेदारी हमारी है. हम जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे.शंकर घोष ने आगे कहा कि शहर के विकास के लिए वह हर संभव कदम उठाएंगे और खासकर पेयजल व नागरिक सेवाओं पर ध्यान देंगे. उन्होंने यह भी कहा कि विकास के मुद्दों पर वह पूर्व मेयर गौतम देव और वरिष्ठ माकपा नेता अशोक भट्टाचार्य से भी सलाह लेने को तैयार हैं.गौरतलब है कि शंकर घोष ने लगातार दो चुनावों में शहर के दिग्गज नेताओं को हराकर जायंट किलर की छवि बनाई है. उन्होंने 2021 में माकपा के दिग्गज अशोक भट्टाचार्य को हराया और फिर 2026 में पूर्व मंत्री और सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देव को बड़े अंतर से मात दी.2026 के चुनाव परिणामों के अनुसार, शंकर घोष को 1,20,760 वोट (करीब 65.78%) मिले, जबकि तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार गौतम देव को 47,568 वोट (25.91%) मिले. जीत का अंतर 73,192 वोट रहा.जीत के बाद शंकर घोष ने इस कामयाबी को अपनी मां, परिवार और दिवंगत पार्टी कार्यकर्ताओं को समर्पित किया है. उन्होंने कहा, यह लड़ाई किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि सिद्धांतों की लड़ाई थी. जनता ने ईवीएम के जरिए अपना जवाब दे दिया है.

पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भागीदारी ही भविष्य को बना सकती है सुरक्षित : एसडीओ

जमशेदपुर : करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर एवं कोरू फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित पृथ्वी दिवस कार्यक्रम का समापन समारोह बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ. यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अरनव मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम, जमशेदपुर उपस्थित रहे. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और युवाओं की भागीदारी ही आने वाले भविष्य को सुरक्षित बना सकती है. उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया. कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद रियाज भी उपस्थित रहे. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण

के प्रति संवेदनशीलता विकसित करते हैं. साथ ही अमित कुमार सिन्हा निर्देशक, गरिमा रोहिल्ला निदेशक, दीपक कुमार सोनी कार्यक्रम प्रबंधक, सदफ खानम कार्यक्रम समन्वयक मौजूद रहे. करीम सिटी कालेज के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. आले अली ने कहा कि सेवा भावना और सामूहिक प्रयासों से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है. वहीं एनएसएस कोऑर्डिनेटर सैयद साजिद परवेज ने सभी स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी ऐसे कार्यों में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया. इस अवसर पर कोरू फाउंडेशन के संस्थापक एवं इवेंट कोऑर्डिनेटर का विशेष योगदान रहा, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका. कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों ने भी भाग लिया और जिसमें अदल्स धूप, एआईडब्ल्यूसी, जमशेदपुर पब्लिक स्कूल, जुस्को स्कूल साउथ पार्क, डीबीएमएस कैरियर अकादमी को पुरस्कार से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा वेस्टेड चीजों से रोज के उपयोग में होने वाले चीजों को बनाया जहां घर के समान के डेकोरेशन से लेकर ठंडा पानी किस तरीके से फिल्टर होकर शुद्ध पानी बनता है उन सारी व्यवस्थाओं को बताते हुए सभी के सामने संदर्भित किया. अंत में एनएसएस स्वयंसेवकों को उनके उत्कृष्ट कार्य और समर्पण के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिससे उनका उत्साह और भी बढ़ा. पूरा कार्यक्रम पृथ्वी दिवस के संदेश को सशक्त रूप से प्रस्तुत करता हुआ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

पश्चिम मेदिनीपुर में भाजपा की जीत का जश्न, कुछ जगहों पर झड़प और तोड़फोड़

मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले में विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी जीत के बाद मंगलवार सुबह से देर रात तक राजनीतिक गतिविधियां और जश्न का माहौल बना रहा. विभिन्न इलाकों में नव-निर्वाचित विधायकों के स्वागत, पूजा-अर्चना, प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात और विजय उत्सव के कई कार्यक्रम आयोजित किए गए.नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज करने के बाद विधायक रमाप्रसाद गिरी मंगलवार सुबह बेलदा इलाके के देउली शिव मंदिर पहुंचे. यहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की जनता के लिए आशीर्वाद मांगा. पूजा के बाद उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनका आभार जताया और कहा कि यह जीत नारायणगढ़ के लोगों के भरोसे और समर्थन का परिणाम है. उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए काम करने का आश्वासन भी दिया.इसी दिन केशियाड़ी विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित विधायक भद्र हेमरम ने भी अलग अंदाज में अपनी गतिविधि जारी रखी. शाम को वह दांतन थाने पहुंचे और चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को धन्यवाद और बधाई दी.

उन्होंने कहा कि जनता ने बदलाव और बेहतर प्रशासन के लिए भाजपा पर भरोसा जताया है और पार्टी आने वाले समय में जनता की उम्मीदों को पूरा करने का प्रयास करेगी.मंगलवार शाम और रात के समय जिले के कई

इलाकों में जश्न का माहौल देखने को मिला. बेलदा कॉलेज सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों ने छात्रों और शिक्षकों को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई. वहीं नारायणगढ़ जनरल डिग्री कॉलेज के सामने एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने अबीर खेलकर और नारे लगाकर जीत का उत्सव मनाया.दिन भर चली राजनीतिक गतिविधियों के बीच नारायणगढ़ में तनाव की एक घटना भी सामने आई. आरोप है कि स्थानीय तृणमूल नेता रंजीत बोस के निजी कार्यालय में कुछ लोगों ने तोड़फोड़ की. स्थानीय लोगों का आरोप है कि नौकरी दिलाने के नाम पर उनसे पैसे लिए गए थे. रात को इलाके में पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. मामले की जांच शुरू कर दी गई है.
उधर मेदिनीपुर शहर में भी देर शाम तक जश्न का माहौल बना रहा. यहां भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने विधायक शंकर गुच्छाइत को मिठाई खिलाकर बधाई दी और जीत की खुशी साझा की.खड़गपुर सदर विधानसभा क्षेत्र में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशी में विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना की. कई स्थानों पर कथा-कीर्तन और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया. कार्यकर्ताओं ने मंदिरों में जाकर भगवान के समक्ष मत्था टेककर क्षेत्र की शांति और विकास की कामना की.हालांकि इस दौरान कुछ जगहों से छुटपुट घटनाओं की खबर भी सामने आई. आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा तृणमूल कांग्रेस के कुछ पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ और दखल देने की कोशिश की गई.खड़गपुर की चेयरपर्सन कल्याणी घोष ने बताया कि देर रात वार्ड नंबर सात में एक पार्टी ऑफिस में तोड़फोड़ और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार की घटना सामने आई, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया. पुलिस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है. उन्होंने यह भी कहा कि सुबह उनके वार्ड के एक अन्य पार्टी ऑफिस में भी तोड़फोड़ की गई और वहां लगे बैनर को जला दिया गया.

सरकारी स्कूल के क्लास रूम में लोहे की ग्रिल गिरने से छात्र की मौत

▸ आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल का घेराव कर किया हंगामा ▸ लापरवाह हेडमास्टर को किया गया निलंबित

बछवाड़ा/बेगूसराय (युवा शक्ति) : बछवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत अरवा पंचायत के मध्य विद्यालय जहानपुर में बुधवार को एक हृदय विदारक घटना हुई. इस घटना से इलाके के लोगों का दिल चीर कर रख दिया. सातवीं कक्षा का छात्र विवान राज, पिता फूलो यादव अरवा निवासी का क्लास रूम में रखे लोहे की ग्रिल गिरने से मौके पर ही मृत्यु हो गई. इस घटना में सबसे पहला दोषी स्कूल के शिक्षक हैं,जब घटना हुई तब कायरता की मिसाल देते हुये सभी शिक्षक वहां से भाग गये. लोहे के ग्रिल को क्लास रुम में रखने की क्या आवश्यकता थी.दूसरा गलती भवन बनाने वाले ठेकेदार का भी है उसने सही रूप से नियमितता को नहीं बरता, ठेकेदार को अपना सामान अपने कार्य स्थल पर रखना चाहिए था ना कि क्लास रूम में रखना था. घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया. ग्रामीणों ने इस घटना को लेकर सड़क भी जाम कर मृतक के परिजनों को

मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग किया. तेघड़ा एसडीएम राकेश कुमार द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार विद्यालय के वर्ग कक्ष के मुख्य द्वार के समीप लोहे की ग्रिल असुरक्षित स्थिति में रखी गई थी. विद्यालय अवधि के दौरान उक्त ग्रिल अचानक छात्र के ऊपर गिर गई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई. घटना के पश्चात स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया और विद्यालय परिसर का घेराव किया गया.घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये बेगूसराय जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार द्वारा मामले की समीक्षा की गई, जिसमें प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि यह घटना विद्यालय के प्रधानाध्यापक की लापरवाही का परिणाम है.

इसके आलोक में मध्य विद्यालय जहानपुर के प्रधानाध्यापक अमित कुमार को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, बेगूसराय निर्धारित किया गया है तथा नियमानुसार उन्हें जीवन-यापन भत्ता देय होगा. संबंधित प्रधानाध्यापक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई हेतु आरोप पत्र का गठन पृथक से किया जायेगा.जिला प्रशासन द्वारा मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी.

सेक्स रैकेट का पुलिस ने किया पर्दाफाश

युवा शक्ति न्यूज

टिकारी (गया) : जिले के टिकारी स्थित चर्चित प्रकाश उत्सव मैरेज हॉल में चल रहे कथित सेक्स रैकेट का पुलिस ने पर्दाफाश किया है.बुधवार को एसडीओ और डीएसपी टिकारी के नेतृत्व में प्रशासन की संयुक्त टीम ने अचानक छापेमारी कर कई संदिग्ध जोड़ों को मौके से हिरासत में लिया.कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया.प्रशासन को लंबे समय से मैरेज हॉल में गुप्त गतिविधियां चलने की सूचना मिल रही थी.इसी आधार पर बुधवार को पुलिस बल के साथ मैरेज हॉल में छापा मारा गया.छापेमारी के दौरान कई कमरे अंदर से बंद मिले.पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो आपत्तिजनक स्थिति में कई जोड़े मौजूद थे.पुलिस ने मौके से कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है.मैरेज हॉल के संचालक और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है.प्रशासन पता लगा रहा है कि यह अवैध धंधा कब से चल रहा था और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं.

कांग्रेस में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर हृदयानंद मिश्र को बधाई एवं शुभकामनाएं

.युवा शक्ति न्यूज़

पटना (बिहार झारखंड) : मेदिनीनगर -झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य हृदयानंद मिश्र को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी की समन्वय समिति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर प्रदेश भर के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है.इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, ग्रामीण विकास मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह एवं श्रीमती रमा खलखो ने दूरभाष के माध्यम से श्री मिश्र को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं.वहीं कांग्रेस शिक्षा प्रकोष्ठ के चेयरमैन श्याम नारायण सिंह, धनंजय सिंह, गिरिवर पांडेय, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रघुनंदन प्रसाद सिंह, रामनरेश तिवारी, शमीम अहमद राइन, गिरिजा राम, दया शंकर तिवारी, संतोष कुमार तिवारी, गोपाल सिंह, सुनीता श्रीवास्तव एवं रविन्द्र कुमार वैद्य सहित कई कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिया.सबों ने विश्वास व्यक्त किया कि हृदयानंद मिश्र के अनुभव एवं नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा.

न्यूज़ कॉर्नर

चार थाना प्रभारी को हुआ शो कॉज

औरंगाबाद (बिहार) : बुधवार दिनांक - 06 मई 2026 को किशोर न्याय बोर्ड के प्रधान दंडाधिकारी सह ए.सी.जे.एम. सुशील प्रसाद सिंह ने चार थानाध्यक्षों को शो - कॉज किया है! इस संबंध में अधिवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया है कि किशोर न्याय अधिनियम के अन्तर्गत बोर्ड ने नोटिस जारी कर विधि विरूद्ध किशोरों को बोर्ड में उपस्थित कराने का आदेश जारी किया था, किंतु आज तक बोर्ड में उपस्थित नहीं कराने के कारण बोर्ड ने शो - कॉज किया है! इसके बाद अधिवक्ता ने आगे जानकारी देते हुए बताया है कि नगर थाना कांड संख्या - 354 /21, नवीनगर थाना कांड संख्या - 102/20, उपहारा थाना कांड संख्या -50 /19, मदनपुर थाना कांड संख्या -119 / 17 में संबंधित थाना प्रभारियों को शो - कॉज करते हुए 20 जून 2026 को सदेह उपस्थित होकर स्पष्टीकरण दाखिल करने का आदेश जारी किया है!

सेंट्रल जेल में बंद बुजुर्ग कैदी की मौत

युवा शक्ति न्यूज

गया : सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक बुजुर्ग कैदी की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई. मृतक की पहचान औरंगाबाद के ओबरा थाना क्षेत्र निवासी 70 साल के जगदीश सिंह के रूप में हुई है.वह हत्या के एक मामले में लंबे समय से सजा काट रहा था.जेल प्रशासन के अनुसार, जगदीश सिंह काफी समय से अलग-अलग बीमारियों से जूझ रहे थे और उनकी नियमित चिकित्सा जांच भी कराई जा रही थी.मंगलवार को अचानक उनकी तबीयत अधिक खराब हो गई.स्थिति गंभीर होने पर उन्हें तत्काल मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया.अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद जगदीश सिंह की जान नहीं बचाई जा सकी और इलाज के दौरान ही उन्होंने दम तोड़ दिया.मगध मेडिकल थाना अध्यक्ष कृष्ण कुमार ने कैदी की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु होने की पुष्टि की.पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा.पोस्टमार्टम के बाद मृतक के परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद परिजन अस्पताल पहुंचे और उन्हें शव सौंप दिया गया.जेल प्रशासन ने बताया कि कैदी की तबीयत खराब होने पर तत्काल चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई गई थी और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई.प्रशासन ने यह भी कहा कि मामले में सभी आवश्यक प्रक्रियाएं नियम के तहत पूरी की गई हैं.

चतरा मार्ग पर ऑटो पलटा, युवक की मौत

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के डोभी-चतरा मुख्य मार्ग पर मंगलवार को एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी दो बहनें गंभीर रूप से घायल हो गईं.यह घटना बहेरा थाना क्षेत्र के कोसमा मोड़ के पास हुई.मृतक की पहचान झारखंड के चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के गोडवाली निवासी 22 वर्षीय नीतीश कुमार के रूप में हुई है.घायलों में नीतीश की 20 वर्षीय बहन गुडिया कुमारी और 18 वर्षीय प्रीति कुमारी शामिल हैं.बहेरा थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार ने बताया कि नीतीश और उसकी बहनें अपने नाना के श्राद्धकर्म में शामिल होने के लिए हंटरगंज से बाराचट्टी थाना क्षेत्र के मखरौर जा रहे थे.कोसमा मोड़ के समीप उनका ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया.इस हादसे में नीतीश की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि दोनों बहनें गंभीर रूप से घायल हो गईं.पुलिस ने तत्काल घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए डोभी पीएचसी में भर्ती कराया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया गया.घटना के बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया. पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल भेज दिया है.दुर्घटनाग्रस्त वाहन को थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है.थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और फरार चालक को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

आमजनों की शिकायतें सुनी गई

युवा शक्ति न्यूज

गया : सीटी एसपी कोटा किरण कुमार के द्वारा बुधवार को जनता दरबार में आमजनों की शिकायतें सुनी गई.जिसमें फरियादी अपनी-अपनी समस्या लेकर उपस्थित हुए. सीटी एसपी के द्वारा सभी लोगों की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना गया और उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए.

सीएसआर फंड के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन शीघ्र किया जाएगा :डॉ प्रेम

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार को बताया कि गयाजी टाउन विधानसभा क्षेत्र में जनहित एवं समाजोपयोगी कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन शीघ्र किया जाएगा. इसके अंतर्गत पेयजल की समुचित व्यवस्था, मर्चरी वैन, सिलाई मशीन सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का अधिष्ठापन कराया जाएगा.उन्होंने बताया कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), बरौनी रिफाइनरी के सहयोग से विद्यालयों, संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर आरओ वाटर प्यूरीफायर मशीन लगाई जाएगी.इस परियोजना के तहत कुल 25 वॉटर कूलर लगाए जाएंगे, जिनकी स्थापना एवं प्रारंभिक देखरेख एक मानक कंपनी द्वारा की जाएगी.गारंटी अवधि समाप्त होने के बाद मशीन का स्वामित्व संबंधित संस्थान या विभाग को सौंपा जाएगा.हस्तांतरण के बाद, मशीन के संचालन, रख-रखाव की जिम्मेदारी संबंधित स्कूल, संस्था या विभाग की होगी, ताकि निरंतर स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके.इस परियोजना के तहत प्रमुख स्थानों जैसे मां मंगला गौरी मंदिर, विष्णुपद प्रांगण, हाते गोदाम, मार्कंडेय मंदिर, एनएमसीएच अस्पताल, मां बांग्ला स्थान मंदिर, कोतवाली मोड़, रेलवे स्टेशन परिसर, जेपीएन अस्पताल, प्रभावती अस्पताल, राजकीय बस अड्डा, महावीर मंदिर (गोल पत्थर) एवं अन्य स्थानों पर कुल 25 वाटर कूलर लगाए जाएंगे.इस वाटर कूलर से सामान्य,गर्म एवं ठंडा तीनों तरह के पेय उपलब्ध होंगे.डॉ. कुमार ने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से पेयजल की समस्या का समाधान होगा और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी.

मंत्रिमंडल का विस्तार समाहरोह में गया से सैकड़ों भाजपा नेता गण होगें शामिल

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी:बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार मंत्रिमंडल विस्तार का भव्य शपथ ग्रहण समारोह पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित किया जाएगा.यह समारोह बिहार की राजनीति एवं विकास यात्रा के लिए एक ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है.इस अवसर पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे.समारोह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित कई प्रमुख राष्ट्रीय नेता शामिल होंगे.बिहार के विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह शपथ ग्रहण समारोह

ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है.इस बारे में बुधवार को बैठक करते हुए भाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा भाजपा प्रदेश का समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक पटना पहुंचकर इस ऐतिहासिक समारोह में भाग लेंगे.डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा बिहार भी प्रगति और विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है.उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में नई गति देखने को मिलेगी शपथ ग्रहण समारोह बिहार की जनता के लिए नई आशा, विश्वास एवं विकास का संदेश लेकर आएगा.गया से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पटना पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं का अभिनंदन एवं स्वागत करेंगे तथा इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे.बैठक में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, संतोष ठाकुर, सुनील मिश्रा,भाजपा नेता गोपाल प्रसाद यादव, राणा रणजीत सिंह, नागेंद्र प्रसाद शर्मा, अधिवक्ता महेंद्र प्रसाद सिंह, शिवकुमार, सत्येंद्र कुमार सिंह, राजू मिश्रा, धर्मेंद्र प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद, सुधीर कुमार, मंटू कुमार, सहित आदि उपस्थित रहे.

गुरारू में ऑटो-बाइक की टक्कर, युवक गंभीर घायल

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के गुरारू थाना क्षेत्र के बरोराह पंचायत के तरौंछी गांव में मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे बहेड़ा राइस मिल के पास बाइक और एक ऑटो (टैक्सी) के बीच जोरदार टक्कर हो गई.इस घटना में गांव निवासी अमित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए.टक्कर इतनी भीषण थी कि अमित सड़क पर गिर पड़े.हादसे में अमित कुमार के चेहरे और पैर में गंभीर चोटें आईं.मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें गुरारू के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पहुंचाया.डॉक्टरों ने बताया कि युवक की हालत गंभीर है, लेकिन फिलहाल नियंत्रण में है.घटना के बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया. उन्होंने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है.

नौ मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

गया :राष्ट्रीय लोक अदालत में नौ मई को ट्रैफिक चालान के मामले का निष्पादन किया जाएगा.इसे लेकर प्रशासनिक तैयारी भी शुरू कर दी गई है.बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देश पर बुधवार को व्यवहार न्यायालय गयाजी से ट्रैफिक चालान से संबंधित प्रचार गाड़ी को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार प्रदीप कुमार मालिक, जिला पदाधिकारी सह उपाधीक्षक जिला विधिक सेवा प्राधिकार शशांक शुभंकर एवं न्यायिक पदाधिकारी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया.आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान यातायात चालान मामलों के शीघ्र और प्रभावी निपटारे को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश साझा किए गए. यह पहल पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू की खंडपीठ द्वारा सिविल रिट वाद संख्या 20071/2025 (रानी उर्फ रानी तिवारी बनाम बिहार राज्य एवं अन्य) में दिए गए आदेश के आलोक में की जा रही है.लंबित चालान मामलों का निष्पादन हेतु प्रधान जिला एवम सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार प्रदीप कुमार मलिक ने बताया कि लोक अदालत में लंबित चालान मामलों के निष्पादन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए कई अहम कदम सुझाए गए हैं.जिला दंडाधिकारी सह उपाध्यक्ष शशांक शुभंकर ने उन्होंने कहा कि 90 दिनों से अधिक लंबित और हाल के चालानों की अलग-अलग पहचान कर वर्गीकरण किया जाएगा, और इसकी जागरुकता प्रचार वाहन द्वारा किया जाएगा, ताकि निपटारा तेज और सटीक हो सके.इसके अलावा, राज्य परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन को भी समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए निर्देश दिए गए हैं, ताकि मामलों का सुचारू और त्वरित निपटारा सुनिश्चित किया जा सके.उपाध्यक्ष ने आम लोगों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लेकर अपने लंबित यातायात चालान मामलों का सरल और त्वरित समाधान प्राप्त करें.सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार अरबिंद कुमार दास ने बताया कि सभी संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि पुराने मामलों के भौतिक एवं डिजिटल अभिलेख समय से पहले न्यायालयों में उपलब्ध हों.साथ ही, चालानों की अद्यतन स्थिति ऑनलाइन प्रणाली में सही ढंग से प्रदर्शित हो और रियायती जुर्माने की गणना स्वतः हो सके.लोक अदालत स्थलों पर हेल्प डेस्क स्थापित कर पैरा लीगल वालंटियर्स और अधिवक्ताओं की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी.भीड़ प्रबंधन के लिए टोकन सिस्टम, अलग-अलग काउंटर और डिस्प्ले बोर्ड की व्यवस्था की जाएगी.

इस मौके पर सभी न्यायिक

साइकिल सवार की हत्या मामले में शूटर गिरफ्तार

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के परैया थाना क्षेत्र के हत्याकांड में टिकारी अनुमंडल पुलिस ने बदमाश को अरेस्ट किया है.19 अप्रैल को उपरडीह टोला के पास मेन रोड पर गोली मारकर हत्या की गई थी.गिरफ्तारी के बाद आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल देसी कट्टा और जिंदा कारतूस भी पुलिस ने बरामद किया है.पकड़ा गया बदमाश शूटर है. उसे हत्या की सुपारी दी गई थी.हालांकि शूटर का सहयोगी, सुपारी देने वाले शख्स और घटना का लाइनर सभी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं.उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस जुटी है.इस बात की जानकारी टिकारी अनुमंडल पुलिस के एसडीपीओ एसके चंचल ने दी है.

परैया थाना क्षेत्र में बीती 19 अप्रैल को दिनदहाड़े साइकिल सवार अवधेश शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी.इस मामले में परैया थाना कांड संख्या 115/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी.वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ टिकारी सुशांत कुमार चंचल के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई.विशेष टीम ने जांच,

लोकेशन ट्रैकिंग और लगातार छापेमारी के आधार पर आरोपी रोशन कुमार को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार बदमास रोशन कुमार, दिलीप विश्वकर्मा का बेटा है और डेल्हा कल्याणपुर गांव का रहने वाला है.पूछताछ में आरोपी ने हत्या में अपनी भूमिका स्वीकार कर की है.उसने बताया है कि साइकिल सवार व्यक्ति को मारने के लिए वह बाइक से निकला था.बाइक पर वह पीछे बैठा था, जबकि बाइक दूसरा युवक चला रहा था.

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि घटना में इस्तेमाल हथियार उसने अपने घर में मिट्टी के अंदर छुपाकर रखा है.इसके बाद पुलिस टीम ने उसके घर की तलाशी ली.तलाशी के दौरान मिट्टी में गाड़कर रखे गए एक डब्बे से देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया.

बरामदगी के बाद डेल्हा थाना में अलग से कांड संख्या 131/26 दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है.एसडीपीओ सुशांत कुमार चंचल के नेतृत्व में कार्रवाई हुई है.पुलिस का कहना है कि हत्या कांड में शामिल अन्य बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है.जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा.इस पूरे ऑपरेशन में परैया थाना पुलिस, तकनीकी शाखा और अन्य पुलिस अधिकारियों की अहम भूमिका रही.

लेकिन हत्या के पीछे की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है.बता दें कि साइकिल सवार अवधेश शर्मा भी अपराधी प्रवृति का था.वह अलग अलग दो लोगों की हत्या के मामले में जेल जा चुका था.वह परैया के छक्कन बीघा का रहने वाला था.

एबीवीपी के तत्वावधान में दो दिवसीय खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के खेल आयाम खेलो भारत के तहत गया कॉलेज, गया जी परिसर में 06 मई दिन बुधवार को दो दिवसीय खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया.यह महोत्सव 07 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं.महोत्सव के प्रथम दिन पुरुष एवं महिला वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं. पुरुष वर्ग में कुल 5 टीमों-मगध वारियर, सॉलिड टीम, किलकारी बॉयज, थाडा वारियर एवं युवा पलटन-ने भाग लिया.प्रतियोगिता में कुल 4 मुकाबले खेले गए.खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और पूरे परिसर में रोमांचक माहौल बना रहा.वहीं महिला वर्ग में किलकारी गर्ल्स एवं जीबीएम कॉलेज के बीच मुकाबला खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया और दर्शकों का उत्साह बढ़ाया.महोत्सव के दूसरे दिन बैडमिंटन प्रतियोगिता एवं समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित किया जाएगा.कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विभाग संगठन मंत्री मोहित सिंह भदौरिया, प्रांत छात्रा प्रमुख (दक्षिण बिहार) प्रिया सिंह, गया महानगर मंत्री आदित्य मिश्रा, कार्यालय मंत्री अमन शर्मा, जिला खेलो भारत प्रमुख रितिक कुमार एवं गया महानगर खेलो भारत प्रमुख राहुल कुमार उपस्थित रहे. विशिष्ट अतिथि के रूप में गया कॉलेज शिक्षक संघ के सचिव रामदेव सर एवं पीटीआई अंजनी कुमार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई.अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है,

जो अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को विकसित करता है.प्रतियोगिता के सफल संचालन में सागर, राहुल कुमार, शिवानी सिंह, रितिक कुमार एवं अंशुमान कुमार ने निर्णायक एवं खेल पदाधिकारी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.आयोजकों ने बताया कि खेलो भारत अभियान के माध्यम से युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ, सशक्त और अनुशासित भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है.

डीजे से लगा झटका : छह से ज्यादा बच्चे करंट से झुलसे

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी: शहर के मगध मेडिकल थाना क्षेत्र स्थित नीमा गांव में खुशी का माहौल उस वक्त मातम और चीख-पुकार में बदल गया, जब डीजे वाहन के संपर्क में बिजली का तार आ गया.डीजे पर बज रहे गानों पर बच्चे उत्साह से झूम रहे थे, तभी अचानक करंट फैल गया और देखते ही देखते सात बच्चे उसकी चपेट में आकर झुलस गए.घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई.परिजन और ग्रामीण घायल बच्चों को उठाकर इलाज के लिए अस्पताल की ओर दौड़ पड़े.हादसे के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है.

दुर्गंध के बीच जीने को मजबूर वजीरगंज के लोग,कचरे के अंबार से बीमारी का खतरा

युवा शक्ति न्यूज

वजीरगंज(गया) : नगर पंचायत वजीरगंज के वार्ड नंबर-8 में आम लोग कचरे के ढेर से उठती दुर्गंध के बीच रहने को मजबूर हैं.वजीरगंज-फतेहपुर रोड पर मां सविता निवास के समीप सड़क किनारे कूड़े का अंबार लगा हुआ है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि हल्की बारिश होते ही कचरे से भयानक दुर्गंध उठने लगती है.तेज धूप और हवा में सूखा कचरा उड़कर घरों में चला जाता है.इससे सांस लेना मुश्किल हो रहा है और बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है.इस मुहल्ले में दलित, महादलित व सामान्य जाति समेत विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं. संतोष यादव, दिलीप यादव, पप्पू सिंह, अयोध्या साव, दिनेश रविदास, नीरू रविदास सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि सड़क किनारे बना नाला महीनों से जाम है.बारिश का पानी निकल नहीं पाता, जिससे सड़क पर जलजमाव हो जाता है.कीचड़ और गंदगी के कारण पैदल चलना दूभर हो गया है.मुहल्लेवासियों का आरोप है कि समस्या को लेकर नगर पंचायत और संबंधित विभाग को कई बार मौखिक व लिखित सूचना दी गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया.कचरा उठाव नियमित नहीं होता और नाला सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है.वजीरगंज नगर पंचायत के लचर रवैये से नाराज मुहल्लेवासियों ने आपसी बैठक की है.बैठक में निर्णय लिया गया कि अब जिलाधिकारी, गया के पास सामूहिक आवेदन लेकर जाएंगे और स्थायी समाधान की मांग करेंगे.लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कचरा नहीं हटाया गया और नाला साफ नहीं हुआ तो आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे.बारिश के मौसम में गंदगी से डायरिया, डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया हैर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से अनुपम झा की शिष्टाचार मुलाकात

मधुबनी ::मधुबनी जिले के मधेपुर प्रखंड के अंतर्गत महिसाम गांव निवासी एवं लोजपा (रामविलास) के दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष अनुपम झा ने मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की. यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न समसामयिक विषयों के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई.मुलाकात के दौरान अनुपम झा ने विशेष रूप से मिथिला क्षेत्र, खासकर मधुबनी जिले में सड़क अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, ग्रामीण संपर्क मार्गों के विस्तार, तथा यातायात सुविधाओं के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति देने हेतु बेहतर सड़क नेटवर्क की अनिवार्यता को रेखांकित करते हुए कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए.केंद्रीय मंत्री ने इन विषयों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक रुख अपनाया

और कहा कि सरकार देशभर में आधारभूत संरचना के विकास को प्राथमिकता दे रही है. उन्होंने आश्वस्त किया कि क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं पर विचार कर यथासंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा. साथ ही उन्होंने अनुपम झा को जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहने के लिए प्रेरित किया और आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया.इस अवसर पर अनुपम झा ने केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मुलाकात उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक रही. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मंत्री से प्राप्त मार्गदर्शन और सहयोग से क्षेत्र में विकास कार्यों को नई दिशा एवं गति मिलेगी, जिससे आम जनता को सीधा लाभ पहुंचेगा.राजनीतिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से इस मुलाकात को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है. स्थानीय लोगों का भी मानना है कि इस पहल से क्षेत्र में आधारभूत ढांचे के विकास, रोजगार सृजन तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावनाएं प्रबल होंगी. कुल मिलाकर, यह मुलाकात क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक सार्थक और सकारात्मक कदम के रूप में देखी जा रही है.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | गुरुवार | 7 मई, 2026

वैचारिक जनादेश भी

बंगाल और तमिलनाडु के जनादेश 'मील-पत्थर' हैं. बंगाल जीत कर आरएसएस का चिर-संचित एजेंडा भी पूरा हो गया है, तो तमिलों ने 64 साल पुरानी द्रविड़ राजनीति को खारिज कर नई विचारधारा, नए एजेंडे को चुना है. आरएसएस का पुराना एजेंडा था कि जम्मू-कश्मीर, असम, पूर्वोत्तर और बंगाल को जीत कर राष्ट्रवाद की सत्ता स्थापित करनी है. 'जनसंघ' की स्थापना के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर पर फोकस किया और 'एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की विचारधारा पर आंदोलन खड़ा किया. उन्होंने शहादत भी दी. बहरहाल वह दौर घोर अतीत और एक इतिहास हो चुका है, लेकिन आज भाजपा ने बंगाल का ऐतिहासिक, प्रचंड, अभूतपूर्व जनादेश हासिल कर संघ की वैचारिक सोच को संपूर्णता दी है. दरअसल बंगाल, असम, पूर्वोत्तर भाजपा की वैचारिक सफलताओं के प्रतीक हैं. जम्मू-कश्मीर में भी उपराज्यपाल के जरिए भाजपा ही सत्ता में है, क्योंकि वहां उपराज्यपाल ही 'प्रशासनिक प्रमुख' होते हैं. मुख्यमंत्री निर्वाचित हैं, लेकिन वह 'प्रतीकात्मक' हैं. बहरहाल अब देश के 'अंग, बंग, कलिंग' पर संघ परिवार का राजनीतिक वर्चस्व है. भाजपा-एनडीए देश के 21-22 राज्यों और करीब 70 फीसदी भू-भाग पर काबिज हैं. यह सफलता और विस्तार पुरानी कांग्रेस के दौर की पुनरावृत्ति भी लगती है. अब भाजपा के सामने एक देश, एक चुनाव, समान नागरिक संहिता का राष्ट्रीयकरण, बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें देश के बाहर खदेड़ना, देश के नए परिसीमन और अंततः नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के एजेंडीय काम शेष हैं. यकीनन वे राजनीतिक चुनौतियां भी हैं. तमिलनाडु का जनादेश भी वैचारिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है. 1960 के दशक में वहां द्रविड़ राजनीति का आंदोलन ऐसा खड़ा किया गया कि 1967 के बाद कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में कभी लौट ही नहीं पाई. पेरियार (ईवी रामासामी नायकर) दक्षिण भारत के एक महान समाज सुधारक, तर्कवादी, नास्तिक, द्रविड़ आंदोलन के जनक थे. उन्होंने तमिलनाडु में जाति-व्यवस्था, ब्राह्मणवाद, अंधविश्वास और महिला उत्पीड़न के खिलाफ 'आत्म-सम्मान आंदोलन' चलाया. उनके सामाजिक न्याय योगदान के कारण उन्हें 'पेरियार' (महान व्यक्ति) कहा जाता है. द्रविड़ राजनीति का विभाजन हुआ और द्रमुक, अन्नाद्रमुक नामक राजनीतिक दल स्थापित हुए, लेकिन उनकी बुनियादी सोच एक ही थी. उन्हें वैकल्पिक तौर पर जनादेश भी मिलते रहे. मौजूदा संदर्भों तक द्रविड़ राजनीति देश में उत्तर बनाम दक्षिण, हिंदी-विरोधी, सनातन-विरोधी की पर्याय ही बनी रही. निवर्तमान मुख्यमंत्री स्टालिन के पुत्र उदय स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना 'मच्छर, मलेरिया, डेंगू और कोरोना' से की और उनके समूल नाश के आह्वान किए. अब विधानसभा चुनाव में तमिल जनता ने छह दशकों के लंबे कालखंड के बाद द्रविड़ राजनीति को खारिज किया है. यह बहुत बड़ा वैचारिक बदलाव है. हालांकि सुपरस्टार विजय की दो साल पुरानी पार्टी 'टीवीके' को बहुमती जनादेश नहीं मिला है, लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी और बहुमत के बेहद करीब है, लिहाजा सत्ता का आमंत्रण उन्हें ही मिलेगा. विजय ने व्यापक संदर्भों में भ्रष्टाचार के खिलाफ और शिक्षा-रोजगार जैसे क्षेत्रों में सुधारों का एजेंडा पेश किया है. बंगाल, तमिलनाडु, असम के संदर्भ में 'मुफ्तखोरी की रेवड़ियां' जिस तरह परोसी गई हैं, वे अंततः देशहित में नहीं हैं और देश पर कर्ज का बोझ ही बढ़ाएंगी. प्रधानमंत्री मोदी 'रेवड़ियों' का सार्वजनिक विरोध करते रहे हैं, लेकिन फिर भी उनकी पार्टी रेवड़ियों को 'गारंटी' के तौर पर परोसती है. तमिलनाडु पर करीब 10.42 लाख करोड़ रुपए और बंगाल पर 7.90 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है. बंगाल में करीब 6688 कंपनियां और फैक्टरियां राज्य छोड़ कर कहीं और चली गई हैं. बंगाल के करीब 7.18 लाख लोग पलायन कर चुके हैं. तमिलनाडु की आर्थिक विकास दर बेहतर है, लेकिन कर्ज कैसे चुकता किया जाएगा? औसत चुनाव में किसानों के कर्ज माफ के आश्वासन दिए जाते हैं.

एक दौर का चुनाव और अनेक निष्कर्ष

- दिनेश भारद्वाज

हालिया विधानसभा चुनावों ने राजनेताओं को एक बार फिर यह याद दिलाया है कि यहां कोई भी किला स्थायी नहीं होता. पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का प्रचंड बहुमत और तृणमूल कांग्रेस की पराजय ने उस धारणा को तोड़ दिया है कि मजबूत क्षेत्रीय नेतृत्व अजेय होता है. ममता बनर्जी की राजनीतिक छवि के बावजूद सत्ता परिवर्तन यह बताता है कि मतदाता अब नेतृत्व की छवि से आगे बढ़कर ठोस परिणामों का मूल्यांकन कर रहा है. दक्षिण में तमिलनाडु का परिणाम शायद सबसे दिलचस्प है, जहां अभिनेता विजय की पार्टी का सिंगल लार्जेस्ट बनना केवल सत्ता परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि राजनीतिक रिक्तता में नए विकल्प की मांग का प्रमाण है. यह उस बदलाव की ओर इशारा करता है, जहां पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच मतदाता अब नेतृत्व को परखने के लिए तैयार है. केरल में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनने की स्थिति यह दिखाती है कि वैचारिक रूप से सजग माने जाने वाले राज्य भी सत्ता परिवर्तन के लिए तैयार हैं, यदि मतदाता को विकल्प विश्वसनीय लगता है. इसके विपरीत असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत यह साबित करती है कि जहां शासन मॉडल स्वीकार्य है, वहां एंटी-इंकम्बेंसी भी समाप्त हो जाती है. पुदुचेरी में भाजपा गठबंधन की दूसरी बार सरकार इसी निरंतरता का एक और उदाहरण है. इन पांच राज्यों के नतीजों से साफ है कि भारत में अब कोई एक राजनीतिक ट्रेंड नहीं, बल्कि कई समानांतर ट्रेंड चल रहे हैं. इन नतीजों को यदि विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखें, तो तीन बड़े ट्रेंड सामने आते हैं. पहला है चयनात्मक एंटी-इंकम्बेंसी. यानी हर राज्य में सत्ता विरोधी लहर नहीं है. जहां सरकार का प्रदर्शन संतोषजनक है, वहां मतदाता उसे दोहराने में संकोच नहीं करता. दूसरा है क्षेत्रीय दलों को चुनौती. यहां बंगाल का परिणाम बताता है कि मजबूत क्षेत्रीय दल भी चुनौती से परे नहीं हैं. और तीसरा है नए विकल्पों की स्वीकार्यता. तमिलनाडु में 'सिने स्टार' से 'सियासी स्टार' बने विजय का उभार यह दर्शाता है कि मतदाता नए चेहरों को मौका देने के लिए तैयार है. इन चुनावों का सबसे बड़ा निष्कर्ष यह है कि भारतीय राजनीति अब एकल नैरेटिव से संचालित नहीं होती. बंगाल में सत्ता परिवर्तन, तमिलनाडु में नए विकल्प का उभार, केरल में वामपंथियों की शिकस्त और कांग्रेस की वापसी तथा असम व पुदुचेरी में स्थिरता- यह विविधता इस बात का संकेत है कि मतदाता अब अधिक सूक्ष्म स्तर पर निर्णय ले रहा है. यह राष्ट्रीय मुद्दों से प्रभावित जरूर होता है, लेकिन अंतिम फैसला स्थानीय अनुभव और नेतृत्व की विश्वसनीयता के आधार पर करता है. इन संकेतों की असली परीक्षा 2027 में होगी, जब उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होंगे. समय-सीमा के अनुसार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में चुनाव अगले वर्ष की पहली तिमाही में संभावित हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश और गुजरात में वर्ष के अंत में मतदान हो सकता है. लेकिन यह केवल चुनावी कैलेंडर नहीं है. यह उन राजनीतिक प्रवृत्तियों की परीक्षा है, जो अभी उभरकर सामने आई हैं. उत्तर प्रदेश का चुनाव इन सभी ट्रेंड्स का सबसे बड़ा परीक्षण होगा. यहां का जनादेश केवल राज्य की राजनीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दिशा भी तय करता है. सामाजिक समीकरण, कल्याणकारी योजनाएं, कानून-व्यवस्था और विकास जैसे कारक मिलकर यहां चुनावी परिणाम तय करते हैं. बंगाल का उदाहरण दिखाता है कि सत्ता परिवर्तन संभव है, जबकि असम का उदाहरण बताता है कि निरंतरता भी संभव है. उत्तर प्रदेश इन दोनों के बीच संतुलन का मैदान होगा. उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सत्ता परिवर्तन की परंपरा रही है. लेकिन अब सवाल यह है कि क्या यह परंपरा जारी रहेगी या मतदाता प्रदर्शन के आधार पर स्थिरता को प्राथमिकता देगा. गुजरात लंबे समय से एक राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण रहा है. लेकिन केरल के नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी राजनीतिक किला पूरी तरह सुरक्षित नहीं है. यदि विपक्ष संगठित होता है और स्थानीय मुद्दे उभरते हैं, तो यहां भी मुकाबला रोचक हो सकता है. पंजाब में राजनीति हमेशा परिवर्तनशील रही है. यहां 2027 का चुनाव इस सवाल का जवाब देगा कि क्या मतदाता बार-बार बदलाव चाहता है या अब स्थिर शासन की तलाश में है. केरल के नतीजों ने यह संकेत दिया है कि यदि विकल्प विश्वसनीय हो, तो मतदाता बदलाव से पीछे नहीं हटता. गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में चुनावी परिणाम अक्सर गठबंधन और स्थानीय नेतृत्व पर निर्भर करते हैं. पुदुचेरी के नतीजों ने यह दिखाया है कि छोटे राज्यों में भी निरंतरता संभव है, यदि राजनीतिक प्रबंधन प्रभावी हो. इन पांच राज्यों के चुनावों ने भारतीय राजनीति का नया यथार्थ सामने रखा है. नतीजों से स्पष्ट है कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं. मतदाता अब अधिक सजग और निर्णायक है और चुनाव अब केवल भावनात्मक मुद्दों से नहीं जीते जाते. 2027 के चुनाव इस यथार्थ की पुष्टि करेंगे. यह तय करेंगे कि हालिया बदलाव केवल अपवाद हैं या एक स्थायी प्रवृत्ति का हिस्सा. लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता भी यही है कि यह हर चुनाव के साथ खुद को नए सिरे से परिभाषित करता है. और यही प्रक्रिया 2027 में एक बार फिर देखने को मिलेगी, जहां मतदाता न केवल सरकार चुनेगा, बल्कि राजनीति की दिशा भी तय करेगा.

पश्चिम बंगाल 2026 : परिवर्तन की राजनीति नहीं, ये विचार-तप की ऐतिहासिक परिणति

-कैलाश चन्द्र

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम भारत की राजनीति में केवल संख्यात्मक उलटफेर नहीं हैं; वे उन अदृश्य धाराओं का सतही प्रकट रूप हैं जिनकी गति दशकों से इस प्रदेश की मिट्टी में प्रवाहित हो रही थी. 294 सीटों वाले इस राज्य में दो चरणों- 23 और 29 अप्रैल में हुए मतदान ने 92.93 प्रतिशत का अभूतपूर्व जनसहभाग दर्ज कराया, और 4-5 मई को आए परिणामों ने लगभग असंभव प्रतीत होने वाला परिदृश्य रचा. भारतीय जनता पार्टी लगभग 206 सीटों पर विजय या बढ़त के साथ स्पष्ट बहुमत प्राप्त करती है, जबकि तृणमूल कांग्रेस 81 के आसपास सिमट जाती है. यदि इस घटना को केवल राजनीतिक गणित के संदर्भ में पढ़ा जाए, तो यह विश्लेषण अधूरा रह जाएगा. क्योंकि बंगाल में सत्ता-परिवर्तन सामान्यतः राजनीतिक रणनीतियों से नहीं, सांस्कृतिक चेतना के परिवर्तन से होता है और 2026 का यह जनादेश, वस्तुतः, उसी चेतना के पुनरुत्थान की कथा कहता है. बंगाल ने कभी केवल राजनीतिक बदलाव नहीं देखे; उसने वैचारिक हलचलों को जन्म दिया है. यह वह भूमि है जिसने राजा राममोहन राय के सामाजिक नवजागरण, स्वामी विवेकानंद के आत्मजागरण, बंकिमचंद्र के राष्ट्रजागरण, श्री अरविन्द के आध्यात्मिक-राजनीतिक दृष्टिकोण और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के अदम्य राष्ट्र-नेतृत्व को जन्म दिया, इसलिए बंगाल में विचार की आहट, अक्सर राजनीति के कदमों से पहले सुनाई देती है. 2026 का परिणाम इसी गहरे अंत:संचरण का संकेतक है. वस्तुत: एक ऐसा संचरण जो न किसी दल विशेष की तात्कालिक रणनीति से बना, न किसी नेता की व्यक्तिगत लोकप्रियता से; बल्कि उस दीर्घ सांस्कृतिक-सामाजिक तप से, जिसे लाखों स्वयंसेवकों, शिक्षकों, विचारकों, छात्रों, किसानों और गृहस्थों ने दशकों तक ऋषि-धैर्य के साथ साधा. इन दशकों में वाम मोर्चे का शासन रहा, उसके बाद तृणमूल कांग्रेस का प्रभुत्व. परंतु राजनीतिक सत्ता जहाँ ऊपर बदलती रही, वहीं समाज की गहराइयों में कोई अन्य कथा शांत गति से अपना पथ बना रही थी. सांस्कृतिक राष्ट्रभावना से प्रेरित कार्यकर्ताओं की यह कथा किसी अख़बार की सुर्ख़ियों में नहीं थी, उनके कार्यों के होर्डिंग नहीं लगे, वे टीवी बहसों में नज़र नहीं आए. फिर भी वे गांवों के चौपालों में, कस्बों के विद्यालयों में, आदिवासी बस्तियों में, पुस्तकालयों और संस्कार केन्द्रों में, योग-प्रार्थना समूहों में, और चाय की दुकानों पर होने वाली सहज संवाद-परंपरा में अपनी जड़ों को फैलाते रहे. इस परिश्रम का स्वरूप राजनीतिक नहीं था; वह मन-निर्माण की प्रक्रिया थी, इतनी धीमी कि उसके परिणाम झटके से दिखाई नहीं देते, इतनी गहरी कि जब दिखाई देते हैं तो परिदृश्य ही बदल गया होता है. उनका काम मतदाता बनाना नहीं था; वे मानदाता तैयार कर रहे थे. ऐसे नागरिक, जिनका मन स्वयं निर्णय लेने में सक्षम हो, जो भय या प्रलोभन से प्रभावित न हों, और जो समाज के दीर्घकालिक हितों को राजनीतिक तात्कालिकता से ऊपर रख सकें. 2026 के चुनावों से तीन या छह महीने पहले शुरू किए जाने वाले संपर्क-प्रयास इस परिवर्तन को नहीं घड़ सकते थे. यह जनादेश वर्षों, कभी-कभी दशकों से चल रहे संवाद, सेवा, संस्कार और अध्ययन की उस परंपरा का परिणाम है जिसे प्रतिदिन हजारों स्थानों पर दोहराया गया: शाखाओं में प्रार्थना और व्यायाम, बौद्धिक सत्रों में राष्ट्रीय विचार का पुनर्पाठ, सेवा-बस्तियों में चिकित्सा शिविर, पुस्तकालयों में भारतीय साहित्य का अध्ययन, युवा-कार्यक्रमों में नेतृत्व का प्रशिक्षण, और मातृ-शक्ति के जागरण के लिए चलाए गए अभियान. बाढ़, चक्रवात और महामारी जैसी आपदाओं में इन स्वयंसेवकों ने जब सबसे पहले राहत पहुँचाई, तब उनकी बातों में विश्वास का आधार भी निर्मित हुआ. राजनीतिक विश्लेषण भले यह कहे कि भाजपा का वोट-शेयर 45.85 प्रतिशत तक पहुँचा और टीएमसी में 7.22 प्रतिशत की गिरावट आ गयी, परंतु जनमानस की दृष्टि से यह बदलाव सूखते तालाब में अचानक उभर आए पानी का नहीं, बल्कि भूमिगत जलस्रोतों के पुनर्जीवित होने का संकेत है. राजनीतिक दलों ने जहाँ मुद्दों- हिंसा, भ्रष्टाचार, सन्देशखली प्रकरण, आरजीकर मेडिकल केस, रोजगार, अवैध घुसपैठ पर अपनी राजनीति की, वहीं समाज के भीतर चल रही चेतना ने इन मुद्दों की व्याख्या एक व्यापक सांस्कृतिक-परिप्रेक्ष्य में की. इस जनादेश को मनोवैज्ञानिक धरातल पर देखें तो बंगाल एक थकान की अवस्था से निकलकर स्थिरता की ओर बढ़ना चाहता था; सांस्कृतिक धरातल पर देखें तो वह अपनी मूल जड़ों 'भारतीयता की स्मृति' से पुनः जुड़ने का अवसर खोज रहा था; संगठनात्मक परिप्रेक्ष्य से देखें तो यह घर-घर संपर्क का नहीं, बल्कि घर-घर संबंध का परिणाम था; और वैचारिक धरातल पर देखें तो 2026 में सत्ता नहीं, सत्ता-समर्थ विचार विजयी हुआ. अक्सर कहा जाता है कि किसी भी चुनावी विजय को अंतिम सिद्धि मान लेना भूल है. यह बात इस संदर्भ में और भी सत्य है. 2026 का परिणाम किसी विचारधारा की परिपूर्ण विजय नहीं, बल्कि उसके दीर्घ साधना-मार्ग की प्रथम उपलब्धि है. इस विजय का स्वर क्रोध का नहीं; यह आत्मजागरण का स्वर है. यह बदले का उभार नहीं, बल्कि समन्वय की पुनर्स्थापना है; यह चुनावी लहर नहीं, विचार-तप की परिणति है. अब चुनौती यह है कि सत्ता का उपयोग सत्ता-स्थापन के लिए नहीं, समाज-निर्माण की दिशा में हो-शिक्षा में सुधार, युवाओं के चरित्र-निर्माण, बंगाली-भारतीय संस्कृति के रचनात्मक उत्थान, जनजातीय और पिछड़े समुदायों में आत्मगौरव का पोषण, विज्ञान और उद्योग को गति, रोजगार के अवसर, सीमा-पार असुरक्षा पर नियंत्रण और समाज में धार्मिक-सांस्कृतिक एकात्मता की सुदृढ़ता. वास्तविक विजय तो तब होगी जब बंगाल पुनः वह भूमिका निभाए, जो उसने 19वीं और 20वीं सदी में निभाई थी-राष्ट्र के वैचारिक नेतृत्व की. 2026 का जनादेश अंततः यह स्पष्ट संदेश देता है कि बंगाल का परिवर्तन बदले की राजनीति का परिणाम नहीं है. यह भारतीयता के पुनर्जागरण की वह मौन, किंतु प्रचंड लहर है जिसे वर्षों की साधना का बल मिला है. यह उस विचार का उदय है जो सत्ता की सीढ़ियों से नहीं, समाज की नसों से उठता है. यह किसी एक दल या संगठन की सफलता नहीं; बल्कि उन लाखों अनाम स्वयंसेवकों के श्रम, त्याग और तप का फल है, जो बिना नाम चाहे, बिना पद की इच्छा, बिना प्रचार की आकांक्षा, प्रत्येक दिन समाज को संस्कारित करने में लगे रहे. अंत में यही कि इतिहास अक्सर नेताओं को याद रखता है, पर इतिहास बदलता उन लोगों के कारण है, जिन्हें इतिहास याद नहीं रखता. 2026 में बंगाल ने एक बार फिर यही सत्य सिद्ध किया है. ***(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ स्तम्भकार हैं)***

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

7 मई

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 7 मई है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का अधिष्ठाता ग्रह केतु है. इस माह का अधिपति ग्रह शुक्र है. आप जीवन पर्यन्त शुक्र एवं केतु ग्रह के सम्मिलित प्रभाव में रहेंगे. आप कल्पनाशील एवं स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति होंगे. आपके जीवन का प्रत्येक कार्य व्यवधान पूर्वक ही सफल होगा. अध्ययन की ओर आपका विशेष झुकाव रहेगा. आपके कार्यों में नवीनता की झलक मिलेगी. जिस किसी व्यक्ति से आप एक बार मिलेंगे वह आपको कभी नहीं भूल पायेगा. लेकिन परिजनों से आपको असहयोग ही मिलेगी. जोखिम भरे कार्यों को करना आप अधिक पसंद करेंगे. आप अपने विचारों को स्पष्टरूप से प्रस्तुत करने में सक्षम रहेंगे. व्यर्थ की वस्तुओं में उपयोगिता निकालना आपका प्रमुख गुण होगा. आप सौन्दर्य प्रेमी है. आप वास्तविकता को अधिक महत्व देंगे. आपका गृहस्थ जीवन अनुकूल रहेगा. रचनात्मक कार्यों में अभिरूचि रहेगी. विचारों में उग्रता रहेगी. जीवन में सुख-सौभाग्य एवं ऐश्वर्य के लिए अपने आराध्य देव की पूजा नियमित रूप से करें. अपने दैनिक जीवन में गुलाबी एवं पीले रंग का प्रयोग अधिकतम करें. चाँदी का छल्ला कनिष्ठा में पहने तथा केतु यंत्र धारण करें. तन-मन-कर्म-वचन से शुचिता का धर्म अपनायें. हिंसा जनित कार्य न करें. मान-मर्यादा का ख्याल रखें. सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ कें केतवें नम:	मास	:	जनवरी, मार्च एवं अगस्त
व्रत	:	मंगलवार	वर्ष	:	7, 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
दिन	:	रविवार, सोमवार एवं बुधवार	रंग	:	गुलाबी एवं पीला
दिनांक	:	7, 16, 25	जन्मरत्न	:	लहसुनिया
उपरत्न	:	लाजवर्त	अंक	:	1, 2, 7
जड़ी	:	असगंध की जड़	दिशा	:	वायव्य

यंत्र

14	9	16
15	13	11
10	17	12

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 21 जून से 25 जुलाई

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : जटिल समस्याओं का समाधान, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क, हर्षोल्लास का माहौल, भौतिक सुख के साधन सुलभ, मनोरंजन की ओर प्रवृत्ति, जनकल्याण में रुचि.

वृषभ : अभीष्ट कार्यों में प्रतिकूलता, आहार-विहार की अनियमितता, आपसी मतभेद, घरेलू सुख में दिक्कतें, अकेलेपन की अनुभूति, व्यर्थ भ्रमण, अपव्यय भी.

मिथुन : स्वास्थ्य सुधार की ओर, धन सम्पत्ति विषयक मसला हल, उत्तरदायित्व का निर्वाह, सद्विचारों का उदय, उलझनों का समापन, आशा के अनुकूल घटना.

कर्क : सफलता का मार्ग प्रशस्त, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर, परिवार में मांगलिक आयोजन सम्पन्न, आकस्मिक लाभ, आहार-विहार में नवीनता.

सिंह : योजना साकार होने की ओर, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर, नौकरी में प्रोन्नति विषयक मसला हल, राजकीय पक्ष से अपेक्षित सहयोग, खुशी.

कन्या : परिस्थितियां आशा के विपरीत, दाम्पत्य जीवन में किसी बात को लेकर तनाव, आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति, यात्रा में कष्ट, आर्थिक पक्ष में नुकसान की स्थिति.

तुला : समय आशाजनक, बुद्धि-चातुर्य से कुछेक कार्यों में सफलता, यश-मान-सम्मान में वृद्धि, व्यावसायिक सफलता का मार्ग प्रशस्त, ज्ञान-विज्ञान में रुचि.

वृश्चिक : विविध पक्षों में अनुकूलता, व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण घटना घटित, पठन-पाठन में रुचि, कार्य-व्यवसाय में स्वजनों से सहयोग, प्रतियोगिता में सफलता.

धनु : दिनचर्या व्यवस्थित, परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, जनसम्पर्क का सुअवसर, शत्रु हानि पहुँचाने में विफल, परोपकार की ओर प्रवृत्ति, आवागमन में अनुकूलता.

मकर : कठिनाइयां प्रभावी, शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश में, आपसी सम्बन्धों में वैमनस्यता, प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना, यात्रा में कष्ट.

कुम्भ: समय संतोषजनक, व्यावसायिक उन्नति हेतु प्रयास, पारिवारिक सम्बन्धों में सुधार, निजी जिन्दगी में नवीन उपलब्धि, आपसी गलतफहमी दूर होने को.

मीन: बुद्धि-चातुर्य से महत्वपूर्ण उपलब्धि, सुख के निमित्त अधिक व्यय, स्थान परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, पत्नी पक्ष से चिन्ताएं कुछ कम, बकाए धन की प्राप्ति.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब इँह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति । भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा । सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा । मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बंगाल चुनाव

-इंदुशेखर तत्पुरुष

कल कार्ल मार्क्स का जन्मदिवस था और इधर भारत में उनसे प्रेरित राजनैतिक दल का बोरिया-बिस्तर एकमात्र बचे हुए प्रांत से भी उठ गया. दूसरी ओर भारत के सभी राजनैतिक दल (भाजपा को छोड़कर) जिस सामाजिक संगठन आरएसएस का विरोध करते रहे हैं, या कभी न कभी उसके विरुद्ध खड़े हुए, वह आज देशभर में अपना जन्म शताब्दी वर्ष मना रहा है. उसकी प्रेरणा से राजनीति में खड़े हुए दल भाजपा ने देश के कोने-कोने में अपनी पैठ बनाई है. बंगाल विजय तो कल का ही उदाहरण है. वस्तुत: इसकी वास्तविकता को जानने के लिए हमें एक सदी पूर्व के भारत में जाना होगा. सन् 1925 में भारत में दो संगठनों की नींव रखी गई. एक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसका आरम्भ एक मेडिकल शिक्षा प्राप्त किये युवक ने नागपुर में 15-20 स्थानीय साथियों को लेकर किया. दूसरा संगठन संसारभर में विख्यात हो चुकी कम्युनिस्ट पार्टी का था, जिसका गठन कानपुर में देश के विभिन्न प्रांतों से एकत्र हुए सैकड़ों प्रबुद्ध लोगों ने किया. पार्टी के प्रेरणापुंज कार्ल मार्क्स की गणना विश्व के महानतम विचारकों में होती थी. सन् 1917 की रूस की क्रांति की कीर्ति के कारण कम्यूनिस्ट पार्टी आरंभ में ही देशभर में चर्चित हो गई. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद तो रूस, चीन जैसी अंतरराष्ट्रीय महाशक्तियों का समर्थन भी उन्हें मिलने लगा था. देश के सभी प्रमुख संस्थानों पर साम्यवाद और समाजवाद की गहरी छाप थी. जबकि संघ को आरंभिक वर्षों में नागपुर से बाहर कोई नहीं जानता था. देश स्वाधीन होते ही उस पर न केवल प्रतिबंध लगा, सरकारों द्वारा संघ के कार्यकर्ताओं को निराधार लांछित और प्रताड़ित भी किया गया. आगे फिर प्रतिबंध लगाया गया. सबकी उपेक्षा, उपहास और तिरस्कार झेलते हुए भी संघ चुपचाप अपना कार्य करता रहा. आज एक शताब्दी बाद हम देखते हैं कि सारी दुनिया को बदलने का दावा करने वाले, देश में क्रांति करके सत्ता प्राप्ति का स्वप्न देखने वाले कम्युनिस्ट एक कोने में सिमटकर रह गए. जबकि आज देश का ऐसा कोई कोना नहीं, जहां संघ का वर्चस्व नहीं, संघ की उपस्थिति नहीं. विचारणीय प्रश्न है कि यह जमीन-आसमान का अंतर कैसे संभव हुआ? संघ के निरंतर उत्कर्ष और उसके समान्तर कम्युनिज्म के निरंतर अपकर्ष के मूलभूत कारण क्या रहे? इस पर गहरा मंथन करना चाहिए. वास्तव में किसी भी संगठन की ऐसी असाधारण उपलब्धि कार्यकर्ताओं की निस्वार्थ कर्मनिष्ठा, समर्पण और त्याग के बिना संभव नहीं. यह सभागारों और विश्वविद्यालयों में बैठकर सिद्धांत बघारने से नहीं समाज में प्रत्यक्ष काम करने से हासिल होती है. कोरी बौद्धिकता झाड़ने से वैचारिक हलचल तो हो सकती है, किन्तु व्यक्ति का मन नहीं जुड़ता. वह जुड़ता है उनके बीच जाकर प्रत्यक्ष कार्य करने से, प्रेमपूर्ण व्यवहार से. व्यक्तियों के संगठन आंदोलकारी नारों से नहीं, नियमित संपर्क और सेवा कार्यों से निर्मित होते हैं. मत भूलिए कि संघ ही एकमात्र ऐसा संगठन

है जहाँ हजारों उच्च शिक्षा प्राप्त नवयुवक अपने सुखमय जीवन को ठोकर मारकर संघ के प्रचारक बन गए. आजीवन अविवाहित रहने का भीष्म संकल्प उन्होंने इसलिए लिया कि उनके जीवन का एकमात्र ध्येय संघ कार्य करना था. लाखों गृहस्थ प्रतिदिन कुछ न कुछ समय संगठन के लिए निकालते हैं. इसलिए संघ सैद्धांतिक तर्क-वितर्क एवं शास्त्रार्थ के पचड़े में नहीं पड़ा. बनावटी बौद्धिक वातावरण बनाने में शक्ति खर्च नहीं करता. दिखावटी प्रचार के फंदे में नहीं फँसता. उसका स्पष्ट ध्येय है व्यक्ति को संस्कारित करना, समाज में सज्जनों की संगठित शक्ति खड़ा करना और समाज के बीच में प्रत्यक्ष उपस्थित होकर क्षमता अनुसार कार्य करना. उसके असधारण कार्यविस्तार एवं व्यापक जनस्वीकृति का यही एकमात्र आधार था. इतिहास साक्षी है कि जिन्होंने तथाकथित वैचारिक क्रांतिकारी पैदा किए वे आपस में ही मार-काट में लग गए. सत्ता प्रतिस्पर्धा में पड़ गए. स्वयं को प्रतिष्ठापित करने में ही उनकी शक्ति चुक गई. किन्तु संघ ने व्यक्ति निर्माण की पाठशालाएं चलाई. व्यक्तियों को गढ़ने और जोड़ने की वे छोटी-छोटी पाठशालाएं आज विश्व का व्यक्ति निर्माण का सबसे बड़ा विश्विद्यालय बन गया. ध्यान रखिए संघ हिन्दू संगठन है किन्तु संघ का कार्य केवल हिंदुओं के लिए नहीं संपूर्ण समाज के अभ्युदय के लिए है. समाज का अभ्युदय राष्ट्र के अभ्युदय के लिए है. और राष्ट्र का अभ्युदय केवल भारतवर्ष के लिए नहीं संपूर्ण विश्व के अभ्युदय के लिए है. पर यह तभी दिखाई देगा जब आप अपना राजनैतिक चश्मा उतारकर देखेंगे. भाजपा के चश्मे से देखेंगे तो भी नहीं दिखेगा. अपने व्यक्तिगत अथवा समूहगत लाभ-लोभ से ऊपर उठकर देखेंगे तभी दिखेगा. भाजपा की बंगाल विजय के प्रत्यक्ष पचास कारण गिनाए जा सकते हैं. निस्संदेह भारतीय जनता पार्टी ने प्राणांतक संघर्ष किया हैं, सैकड़ों राजनैतिक कार्यकर्ताओं ने बलिदान किया है, लाखों लोगों का पसीना बहा है. किन्तु इस विराट परिवर्तन के पीछे संघ के स्वयंसेवकों की सतत साधना को मत भूलिए. आज स्वतंत्रता प्राप्ति के आठ दशक बाद पहली बार बंगाल में भगवा लहराया है, तो निश्चित मानिये कल केरल और तमिलनाडु की बारी है. क्योंकि संघकार्य राजनीति प्रेरित तात्कालिक कार्य नहीं राष्ट्रनीति प्रेरित अनवरत चलने वाला कार्य है, जिसका लक्ष्य सत्ता प्राप्ति नहीं व्यक्ति एवं राष्ट्र निर्माण है. ***(लेखक वरिष्ठ स्तम्भकार एवं राष्ट्रीय पत्रिका 'साहित्य परिक्रमा' के संपादक हैं)***

न्यूज कॉर्नर

महाराष्ट्र से अगवा दो नाबालिग लड़कियां एक महीने बाद यूपी से मुक्त

बीड (महाराष्ट्र): महाराष्ट्र के बीड जिले से एक महीने पहले अगवा की गईं दो नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बलिया से मुक्त कराया. दोनों लड़कियां रिश्तेदार हैं. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. बीड पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मुख्य आरोपी विजय महादेव कावले को मंगलवार को उत्तर प्रदेश से पकड़ा गया. पुलिस ने कहा कि चार दिनों तक चलाए गए एक समन्वित अंतरराज्यीय अभियान के जरिये महाराष्ट्र के नांदेड जिले के निवासी कावले को दबोचा गया. पुलिस ने लड़कियों की उम्र का खुलासा नहीं करते हुए कहा कि आरोपी ने बीड के गेवराई तालुका के उमापुर गांव से पांच अप्रैल को दोनों नाबालिग का कथित तौर पर अपहरण किया था. पुलिस ने कहा कि अपराध के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है. पुलिस ने बताया कि यह मामला जांचकर्ताओं के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया था, क्योंकि आरोपी बार-बार अपनी जगह बदल रहा था. उसने कहा कि शुरुआत में महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में छापा मारा गया, क्योंकि आरोपी पहले यहां रहता था, लेकिन इससे कुछ पता नहीं चल पाया. तकनीकी निगरानी और 'डिजिटल ट्रैकिंग' से बाद में पता चला कि लड़कियां उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमाई क्षेत्र में मौजूद हैं. इन जानकारियों के आधार पर एक विशेष जांच दल को तुरंत उत्तर प्रदेश रवाना कर दिया गया. पुलिस ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर लड़कियों के साथ छत्तीसगढ़ भागने की तैयारी कर रहा था, लेकिन त्वरित कार्रवाई ने उसकी योजना को विफल कर दिया.

हंतावायरस के तीन संदिग्ध मरीजों को क्रूज जहाज से निकाला गया : डब्ल्यूएचओ

जोहानिसबर्ग : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयासस ने बुधवार को कहा कि हंतावायरस के तीन संदिग्ध मरीजों को प्रभावित क्रूज जहाज से निकाल लिया गया है और उन्हें नीदरलैंड ले जाया जा रहा है. डब्ल्यूएचओ महानिदेशक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी नीदरलैंड के ध्वज वाले एमवी होन्डियस क्रूज जहाज के संचालकों के साथ मिलकर यात्रियों और चालक दल के स्वास्थ्य पर करीबी निगरानी रख रही है. उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस समय कुल मिलाकर सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम कम है.

कच्छ तट के पास संदिग्ध पाकिस्तानी नौका लावारिस हालत में मिली

भुज (गुजरात): गुजरात के कच्छ जिले के तटीय क्षेत्र में बुधवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी नौका लावारिस हालत में मिली. यह जानकारी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सूत्रों ने दी. सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक तलाशी के दौरान नौका में मछली पकड़ने का सामान मिला, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई. सूत्रों के अनुसार, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को नौका भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास लावारिस हालत में मिली. उन्होंने बताया कि इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और लावारिस नौका के संबंध में आगे की जांच जारी है. भारतीय मछुआरों को अरब सागर के खाड़ी क्षेत्र में प्रवेश करने की मनाही है, लेकिन पाकिस्तानी मछुआरे मछली पकड़ने के लिए भारतीय सीमा में प्रवेश करते हैं. कई बार, बीएसएफ गश्ती दल को देखते ही ऐसे मछुआरे अपनी नौका छोड़कर पाकिस्तान की ओर भाग जाते हैं.

यूक्रेन के एकतरफा युद्धविराम को रूस ने ठुकराया, रातभर ड्रोन हमले किए

कीव: रूस ने यूक्रेन द्वारा घोषित एकतरफा युद्धविराम की अनदेखी करते हुए रातभर दर्जनों ड्रोन हमले किए. यूक्रेनी अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. यूक्रेन द्वारा आधी रात से लागू किए गए युद्धविराम के बावजूद हमले जारी रहे. वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि यूक्रेन ने स्वयं अपने युद्धविराम का पालन नहीं किया और उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने मंगलवार शाम से बुधवार सुबह तक रूसी क्षेत्रों, अवैध रूप से कब्जाए गए क्रीमिया प्रायद्वीप और काला सागर के ऊपर 53 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए. रूस द्वारा नियुक्त गवर्नर सर्गेई अक्स्योनोव के अनुसार, क्रीमिया के झानकोय शहर पर यूक्रेन के ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई. उन्होंने आधी रात के बाद हताहतों की जानकारी दी, जबकि हमले के बारे में उन्होंने करीब 90 मिनट पहले पोस्ट किया था. मॉस्को की ओर से यूक्रेन के युद्धविराम का पालन करने का कोई संकेत नहीं मिला था और युद्धविराम की उम्मीद भी कम ही थी, क्योंकि रूस द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद यह युद्ध का पांचवा साल है. पिछले एक वर्ष में अमेरिका के नेतृत्व में हुए कूटनीतिक प्रयास भी विफल रहे हैं. यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लीमेंको के अनुसार, मंगलवार को रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में 27 लोगों की मौत हुई और 120 अन्य घायल हुए, जिनमें सभी नागरिक थे. संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस युद्ध में अब तक 15,000 से अधिक नागरिकों की मौत हो चुकी है. दोनों पक्ष लंबी दूरी के हमलों को जारी रखे हुए हैं. लगभग 1,250 किलोमीटर लंबी अग्रिम पंक्ति पर रूस की बड़ी सेना यूक्रेन की ड्रोन-आधारित रक्षा के खिलाफ धीमी और महंगी लड़ाई में उलझी हुई है.

बांग्लादेश को भारत से लोगों को जबरन वापस नहीं भेजे जाने की उम्मीद

ढाका: बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने बुधवार को उम्मीद जताई कि हाल ही में भारत के सीमावर्ती राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद लोगों को जबरन बांग्लादेश नहीं भेजा जाएगा. अहमद से जब पत्रकारों ने सवाल किया कि क्या उन्हें कथित अवैध प्रवासियों को भारत से वापस भेजे जाने के मामलों में वृद्धि का डर है तो उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि इस तरह की कोई घटना नहीं होगी. हालांकि, अहमद ने कहा कि बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) को सीमाओं पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं. अहमद की इस टिप्पणी से एक दिन पहले विदेश मंत्री खलील उर्रहमान ने सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के आधिकारिक फेसबुक पेज पर कहा था कि अगर जबरन भेजे जाने की घटनाएं होती हैं, तो बांग्लादेश कार्रवाई करेगा. रहमान ने पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के संदर्भ में यह टिप्पणी की थी. सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए, जिसमें भाजपा ने भारी बहुमत से जीत हासिल की. चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने अक्सर ममता बनर्जी की सरकार पर बांग्लादेशी लोगों के राज्य में प्रवेश की अनुमति देने का आरोप लगाया था. हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज किया. भाजपा ने सीमावर्ती राज्य असम में भी लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है.

हिमंत शर्मा ने असम के मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा, 11 मई के बाद हो सकता है शपथ ग्रहण

गुवाहाटी: असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ इस्तीफा दे दिया जिससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में नयी सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटें जीती हैं. असम में विधानसभा चुनाव नौ अप्रैल को एक चरण में हुए थे और मतगणना चार मई को हुई थी.

मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, असम चुनाव 2026 के परिणामों की औपचारिक अधिसूचना के बाद और नयी सरकार के गठन को सुगम बनाने के लिए डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज लोक भवन में माननीय राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंप दिया और साथ ही उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने भी इस्तीफा सौंप दिया. पोस्ट में कहा गया कि राज्यपाल ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और नयी सरकार के पदभार संभालने तक शर्मा से कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने का अनुरोध किया है.

बाद में लोक भवन के बाहर पत्रकारों से बातचीत में शर्मा ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह 11 मई के बाद होने की संभावना है. उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक जीत है, इसलिए हमने इस अवसर पर उपस्थित होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया है. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सूचित किया है कि

नरेन्द्र मोदी 11 मई तक व्यस्त हैं और उसके बाद ही राज्य का दौरा कर सकेंगे.

मुख्यमंत्री के चयन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी ने दो केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं. उनकी मौजूदगी में विधायक दल अगला मुख्यमंत्री चुनने के लिए अपने नेता का नाम प्रस्तावित करेगा. इसके बाद राजग के घटक दल बैठकर नाम को अंतिम रूप देंगे. इसलिए हमें प्रक्रिया के पूरा होने का इंतजार करना चाहिए.

भाजपा ने मंगलवार को असम में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया, जबकि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सह-पर्यवेक्षक बनाया गया. अपने कैबिनेट सहयोगी रानोज पेगु और विधायक मानब डेका के साथ शर्मा ने कहा, विधायक दल की बैठक 11 मई से पहले होगी. इसकी जानकारी हमें आज या कल नड्डा के कार्यालय से मिल जाएगी. तारीख नड्डा और सैनी तय करेंगे.

उन्होंने बताया कि पार्टी विधायकों की बैठक और राजग सदस्यों द्वारा नेता के नाम को मंजूरी मिलने के बाद भाजपा सरकार बनाने का दावा पेश करेगी. जब उनसे पूछा गया कि क्या मंत्रिमंडल में नए चेहरों को जगह मिलेगी तो शर्मा ने कहा, विधायक दल का नेता अभी चुना जाना बाकी है. नए मुख्यमंत्री ही तय करेंगे कि मंत्रिपरिषद में नए चेहरे शामिल होंगे या नहीं. विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा ने 82 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगी बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) असम गण परिषद (अगप) ने 10-10 सीटें हासिल कीं.

असम गण परिषद विधायक दल के नेता चुने गए अतुल बोरा

गुवाहाटी: असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष अतुल बोरा को बुधवार को नवनिर्वाचित विधायकों ने आम राय से पार्टी के विधायक दल का नेता चुना. चुने हुए विधायकों ने नई सरकार का नेतृत्व करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता हिमंत विश्व शर्मा के नाम का भी प्रस्ताव रखा. राज्य विधानसभा की 126 सीट में से 102 सीट जीतकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगा. भाजपा को 82 सीट पर जीत मिली, जबकि उसके सहयोगी असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने 10-10 सीट पर जीत हासिल की. अगप विधायक दल की पहली बैठक आज दिन में गुवाहाटी में हुई. बोरा ने कहा, बैठक में शामिल लोगों ने अगप और उसके सहयोगियों को मिले जबरदस्त समर्थन के लिए राज्य की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया. असम आंदोलन के शहीदों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई.

बोरा ने कहा कि विधायक दल ने आम राय से उन्हें अपना नेता और कार्यकारी अध्यक्ष केशव महंत को विधायक दल का उपनेता चुना गया है. चुनावों में जीत दर्ज करके बोरा ने अपनी बोकाखात और महंत ने कालियाबोर सीट बरकरार रखीं. वे पिछली दो राजग सरकारों में भी कैबिनेट मंत्री थे. पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि डिमोरिया के विधायक तपन दास को विधायक दल का सचिव और बजाली के विधायक धर्मेश्वर रॉय को मुख्य सचेतक चुना गया है.

पंजाब में दो धमाकों के बाद डीजीपी का बड़ा दावा

अमृतसर: पंजाब में जालंधर और अमृतसर में हुए धमाके के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को कहा कि ऐसा लगता है कि पाकिस्तान की आईएसआई ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ से पहले राज्य में हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रही है. डीजीपी यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, आज मैं अमृतसर गया था, जहां मैंने कल सेना क्षेत्र में हुए कम तीव्रता वाले धमाके वाली जगह का मुआयना किया. घटनास्थल का दौरा करने के बाद, मैंने सेना के अधिकारियों से मिलकर आपसी सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की. इसके बाद, मैंने अमृतसर कमिश्नरेट और सीमा रेंज के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, ताकि सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की जा सके और आवश्यक निर्देश दिए जा सकें.

मंगलवार रात करीब 10:50 बजे खासा आर्मी कैंप की चारदीवारी के पास कम तीव्रता वाले धमाके की सूचना मिली. यह घटना जालंधर

आईएसआई साजिश की आशंका

में बीएसएफ मुख्यालय के पास हुए एक धमाके के ठीक दो घंटे बाद हुई. उन्होंने आगे बताया कि अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी सहित पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे, जबकि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बम निरोधक दस्ते और फोरेंसिक टीमों को भी तैनात किया गया.

चल रही जांच का विवरण देते हुए, उन्होंने आगे कहा कि कई टीमें काम पर लगी हुई हैं, जो ह्यूमन इंटेलिजेंस, टेक्निकल इंटेलिजेंस और फोरेंसिक सबूतों का विश्लेषण कर रही हैं. एक व्यवस्थित, वैज्ञानिक और बारीकी से जांच चल रही है. हालांकि धमाका कम तीव्रता वाला था, लेकिन डिवाइस की सटीक प्रकृति और धमाके का स्वरूप फोरेंसिक जाँच पूरी होने के बाद ही पता चल पाएगा. उन्होंने यह भी बताया कि अब तक किसी भी समूह ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन उन्होंने इसमें पाकिस्तान के संभावित जुड़ाव की ओर इशारा किया.

इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इन घटनाओं की निंदा करते हुए इन्हें 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले हिंसा भड़काने की भाजपा की कोशिशों का हिस्सा बताया. पत्रकारों को संबोधित करते हुए सीएम मान ने दावा किया कि इन छोटे धमाकों की जांच चल रही है. यह पंजाब में चुनावों के लिए भाजपा की तैयारियों का हिस्सा है. जिस भी राज्य में उन्हें चुनाव लड़ना होता है, वे पहले दंगे भड़काते हैं, छोटे पैमाने पर धमाके करवाते हैं, आपस में झगड़े करवाते हैं, और लोगों को धर्म और जाति के आधार पर बांटते हैं. इसका मतलब है कि ये पंजाब के लिए भाजपा की तैयारियां हैं.

उन्होंने आगे कहा कि पूरी तरह से शांति बनाए रखी जाएगी, कानून-व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी और दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी. मैं भाजपा से कहना चाहता हूं कि पंजाब ने कई बुरे दिन देखे हैं. पंजाब के लोग अब ऐसी बातें बर्दाश्त नहीं करेंगे. पंजाबी लोग शांति पसंद करने वाले लोग हैं.

भारत, वियतनाम ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम के बीच हुई वार्ता के बाद बुधवार को भारत और वियतनाम ने अपने संबंधों को बढ़ाकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाने का निर्णय लिया और आर्थिक एवं रक्षा संबंधों को उल्लेखनीय रूप से विस्तार देने का संकल्प जताया. मोदी ने कहा कि दोनों देशों का हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए साझा दृष्टिकोण है और दोनों पक्ष कानून के शासन, शांति, स्थिरता और समृद्धि में अपना योगदान जारी रखेंगे. समझा जाता है कि दोनों पक्षों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति के प्रदर्शन का मुद्दा भी शामिल था. लैम ने मंगलवार को भारत की अपनी तीन दिवसीय यात्रा शुरू की. उनके साथ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है. इस महीने राष्ट्रपति चुने जाने के बाद यह उनकी पहली राजकीय यात्रा है.

प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया में जारी अपने बयान में कहा कि भारत और वियतनाम ने अपने संबंधों को बढ़ाकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया है. मोदी ने कहा, वियतनाम भारत की

'एक्ट ईस्ट' नीति और 'विजन ओशन' का एक प्रमुख स्तंभ है. हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी, हम एक समान दृष्टिकोण साझा करते हैं. उन्होंने कहा, रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करके हम कानून के शासन, शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान देना जारी रखेंगे. प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वियतनाम के सहयोग से आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ) के साथ अपने संबंधों का विस्तार करेगा. उन्होंने कहा कि वित्तीय संपर्क को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के केंद्रीय बैंकों के बीच सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया गया है. उन्होंने कहा कि भारत की यूपीआई और वियतनाम की त्वरित भुगतान प्रणाली जल्द आपस में जुड़ जाएंगी.

लाम ने अपने संबोधन में कहा कि दोनों पक्ष राजनीतिक विश्वास को गहरा करने और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर सहमत हुए हैं. पिछले साल, दोनों पक्षों ने पनडुब्बी खोज, बचाव और सहायता तंत्र के लिए एक ढांचा स्थापित करने से संबंधित एक समझौता पर हस्ताक्षर किया था. उन्होंने द्विपक्षीय रक्षा उद्योग सहयोग को मजबूत करने के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर भी हस्ताक्षर किए.

ममता का इस्तीफा देने से इनकार भाजपा और निर्वाचन आयोग की धांधली का प्रतिकार : सागरिका घोष

नई दिल्ली: तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा में उपनेता सागरिका घोष ने बुधवार को निर्वाचन आयोग पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार इस कृत्य के खिलाफ प्रतिकार का प्रतीक है. घोष की यह टिप्पणी ममता बनर्जी द्वारा मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार करने के एक दिन बाद आई है. तृणमूल सुप्रीमो ने आरोप लगाया था कि चुनाव परिणाम जनता का जनादेश नहीं बल्कि एक साजिश है. घोष ने बनर्जी को उद्धृत किया, मैं हारी नहीं हूं और मैं इस्तीफा नहीं दूंगी. उन्होंने कहा, यह एक वाक्य इतिहास में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-निर्वाचन आयोग द्वारा 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में की गई धांधली का सबसे तीखा और स्पष्ट प्रतिकार साबित होगा.

बनर्जी ने मंगलवार को इस्तीफा देने से इनकार करते हुए कहा था, मैं पद क्यों छोड़ूं? हम हारे नहीं हैं. जनादेश की लूट हुई है. इस्तीफे का सवाल ही कहां उठता है? बनर्जी ने मतगणना में बड़े पैमाने

पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लगभग 100 सीटों की लूट हुई है और उनकी पार्टी का मनोबल गिराने के लिए मतगणना की गति को जानबूझकर धीमा किया गया था.

इस बीच, भाजपा ने बनर्जी पर हमला करते हुए उनके रुख को अराजक और भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ करार दिया. पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 207 सीट पर जीत दर्ज कर 15 साल के तृणमूल कांग्रेस का शासन का अंत कर दिया. तृणमूल को केवल 80 सीटें ही मिल सकीं.

कंगना की 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को होगी प्रदर्शित

नई दिल्ली: अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी. यह फिल्म वर्ष 2008 में मुबंई में हुए आतंकी हमलों के दौरान 400 लोगों की जान बचाने वाले अस्पताल के कर्मचारियों की सच्ची कहानी से प्रेरित है. निर्माताओं ने बुधवार को यह घोषणा की. 'भारत भाग्य विधाता' की पटकथा और निर्देशन मनोज तापडिया ने किया है. यह फिल्म 26/11 हमलों की रात कामा अस्पताल के अंदर घटित घटनाओं पर आधारित है और इसमें यह दिखाया गया है कि कैसे अस्पताल के सभी नर्स, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी,

लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षाकर्मी और प्रशासनिक कर्मचारियों ने बाहर व्याप्त आतंक के दौरान उसका डटकर सामना किया था. रनौत ने एक बयान में कहा, फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' उन लोगों के साहस, बलिदान, मानवता और एकता की एक अनकही कहानी है जो आतंक और जीवन के बीच ढाल बनकर खड़े रहे.

रनौत ने कहा, यह सच्ची देशभक्ति है, जहां कर्तव्य कर्म में बदल जाता है. मुझे इस कहानी का हिस्सा होने पर गर्व है. फिल्म उन लोगों के लिए श्रद्धांजलि स्वरूप है जिन्होंने शहर को उसके सबसे कठिन क्षणों में एकजुट रखा. तापडिया ने कहा कि फिल्म उन आम लोगों, विशेषकर महिलाओं को सम्मानित करती है जिन्होंने सबसे महत्वपूर्ण समय में जीवन-मरण के बीच फैसला लिया.

केंद्र को बंगाल और तमिलनाडु में 'पीएम-श्री' योजना शुरू होने की उम्मीद, जल्द भेजेगा पत्र

नई दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर उनसे केंद्र की पीएम श्री (प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना को राज्य के सरकारी विद्यालयों में यथाशीघ्र लागू करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने का अनुरोध करेगा. सूत्रों ने यह जानकारी दी. सूत्रों के मुताबिक यह कदम हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद उठाया गया है. उनका कहना था कि चुनाव के बाद दोनों राज्यों का राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह से बदल गया है और केंद्र को उम्मीद है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से जुड़ी प्रमुख शिक्षा पहलों का क्रियान्वयन अब संभव हो सकेगा. मंत्रालय

के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक 'पीएम-श्री' योजना को जल्द से जल्द अपनाने के लिए 'आज या कल' पत्र भेजे जाएंगे, जिसके तहत चयनित विद्यालयों को एनईपी 2020 के अनुरूप आदर्श संस्थानों के रूप में विकसित किया जाना है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि अब राज्य सरकारें पीएम श्री योजना को लागू करेंगी. हम पीएम श्री योजना को लागू करने के लिए राज्य के मुख्य सचिवों को पत्र लिखेंगे.

इससे पहले, पश्चिम बंगाल की तत्कालीन तृणमूल कांग्रेस सरकार और तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) सरकार ने केंद्र प्रायोजित योजना में शामिल होने से इनकार कर दिया था. अधिकारियों ने संकेत दिया कि हालिया चुनावी घटनाक्रम के बाद पश्चिम बंगाल में पीएम श्री योजना का कार्यान्वयन सुगम हो सकता है, जबकि तमिलनाडु में चंद्रशेखर जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) की विधानसभा चुनावों में जीत के बाद स्थिति अनिश्चित बनी हुई है.

न्यूज कॉर्नर

अनंत सिंह पर एफआईआर, गोपालगंज में जदयू विधायक के समर्थकों ने हथियारों के साथ किया था डांस

गोपालगंज: जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र के सेमराव गांव में पिछले दिनों पहुंचे मशहूर मोकामा विधायक अनंत सिंह के स्वागत में उनके समर्थकों द्वारा कानून की धज्जियां उड़ाने का मामला अब तूल पकड़ चुका है. सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक अश्लील गानों की धुन पर डांस और अवैध हथियार लहराते हुए वीडियो के आधार पर पुलिस ने मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह समेत 9 नामजद और अन्य अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है. एसपी विनय तिवारी ने बताया कि 4 अप्रैल 2026 को सोशल मीडिया की नियमित निगरानी के क्रम में व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे कुछ वीडियो एवं तस्वीरें संज्ञान में आईं. सूक्ष्म अवलोकन से यह तथ्य सामने आया कि 2 अप्रैल 2026 एवं 3 अप्रैल 2026 को मीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सेमराव में गुड्डू राय के आवास पर आयोजित जनेऊ कार्यक्रम में अवैध प्रतिबंधित एवं लाइसेंसी हथियारों का प्रदर्शन कर लहराया गया साथ ही अश्लील नृत्य का प्रसारण किया गया. एसपी ने कहा कि उक्त कृत्य का वीडियो बनाकर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रसारित भी किया गया. प्राप्त वीडियो का सत्यापन किया गया. सत्यापन के क्रम में कुछ व्यक्तियों को चिन्हित किया गया, जो अवैध प्रतिबंधित एवं लाइसेंसी हथियार का प्रदर्शन कर रहे थे एवं अश्लील नृत्य में शामिल थे तथा उसका वीडियो बनाकर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रसारित कर रहे थे. इस संबंध में मीरगंज थाना कांड संख्या-247/26 दर्ज कर वीडियो सत्यापन के बाद 9 नामजद एवं अन्य अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है. घटना से संबंधित अन्य अज्ञात व्यक्तियों को चिह्नित करते हुए उनकी पहचान मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है.

डालमियानगर से राजस्थान में बेची गई नाबालिग घर लौटी

डेहरी आन सोन: डालमियानगर थाना पुलिस ने नाबालिग लड़कियों को बहला फुसलाकर दूसरे राज्यों में बेचने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने इस मामले में तीन महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. एसडीपीओ एएसपी अतुलेश्वर झा ने बुधवार को प्रेस वार्ता में बताया कि फरवरी 2025 में थाना क्षेत्र की 16 वर्षीय नाबालिग को बहला फुसलाकर डेहरी स्टेशन से राजस्थान के बीकानेर स्थित कल्पंप चुंगी गांव ले जाया गया था. वहां उसकी जबरन शादी करा दी गई. पीड़िता किसी तरह राजस्थान से भागकर 28 अप्रैल को अपने घर लौटी और परिजनों को आपबीती सुनाई. 3 मई को नाबालिग की मां ने डालमियानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई. उन्होंने बताया कि थानाध्यक्ष राजीव कुमार राय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की. जांच में सामने आया कि आरोपी महिलाओं ने एक साल पहले नाबालिग को डेहरी स्टेशन से बहला फुसलाकर राजस्थान ले जाकर एक व्यक्ति से शादी करा दी थी. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चैता देवी, सूर्जमुखी कुंवर और बबीता देवी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. उन्होंने बताया कि घटना में शामिल अन्य आरोपियों और राजस्थान में मौजूद गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है. एएसपी अतुलेश झा ने कहा कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम थानाध्यक्ष राजीव रंजन राय, प्रिंस मिश्रा और स्वाति कुमारी के नेतृत्व में आगे की कार्रवाई कर रही है.

फंदे से लटकते पाये गये युवक और युवती के शव

शाहजहांपुर (उप्र): शाहजहांपुर जिले में बुधवार को एक युवक और युवती के शव एक पेड़ पर फांसी से लटकते पाये गये. युवती की बृहस्पतिवार को शादी होनी थी. अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दिक्षा भवरे ने बताया कि परौर थाना क्षेत्र के कुबेरपुर गांव के बाहर खेत में गांव की ही रहने वाली एक युवती व एक युवक के शव पेड़ पर लगे फांसी के फंदे से लटकते पाये गये. उन्होंने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा. भवरे ने बताया कि मृतकों की पहचान नन्ही यादव (19) तथा सोमेंद्र यादव (19) के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि युवती की बृहस्पतिवार को शादी होनी थी. अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या यह आत्महत्या का मामला लगता है मगर पुलिस हर पहलू की गहराई से जांच कर रही है.

आज मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं निशांत कुमार

पटना: जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अगुवाई वाली सरकार में शामिल होने पर सहमति दे दी और उनके गुरुवार को होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार समारोह में मंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है. सूत्रों ने यह जानकारी दी. करीब दो महीने पहले जदयू की सदस्यता ग्रहण करने वाले निशांत कुमार (45) पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के आग्रह के बाद सरकार में शामिल होने के लिए तैयार हुए हैं. सूत्र ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''जब से निशांत पार्टी में शामिल हुए हैं, तभी से कार्यकर्ताओं की इच्छा थी कि वह सरकार का हिस्सा बनें. पिछले महीने उन्हें उपमुख्यमंत्री भी बनाया जा सकता था लेकिन वह हिचकिचा रहे थे. अंततः उन्होंने सहमति दे दी है.

नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के समय से ही यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि जदयू प्रमुख के उत्तराधिकारी माने जा रहे निशांत कुमार मंत्रिपरिषद में शामिल होंगे. निशांत ने हालांकि यह कहते हुए मंत्री पद लेने से इनकार कर दिया था कि वह पहले पार्टी कार्यकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं. इसके बाद जदयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को मंत्री बनाया गया.

सूत्रों ने दावा किया कि गुरुवार को होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में पार्टी के लगभग एक दर्जन नेता मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं. इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शामिल होंगे.

इससे पहले जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा था कि उनकी पार्टी राज्य मंत्रिमंडल में 16 मंत्री पद चाहती है. बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा वाले राज्य में मंत्रिमंडल की अधिकतम संख्या 30 हो सकती है. जदयू कोटे से जिन नेताओं के मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है, उनमें अशोक चौधरी, श्रवण कुमार और लेशी सिंह प्रमुख हैं. ये सभी पिछले वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव के बाद गठित नीतीश कुमार सरकार में मंत्री रह चुके हैं.

भाजपा और जदयू के अलावा मंत्रिमंडल में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) तथा राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जा सकता है.

हथियार के बल पर माइक्रो फाइनेंस कर्मी से बाइक ,रुपया सहित मोबाइल की लूट

सुपौल: जिले के भीमपुर थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद हैं. ताजा मामला भीमपुर क्षेत्र का है, जहां हथियार के बल पर मंगलवार की शाम लगभग साढ़े छे बजे बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने एक माइक्रो फाइनेंस कर्मी से बाइक , रुपया व मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया गया. पीड़ित राघोपुर थाना क्षेत्र के हुलास वार्ड 12 निवासी रामकुमार यादव है .जानकारी मुताबिक पीड़ित रामकुमार यादव बीते शाम अररिया जिला के नरपतगंज थाना क्षेत्र से अपने कार्य निपटाने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहा था . इसी दौरान बाइक पर सवार चार की संख्या में नकाबपोश बदमाशों ने उनका पीछा करते हुए थाना से महज तीन किलोमीटर पश्चिम सुनसान जगह पर उन्हें रोक लिया और उनके कनपटी में पिस्टल सटाकर उनके पैकेट से एक हजार रुपया नगद , एक ओपो कंपनी की मोबाइल सहित उनके पल्सर बाइक बीआर 50 जेड 6944 छीनकर मोके से फरार हो गया . उधर घटना के बाद पीड़ित ने घटना की सूचना भीमपुर थाने की डायल 112 पर दी . सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुची और जांच पड़ताल में जुट गई .

नॉर्थटेक सिंपोजियम: यूपी के रक्षा गलियारों में 35,000 करोड़ का निवेश

प्रयागराज में सीएम योगी ने गिनाईं उपलब्धियां

प्रयागराज: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के छह रक्षा औद्योगिक गलियारों लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट के लिए 35,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव जमीनी धरातल पर उतरते हुए दिखाई दे रहे हैं. यहां न्यू कैंट में आयोजित तीन दिवसीय 'नॉर्थटेक सिंपोजियम' के समापन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश सरकार ने एक बड़ा भूमि बैंक तैयार किया है. रक्षा और वैमानिकी नीति के माध्यम से निवेश के इच्छुक निवेशकों को प्रोत्साहन भी उपलब्ध कराया जा रहा है.

उन्होंने कहा, अलीगढ़ में छोटे हथियारों, रक्षा उपकरणों और सैन्य सामग्रियों के उत्पादन के रूप में यह केंद्र उभरा है. इसके साथ ही परंपरागत रूप से 'पूर्व का मैनचेस्टर' कहलाने वाला कानपुर गोला-बारूद, मिसाइल, डिफेंस टेक्सटाइल और

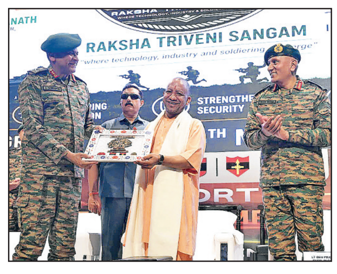

प्रोटेक्टिव गियर के विनिर्माण का केंद्र बिंदु बन गया है. मुख्यमंत्री ने कहा, लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल और भारी रक्षा विनिर्माण पर ध्यान दिया गया है. चित्रकूट और आगरा को वैमानिकी और रक्षा में सटीक इंजीनियरिंग के गढ़ के रूप में विकसित किया जा रहा है.

उन्होंने कहा, सैनिकों की क्षमता बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारों में तोप के गोले, ड्रोन, बुलेट प्रूफ जैकेट और उन्नत संचार प्रणालियों का विनिर्माण किया जा रहा है. रक्षा विनिर्माण गलियारे के लिए आवश्यक सहयोग उत्तर प्रदेश में मौजूद है... मुख्यमंत्री ने कहा, हम आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर ड्रोन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं.

आज उत्तर प्रदेश में 21,000 से अधिक स्टार्टअप विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित हुए हैं. इनमें एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर आदि क्षेत्रों के स्टार्टअप शामिल हैं. योगी आदित्यनाथ ने कहा, मजबूत पारितंत्र का निर्माण हुआ. आज हम कह सकते हैं कि एक्सप्रेसवे, हाइवे, रेल संपर्क, मेट्रो और हवाई संपर्क के रूप में सबसे अच्छा आधारभूत ढांचा उत्तर प्रदेश के पास है. 'नॉर्थटेक सिंपोजियम' का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चार मई को किया था. इसमें रक्षा क्षेत्र में कार्यरत 250 से अधिक कंपनियों ने अपने उत्पाद एवं प्रौद्योगिकियां पेश कीं.

इंस्टाग्राम पर प्रेमिका बनकर पत्नी ने पति को मिलने के लिए बुलाया, करावाया गिरफ्तार

प्रयागराज: संगम नगरी प्रयागराज में एक अनूठा मामला सामने आया है जिसमें पति द्वारा मारपीट कर घर से भगाए जाने के बाद पिछले चार साल से मायके में रह रही एक महिला ने बिना तलाक के दूसरी शादी करने की कोशिश कर रहे अपने पति को मारपीट और अपमान करने के आरोप में गिरफ्तार कराया है. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि सोनी त्रिपाठी का विवाह नौ वर्ष पूर्व प्रतापगढ़ के कालाकांकर निवासी प्रभुदत्त त्रिपाठी से हुआ था और शादी के पांच साल बाद पति और उसके परिजनों ने सोनी को घर से भगा दिया था और चार वर्षों से वह नवाबगंज थाना अंतर्गत जगापुर गांव में अपने मायके में रह रही है. सोनी त्रिपाठी ने एक फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर अपने पति को 'फ्रेंड रिक्वेस्ट' भेजा. दोस्ती होने के बाद इंस्टाग्राम पर दोनों की बातचीत होने लगी और इसी दौरान महिला की वास्तविकता से अनजान प्रभुदत्त उससे शादी करने को तैयार हो गया.

पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, प्रभुदत्त ने महिला को कई बार होटल मिलने के लिए बुलाया, लेकिन महिला ने होटल में मिलने के बजाय उसे दो मई, 2026 को दारागंज थाना अंतर्गत नागवासुकी मंदिर पर मिलने के लिए बुलाया. प्रभुदत्त अपने एक मित्र को लेकर नागवासुकी मंदिर पहुंचा जहां मुंह पर दुपट्टा बांधे हुए सोनी पहले से मौजूद थी और उसके माता-पिता और भाई भी मंदिर से दूर खड़े थे. प्रभुदत्त अपनी पत्नी को पहचान नहीं सका और बातचीत शुरू की.

जैसे ही सोनी ने आंख से चश्मा और मुंह से दुपट्टा हटाया, उसका पति उसे मारकर और जान से मारने की धमकी देकर वहां से भागने लगा. तभी उसके माता पिता और भाई वहां पहुंच गए और उसे पकड़ लिया और 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को बुला लिया. दारागंज थाना की पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने), 351(2) (आपराधिक धमकी) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत मुकदमा दर्ज किया है.

जिला अवर निबंधक के ठिकानों पर ईओयू का छापा, घर से मिले कैश और आभूषण

पटना: बिहार में भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई के तहत आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है. सुपौल के जिला अवर निबंधक अमरेन्द्र कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में छापेमारी की है. विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के सत्यापन के बाद ईओयू ने उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई प्रारंभ की है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, आर्थिक अपराध इकाई थाना कांड संख्या-06/26, दिनांक 05 मई 2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है. इस कांड में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित धारा 13(1)(बी) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है. मामले की गंभीरता को देखते हुए निगरानी की विशेष अदालत (पटना) से तलाशी अधिपत्र प्राप्त कर कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है.

जांच के क्रम में यह तथ्य सामने आया है कि अभियुक्त अमरेन्द्र कुमार द्वारा कुल 1,10,64,000 रुपये (एक करोड़ दस लाख चौसठ हजार) की संपत्ति अर्जित की गई है, जो उनके ज्ञात आय स्रोतों से लगभग 65.08 प्रतिशत अधिक है. प्रथम दृष्टया यह मामला आय से अधिक संपत्ति का प्रतीत होने पर ईओयू ने त्वरित कदम उठाया.

बुधवार सुबह से ही ईओयू की टीमों ने एक साथ चार अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी शुरू की. इन स्थानों में पटना के आशियाना दीघा रोड स्थित राज अपार्टमेंट में उनका फ्लैट, सारण जिले (छपरा) स्थित पैतृक आवास, सुपौल स्थित कार्यालय तथा वहां का किराये का आवास शामिल है. सभी स्थानों पर पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. छापेमारी के दौरान दस्तावेजों, संपत्ति से संबंधित कागजात, बैंक लेन-देन और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है. अधिकारियों के अनुसार, तलाशी की कार्रवाई पूरी होने के बाद ही बरामदगी और अन्य तथ्यों की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी.

आर्थिक अपराध इकाई की यह कार्रवाई राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा मानी जा रही है. हाल के दिनों में ईओयू द्वारा कई मामलों में आय से अधिक संपत्ति के आरोप में सरकारी अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है, जिससे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा हुआ है.

ममता की हार के बाद अखिलेश का बड़ा फैसला

आई-पैक से सपा ने तोड़ा नाता

लखनऊ: पश्चिम बंगाल में ममता की हार के बाद समाजवादी पार्टी ने चुनाव प्रबंधन कंपनी आई-पैक से नाता तोड़ लिया है. लखनऊ में प्रेसवार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हां हमारा संबंध उनसे था. कुछ महीने हमारे साथ उन्होंने काम किया. अब हम साथ काम नहीं कर पा रहे हैं. फंड की कमी है, हम इतने फंड नहीं दे सकते हैं. कई कंपनियों के नाम भी लिए. दरअसल, आई-पैक के पास ही पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के चुनावी कैंपेन की जिम्मेदारी थी. यूपी में 2027 के लिए अखिलेश ने अपनी चुनावी रणनीति काम आई-पैक को ही सौंप रखा था. बताया जा रहा है कि अखिलेश ने आई-पैक कंपनी के साथ 2025 में दिल्ली में पहली मीटिंग की. अखिलेश

जब जनवरी में बंगाल गए तो दोबारा मुलाकात हुई. इसके बाद सपा ने आई-पैक को हायर किया. चर्चा यह भी है कि समझौता टूटने के पीछे की वजह ईडी की छापेमारी भी है. हालांकि अखिलेश यादव ने सिर्फ दूरी की वजह फंड की कमी ही बताई है. बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में यूपी जैसी वोट डकैती की.

जमीन विवाद को लेकर भाजपा के दो विधायक आमने-सामने

उन्नाव: उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में जमीन से जुड़े एक विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो विधायकों के बीच विवाद खुलकर सामने आ गया. मोहान सीट से भाजपा विधायक ब्रजेश रावत ने सदर विधायक पंकज गुप्ता और उनकी बहन दीप्ति गुप्ता पर जमीन कब्जाने की कोशिश, गाली-गलौज और हाथापाई करने का आरोप लगाया. मामला कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर नवीन मंडी के पास वाजिदपुर-राजेपुर गांव में एक जमीन से जुड़ा हुआ है. भाजपा विधायक ब्रजेश रावत ने कहा कि उन्हें ननिहाल से करीब छह बीघा जमीन मिली है जबकि उन्नाव सदर सीट से पार्टी विधायक पंकज गुप्ता का कहना है कि यह जमीन उन्होंने अपनी बहन दीप्ति गुप्ता के नाम पर खरीदी है.

रावत ने दावा किया कि पूर्व में विवाद बढ़ने पर मामला दीवानी अदालत में

दाखिल किया गया था, जहां से स्थगन आदेश मिल चुका है. उन्होंने आरोप लगाया कि मंगलवार को दीप्ति गुप्ता की ओर से जमीन पर खम्बे लगवाए जा रहे थे और जब वह मौके पर पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज और हाथापाई की. रावत ने उच्चाधिकारियों और सदर कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई का अनुरोध किया. वहीं, सदर सीट से भाजपा विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि एक जमीन को लेकर उनका उनकी बहन से विवाद रहा है, जिसमें उनका नाम घसीटना गलत है. उन्होंने कहा कि जिस समय की घटना बताई जा रही है, उस समय वह एक कार्यक्रम में गये थे.

बिहार: विश्व बैंक से 4750 करोड़ रुपये के ऋण को मंजूरी, बदलेगी शहरों की तस्वीर

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिसमें बिहार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम के लिए विश्व बैंक से 4750 करोड़ रुपये के ऋण लेने को स्वीकृति प्रदान करना शामिल है. मंत्रिमंडल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने बैठक के बाद बताया कि कृत्रिम मेधा (एआई) मिशन के गठन से लेकर इलेक्ट्रिक बस सेवा और इलेक्ट्रॉनिक मतदान व्यवस्था तक कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, जिनसे राज्य में आधुनिक एवं पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने कहा कि बिहार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम के माध्यम से शहरी क्षेत्रों का सुनियोजित विकास, आर्थिक एवं आधारभूत संरचना का विस्तार तथा शहरीकरण को प्रोत्साहन मिलेगा. चौधरी ने बताया कि यह कार्यक्रम राज्य में सतत, जलवायु-संवेदनशील और आर्थिक रूप से सशक्त शहरीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा, जिससे दीर्घकालिक शहरी विकास और निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने पटना सहित बिहार के प्रमुख शहरों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को

सुदृढ़ करने के लिए 400 नई वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों के परिचालन को मंजूरी दी है.

अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत पटना को 150 बसें तथा मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया, दरभंगा और पूर्णिया को 50-50 बसें उपलब्ध कराई जाएंगी. उन्होंने बताया कि इसके लिए सरकार ने 517.16 करोड़ रुपये के पुनरीक्षित व्यय को मंजूरी दी है. चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार ने सड़कों के रखरखाव और निगरानी व्यवस्था को तकनीक आधारित बनाने का फैसला किया है तथा इसके तहत 15,967 करोड़ रुपये की लागत से राज्य की 19,305 किलोमीटर लंबी सड़कों की निगरानी कृत्रिम मेधा और मशीन लर्निंग तकनीक से की जाएगी. उन्होंने बताया कि इसके लिए पटना में एक केंद्रीकृत कमांड सेंटर स्थापित किया जाएगा. अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार अगले एक महीने में 'बिहार रोड यूजर फीस रूल्स-2026' को अंतिम रूप देगी, जिसके बाद महत्वपूर्ण पुलों पर टोल टैक्स की वसूली शुरू की जाएगी.

चौधरी ने बताया कि पटना हवाई अड्डे के विस्तार में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) की 1.85 एकड़ भूमि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को नि:शुल्क हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है. उन्होंने बताया कि औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज-2025' की अवधि को 30 जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है. चौधरी ने बताया कि नगरपालिका चुनाव-2026 में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों तथा राज्य से बाहर रहने वाले मतदाताओं को सुविधा प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक मतदान (ई-वोटिंग) प्रणाली लागू की जाएगी. उन्होंने बताया कि इस योजना पर लगभग 31.45 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे और इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी एक केंद्रीय तकनीकी संस्था को सौंपी गई है.

रेलवे टेंडर घोटाला में लालू समेत दूसरे आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला टला

नई दिल्ली/पटना: दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट बुधवार को रेलवे टेंडर घोटाला के मनी लाउंड्रिंग मामले में आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला टाल दिया है. स्पेशल जज विशाल गोगने ने अब 22 मई को फैसला सुनाने का आदेश दिया. कोर्ट ने 13 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था. 28 जनवरी 2019 को कोर्ट ने ईडी की ओर से दर्ज केस में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को भी नियमित जमानत दी थी. कोर्ट ने एक-एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी थी. 19 जनवरी 2019 को कोर्ट ने सीबीआई की ओर से दर्ज केस में लालू यादव को नियमित जमानत दी थी.

कोर्ट ने 13 अक्टूबर 2025 को रेलवे टेंडर घोटाले के सीबीआई से जुड़े मामले में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत दूसरे आरोपियों के

खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था. कोर्ट ने 17 सितंबर 2018 को ईडी की ओर से दायर चार्जशीट पर संज्ञान लिया था. इस मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी समेत 16 लोगों को आरोपी बनाया गया है.

न्यूज कॉर्नर

रेडिको खेतान का मार्च तिमाही का मुनाफा दोगुना होकर 179 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली: भारत में बनी विदेशी शराब की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक रेडिको खेतान लिमिटेड के बीते वित्त वर्ष मार्च में समाप्त तिमाही के दौरान एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 179.46 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. कंपनी ने बीएसई को भेजी सूचना में यह जानकारी दी है. इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 93.07 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था. कंपनी के पास रामपुर इंडियन सिंगल माल्ट व्हिस्की, जैसलमेर इंडियन क्राफ्ट जिन, मैजिक मोमेंट्स वोडका और 8 पीएम जैसे ब्रांड हैं.तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 15.5 प्रतिशत बढ़कर 5,180.23 करोड़ रुपये हो गई. पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 4,485.42 करोड़ रुपये थी.मार्च तिमाही में रेडिको खेतान की कुल आईएमएफएल (भारत में बनी विदेशी शराब) बिक्री चार प्रतिशत बढ़कर 95.2 लाख केस (750 एमएल की 12 बोतल) हो गई.तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 13.5 प्रतिशत बढ़कर 4,955.40 करोड़ रुपये हो गया. इस दौरान, कंपनी की अन्य आय सहित कुल आमदनी 15.63 प्रतिशत बढ़कर 5,188.12 करोड़ रुपये हो गई.पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रेडिको खेतान का शुद्ध लाभ 75 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 604.47 करोड़ रुपये हो गया. वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की कुल एकीकृत आय 22.7 प्रतिशत बढ़कर 20,988.23 करोड़ रुपये हो गई.इस बीच, एक अलग नियामकीय सूचना में रेडिको खेतान ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 2025-26 के लिए 450 प्रतिशत यानी दो रुपये के इक्विटी शेयर पर नौ रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है.

ट्राइमैक्स फूड्स को भारत में पांडा एक्सप्रेस के 'फ्रेंचाइजी' अधिकार मिले

नयी दिल्ली: रेस्तरां संचालक ट्राइमैक्स फूड्स को पांडा रेस्टोरेंट ग्रुप की एक अनुषंगी कंपनी से रेस्तरां ब्रांड 'पांडा एक्सप्रेस' के भारत में 'फ्रेंचाइजी' के अधिकार मिल गए हैं. कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत ट्राइमैक्स फूड्स 400 करोड़ रुपये के निवेश के साथ पांडा एक्सप्रेस के संचालन को 100 स्टोर तक विस्तारित करेगा. इसकी शुरुआत दिल्ली-एनसीआर से होगी और फिर प्रमुख महानगरों एवं उभरते शहरों में इसका विस्तार किया जाएगा.पांडा रेस्टोरेंट ग्रुप, इंक के प्रवक्ता डग स्टालेन ने कहा, '' भारत दुनिया के सबसे गतिशील रेस्तरां बाजारों में से एक है और यह सहयोग हमारे वैश्विक विस्तार में एक महत्वपूर्ण और उत्साहजनक कदम है.''एंड्रयू और डॉ. पेगी चेरंग द्वारा 1983 में स्थापित पांडा एक्सप्रेस का वर्तमान में वार्षिक कारोबार छह अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है. यह ब्रांड दुनिया भर के 12 देशों में 2,600 से अधिक रेस्तरां संचालित करता है जहां चीन के व्यंजनों को अमेरिकी आतिथ्य शैली के साथ परोसा जाता है.

सत्वा ग्रुप मुंबई में आवासीय परियोजना करेगी विकसित, 5,500 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

नयी दिल्ली: रियल एस्टेट कंपनी सत्वा ग्रुप अपनी विस्तार योजना के तहत मुंबई में एक आवासीय परियोजना विकसित करेगी. इससे उसे अनुमानित 5,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है. कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि उसने मुंबई के परेल में अपनी पहली आवासीय परियोजना 'सत्वा सुमेरा' पेश की है. दो एकड़ भूमि पर फैली इस परियोजना में कुल विकासित किए जाने वाला क्षेत्र 20 लाख वर्ग फुट से अधिक है. इससे 5,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है.सत्वा ग्रुप के उपाध्यक्ष (रणनीति) शिवम अग्रवाल ने कहा, '' मुंबई ऐसे मोड़ पर है जहां पुनर्विकास अब केवल पुराने भवनों को बदलने तक सीमित नहीं है बल्कि यह लोगों के रहने के तरीके में सुधार से जुड़ा है.''उन्होंने कहा कि मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर) में आवास की मांग मजबूत बनी हुई है और कंपनी शहर में अपने कारोबार का विस्तार करना चाहती है.बेंगलुरु स्थित सत्वा ग्रुप देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है. इसकी मौजूदगी भारत के आठ शहरों में है.

पश्चिम एशिया में सुलह की उम्मीद से उछला शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 6.51 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद के कारण शेयर मार्केट में आज जबरदस्त तेजी का माहौल बनता हुआ नजर आया. आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी. बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई. दोपहर करीब एक बजे तक बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा.

इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हॉर्मुज स्ट्रेट में मालवाहक जहाजों को सुरक्षित देनेवाले नौसैनिक अभियान प्रोजेक्ट फ्रीडम को अस्थाई रूप से रोकने का ऐलान करने के बाद बाजार में एक बार फिर तेजी आ गई. ट्रंप के इस ऐलान के बाद अमेरिका और ईरान के बीच सुलह होने की उम्मीद बन गई, जिससे कच्चे तेल की कीमत में भी जोरदार गिरावट का रुख बना. इससे शेयर बाजार के सेंटीमेंट्स में जबरदस्त सुधार हुआ. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.22 प्रतिशत और निफ्टी 1.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए.

आज दिन भर के कारोबार के दौरान ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे. बैंकिंग, ऑटोमोबाइल और हेल्थकेयर सेक्टर में आज जम कर खरीदारी होती रही. इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक ऑयल एंड गैस, मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स और आईटी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए. दूसरी ओर, एफएमसीजी और पावर इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए. ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.93 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया.

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े छह लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 473.02 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया. पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.51 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.51 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया.

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,394 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 2,862 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,365 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 167 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 2,967 शेयरों में

एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 2,230 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 737 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और नौ शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स आज 406.57 अंक की मजबूती के साथ 77,424.36 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 657.22 अंक उछल कर 77,675.01 अंक के स्तर तक पहुंच गया. इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई. लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर एक बजे के करीब सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 901.76 अंक टूट कर 244.54 अंक की कमजोरी के साथ 76,773.25 अंक के स्तर तक गिर गया. इसके बाद पश्चिम एशिया में सुलह होने की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आने की खबर आने के बाद बाजार में एक बार फिर उत्साह का माहौल बन गया, जिसकी वजह से खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी. लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 1,249.53 अंक की छलांग लगा कर 1,004.99 अंक की तेजी के साथ 78,022.78 अंक के स्तर तक आ गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 940.73 अंक की बढ़त के साथ 77,958.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 138.20 अंक उछल कर 24,171 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 218.05 अंक उछल कर 24,250.85 अंक के स्तर तक आ गया. इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट का रुख बन गया. लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर एक बजे के करीब यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 252.95 अंक लुढ़क कर 34.90 अंक की कमजोरी के साथ 23,997.90 अंक के स्तर तक आ गया. इसके बाद बाजार में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिससे निफ्टी की चाल में सुधार का रुख बन गया.

लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से 358.60 अंक उछल कर 323.70 अंक की तेजी के साथ 24,356.50 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा. दिन भर की खरीद बिक्री के बाद निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से करीब 25 अंक लुढ़क कर 298.15 अंक की मजबूती के साथ 24,330.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंटर ग्लोब एविएशन 6.65 प्रतिशत, टीएमपीवी 5.29 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 4.12 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 3.73 प्रतिशत और एशियन पेंट्स 3.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, ओएनजीसी 3.16 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.76 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 1.13 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन 1.10 प्रतिशत और एनटीपीसी 0.95 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

वस्तुओं, सेवाओं का निर्यात बीते वित्त वर्ष 4.6 प्रतिशत बढ़कर 863.11 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली: वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात बीते वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 4.6 प्रतिशत बढ़कर 863.11 अरब डॉलर के अबतक के उच्चस्तर पर पहुंच गया है. वाणिज्य मंत्रालय के बुधवार को जारी संशोधित आंकड़ों से यह जानकारी मिली.इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 825.26 अरब डॉलर रहा था.आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वित्त वर्ष में वस्तुओं का निर्यात 0.93 प्रतिशत बढ़कर 441.78 अरब डॉलर रहा, जो 2024-25 में 437.70 अरब डॉलर था.एक अधिकारी ने कहा, ''वैश्विक अनिश्चितताओं और वस्तुओं के व्यापार में चुनौतियों के बावजूद भारत के वस्तु निर्यात में बढ़ोतरी हुई और इसने कुल निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान दिया.''हालांकि, सेवाओं के निर्यात क्षेत्र का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा. यह 2024-25 के 387.55 अरब डॉलर की तुलना में 2025-26 में बढ़कर सर्वकालिक उच्चस्तर 421.32 अरब डॉलर पर पहुंच गया. यानी सेवाओं का निर्यात 8.71 प्रतिशत बढ़ा.अधिकारी ने बताया कि सेवाओं के निर्यात में यह तेज बढ़ोतरी सूचना प्रौद्योगिकी, कारोबारी समाधान और पेशेवर विशेषज्ञता जैसी सेवाओं की बढ़ती वैश्विक मांग को दर्शाती है.

मंडाविया गुरुवार को राष्ट्रव्यापी नि:शुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल का करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली: केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया गुरुवार, 7 मई को राष्ट्रव्यापी नि:शुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल का शुभारंभ करेंगे. श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि डॉ. मनसुख मंडाविया, 7 मई को 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए एक राष्ट्रव्यापी वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल की शुरुआत करेंगे, जिसका प्रस्ताव नए श्रम संहिताओं के तहत किया गया है.मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री इस पहल का औपचारिक उद्घाटन कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बसई दारापुर, नई दिल्ली से करेंगे. इसके साथ ही देशभर के 11 अन्य ईएसआईसी अस्पतालों में भी एक साथ उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संबंधित राज्यों के श्रम मंत्री, संसद सदस्य (एमपी), विधानसभा सदस्य (एमएलए) और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे.

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के

उस विजन के अनुरूप है, जो व्यापक श्रमेव जयते फ्रेमवर्क के तहत आता है. यह फ्रेमवर्क श्रमिकों के लिए श्रम की गरिमा और मजबूत सामाजिक सुरक्षा पर ज़ोर देता है. इस पहल का आधार चार नए श्रम संहिताओं के माध्यम से लाए गए वे परिवर्तनकारी सुधार हैं, जो 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को चार व्यापक स्तंभों के अंतर्गत एकीकृत करते हैं. इन सुधारों का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, रोज़गार के औपचारिकरण को बढ़ावा देना और सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार करना है.

मंत्रालय ने बताया कि ईएसआई योजना के तहत आने वाले लाभार्थियों के लिए, ये जांचें ईएसआईसी के अस्पतालों के बड़े नेटवर्क के ज़रिए की जाएंगी, जिसमें बीमारी का शुरुआती दौर में ही पता लगाने, बचाव से जुड़े स्वास्थ्य उपायों और लगातार स्वास्थ्य पर नज़र रखने पर खास ज़ोर दिया जाएगा. यह राष्ट्रव्यापी पहल व्यावसायिक स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने, भारत के कार्यबल के लिए व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सुनिश्चित करने और 'विकसित भारत 2047' के विज़न को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

कच्चे तेल का वायदा भाव 11 प्रतिशत टूटकर 8,588 रुपये प्रति बैरल, ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर से नीचे

नयी दिल्ली: वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमत बुधवार को 11 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ 8,588 रुपये प्रति बैरल पर आ गई. अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते के संकेतों के बीच वैश्विक तेल मानकों में तेज गिरावट के साथ वायदा बाजार में तेल के दाम घटे हैं.मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के अनुबंधों का भाव 1,110 रुपये यानी 11.45 प्रतिशत फिसलकर 8,588 रुपये प्रति बैरल रह गया. इसमें 12,132 लॉट का कारोबार हुआ.इसी तरह, जून अनुबंध का भाव भी 1,098 रुपये यानी 11.69 प्रतिशत टूटकर 8,298 रुपये प्रति बैरल पर आ गया. इसमें 4,274 लॉट का कारोबार हुआ.विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष समाप्त करने एवं व्यापक परमाणु वार्ता का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से प्रारंभिक समझौते के करीब पहुंचने की खबरों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई.अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भी तेज गिरावट आई. ब्रेंट तेल के जुलाई अनुबंध की कीमत 11.57 डॉलर या 10.53 प्रतिशत फिसलकर 98.30 डॉलर प्रति बैरल हो गई. वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) 12.39 डॉलर यानी 12.11 प्रतिशत टूटकर 89.88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया.गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए चलाए जा रहे 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को भी निलंबित कर दिया है. साथ ही दावा किया कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के समझौते की दिशा में बातचीत में प्रगति हुई है.

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

सीईओ ने गवर्नर को सौंपा...

हुए जनादेश पर सवाल उठाए हैं. इस पर बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग की भूमिका केवल चुनाव कराने और परिणाम अधिसूचित करने तक सीमित है. इसके आगे की प्रक्रिया पूरी तरह संविधान के तहत होती है. ममता बनर्जी के इस्तीफा न देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि देखिए, संविधान में जो लिखा है वही होगा. हमें कुछ कहने की जरूरत नहीं है. इस पर मेरी तरफ से कोई टिप्पणी नहीं. चुनाव आयोग की इसमें कोई भूमिका नहीं है.पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में वोटिंग के बाद 4 मई को मतों की गणना हुई. जिसमें सत्ता धारी दल तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा. इस जीत के साथ ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल लंबे शासन का अंत हो गया है. आंकड़ों की बात करें तो टीएमसी को मात्र 80 सीटें मिली हैं, जबकि पिछले चुनाव में पार्टी ने अकेले 215 सीटों हासिल की थी. जबकि भाजपा जिसे पिछले चुनाव में मात्र 77 सीटें मिली थी, उसने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 207 सीटों पर कब्जा जमाया है. तृणमूल कांग्रेस के बंगाली अस्मिता के मुद्दे की प्रभावी रूप से हवा निकालने के लिए भाजपा ने शपथ ग्रहण के लिए रवींद्रनाथ टैगौर की 165वीं जयंती को चुना है. इस दिन 25वां वैशाख है, जो बंगाली कैलेंडर के मुताबिक टैगोर जयंती है. हालांकि अंग्रेजी भाजपा कार्यालय में सीएम पद कैलेंडर के हिसाब से उनकी के दावेदार शुभेंदु अधिकारी जयंती 7 मई को होती है. भाजपा के लिए बंगाल की क्या अहमियत है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए होने वाली विधायक दल की बैठक के लिए गृह मंत्री अमित शाह को मुख्य केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है. पार्टी की प्रचंड जीत के सूत्रधार माने जाने वाले शाह के साथ ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सह पर्यवेक्षक होंगे. सूत्रों के अनुसार, चुनाव के दौरान पार्टी का चेहरा रहे शुभेंदु अधिकारी नए मुख्यमंत्री हो सकते हैं. विधायक दल की बैठक बृहस्पतिवार तक हो सकती है.

विजय ने पेश किया सरकार...

के लिए पार्टी को कम से कम छह और विधायकों की आवश्यकता होगी. इसे लेकर विजय ने वीसीके, सीपीआई और सीपीएम जैसे दलों के साथ बातचीत शुरू कर दी है.विजय के लिए सबसे सीधा रास्ता छोटे दलों का समर्थन हासिल करना है. मौजूदा समय में कांग्रेस के पास पांच विधायक हैं. इससे विजय की पार्टी बहुमत के करीब तो पहुंच जाएगी, लेकिन फिर भी सरकार बनाने के लिए उसे कुछ और साथियों की जरूरत होगी. इसके लिए विजय कुछ और छोटे दलों से बातचीत कर सकते हैं. इनमें पीएमके (4 सीट), वामदलों यानी भाकपा (2 सीट) और माकपा (2 सीट), वीसीके (2 सीट), आईयूएमएल (2 सीट) और डीएमडीके (1 सीट) जैसे क्षेत्रीय दलों से संपर्क साधा जा सकता है. मौजूदा समय में यह सभी दल या तो द्रमुक और या फिर अन्नाद्रमुक गठबंधन का हिस्सा हैं. विधानसभा चुनाव में डीएमके को 59 और एआईएडीएमके को 47 सीटें मिली हैं. अन्य दलों में पीएमके को 4 और आईयूएमएल को 2 सीटें मिली हैं. सीपीआई, वीसीके और सीपीआईएम को भी 2-2 सीटों पर जीत मिली है. भाजपा, डीएमडीके और एएमएमके के खाते में 1-1 सीट आई है. टीवीके सबसे ज्यादा 108 सीटें मिली हैं.

ममता की कृपा से नियुक्त...

अलापन बंद्योपाध्याय के 2021 में तबादले को लेकर राज्य सरकार और केंद्र के बीच विवाद भी हुआ था. सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया था. इससे पहले राज्य के महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने भी राज्यपाल आर एन रवि को अपना इस्तीफा सौंप दिया था.

आज बिहार सरकार का ...

शीला कुमारी, बुलो मंडल, भगवान सिंह कुशवाहा और दामोदर राउत का नाम भी मंत्रियों की लिस्ट में शामिल हो सकता है. शपथ ग्रहण समारोह में झच् मोदी होंगे शामिलसूत्रों के मुताबिक, गुरुवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई प्रमुख नेता शामिल होंगे. बिहार मंत्रिमंडल के विस्तार में भाजपा कोटे से पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और पूर्व विधि और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय जैसे कद्दावर नेताओं का मंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है. इनके अलावा डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, अरुण शंकर प्रसाद और डॉ. प्रमोद कुमार भी शामिल किये जा सकते हैं. सबसे ज्यादा चर्चा युवा चेहरों को लेकर है, जिनमें अंतरराष्ट्रीय शूटर और विधायक श्रेयसी सिंह, मैथिली ठाकुर और पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा के नामों की भी चर्चा है. इसके अलावा लखेंद्र रौशन, सुरेंद्र मेहता, रमा निषाद ,संजीव चौरसिया, नीतीश मिश्रा जैसे नामों की भी चर्चा है.

डेरिवेटिव्स में एनएसई की लीडरशिप और मजबूत हुई, मार्केट शेयर की रफ़्तार बनी रही

नई दिल्ली/मुंबई: नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अपनी लीडरशिप को फिर से साबित किया है. एनएसई की नेतृत्व प्रदर्शन का मूल्यांकन प्रीमियम टर्नओवर के आधार पर किया जाता है, जो एक उद्योग संबंधी मानक पैमाना है और असल आर्थिक गतिविधियों को दिखाता है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने 2026 की पहली तिमाही में साफ तौर पर ऊपर की ओर जाने का रुझान दिखाया है. इसके इंडेक्स ऑप्शंस का मार्केट शेयर जनवरी में 66.7 फीसदी से लगातार बढ़कर मार्च में 72.1 फीसदी हो गया. ये 540 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी है, जो इसके अंदरूनी मज़बूत ग्रोथ की रफ़्तार को दिखाता है. अप्रैल के महीने में जब छुट्टियों की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव था, तब भी एनएसई ने इंडेक्स ऑप्शंस में 62.9 फीसदी और कुल एफएंडओ प्रीमियम टर्नओवर में 86.8 फीसदी का दबदबा वाला शेयर बनाए रखा, जो बाजार में उसकी लगातार लीडरशिप को दिखाता है.

कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि मंगलवार को पड़ने वाली मार्केट छुट्टियों की वजह से अप्रैल में फ्यूचर्स और ऑप्शंस (एफएंडओ) सेगमेंट में ट्रेडिंग वॉल्यूम पर असर पड़ा. कंपनी के मुताबिक दो अहम हफ्तावार एक्सपायरी सेशन, जो ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिए बहुत जरूरी होते हैं. इसमें मंगलवार को छुट्टियों की वजह से नहीं हो पाए, क्योंकि मंगलवार को एनएसई के मुख्य निफ्टी कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी होती है. इसके उलट गुरुवार को एक्सपायर होने वाले प्रतिद्वंद्वी कॉन्ट्रैक्ट्स पर कोई असर नहीं पड़ा, जिससे रिपोर्ट की गई गतिविधि में कुछ समय के लिए असंतुलन पैदा हो गया, इसमें बड़ा रुझान बाजार की स्थिति में सुधार और मज़बूती का संकेत देता है.

नोशनल गणनाएं इंडेक्स की ऊंची कीमतों की वजह से प्रतिद्वंद्वियों के शेयर को कृत्रिम रूप से बढ़ा देती हैं, जिससे 19 फीसदी पॉइंट्स तक का अंतर आ जाता है.

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में आज के शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख नजर आ रहा है. सोने के भाव में आज 400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है. इसी तरह चांदी आज 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है. कीमत में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,170 रुपये से लेकर 1,50,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,36,740 रुपये से लेकर 1,38,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. वहीं, चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज शुरुआती कारोबार के दौरान 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है.

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,49,320 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने

की रिटेल कीमत 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

बंगाल में भाजपा के सत्ता में आने के बाद ताजपुर बंदरगाह परियोजना के आगे बढ़ने की उम्मीद

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद 25,000 करोड़ रुपये की ताजपुर बंदरगाह परियोजना को लेकर उद्योग की उम्मीदें एक बार फिर जग गई है. यह परियोजना लंबे समय से अटकी हुई है.उद्योग को उम्मीद है कि राज्य और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय से प्रस्तावित बुनियादी ढांचा उद्यम का काम तेजी से आगे बढ़ेगा.हालांकि, दिसंबर, 2025 में पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम (डब्ल्यूबीआईडीसी) द्वारा जारी नई वैश्विक निविदा अब रद्द हो गई है क्योंकि इसमें कंपनियों की ओर से पर्याप्त भागीदारी देखने को नहीं मिली थी. नेशनल शिपिंग एंड लॉजिस्टिक्स कमेटी, बीसीसीएंड आई के चेयरमैन, अदीप नाथ पाल चौधरी ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''बंगाल में केंद्र-राज्य के तालमेल से, परियोजना के रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है. हालांकि, इसका पूरा लाभ अंतिम छोर तक संपर्क और सुगम मल्टीमॉडल एकीकरण पर निर्भर करेगा.''चौधरी बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भी हैं.

उन्होंने कहा कि ताजपुर बंदरगाह पूर्वी भारत के व्यापार के लिए एक बड़ा बदलाव लाने की क्षमता रखता है. इससे बड़े जहाज सीधे लंगर डाल सकेंगे, पारगमन केंद्र पर निर्भरता कम होगी और लॉजिस्टिक की लागत कम होगी. साथ ही, कोलकाता और

हल्दिया बंदरगाह पर भीड़भाड़ कम होगी जिससे जहाजों के आने-जाने का समय कम हो सकेगा.

समुद्री बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि ताजपुर में एक नए बंदरगाह के डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, उसे चलाने और स्थानांतरित करने की निविदा को दो सप्ताह पहले ही रद्द कर दिया गया है, क्योंकि इसके लिए न्यूनतम बोलियां प्राप्त नहीं हुई थीं.भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में ताजपुर बंदरगाह और कुल्पी बंदरगाह के विकास का वादा किया है. ये परियोजनाएं राज्य में औद्योगिकीकरण, लॉजिस्टिक और रोजगार को बढ़ावा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं.

पूर्वी मिदनापुर जिले में ताजपुर बंदरगाह परियोजना का विचार करीब एक दशक पहले बना था. शुरू में, इस परियोजना को कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट (अब श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह, कोलकाता) के साथ भागीदारी में शुरू किया गया था. बाद में, राज्य सरकार ने बंदरगाह को सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) में विकसित करने का फैसला किया था.वर्ष 2021 में पश्चिम बंगाल सरकार ने बंदरगाह परियोजना के लिए डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, परिचालन और स्थानांतरण (डीबीएफओटी) के आधार पर बोलियां मांगीं. अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकानमिक जोन (एपीएसईजेड) इसमें सज्जन जिंदल के जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर को पछाड़ कर शीर्ष बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी थी.मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अक्टूबर, 2022 में एपीएसईजेड को आशय पत्र (एलओआई) भी सौंप दिया था. उस समय इस परियोजना में लगभग 25,000 करोड़ रुपये का निवेश आने की बात कही गई थी.हालांकि, नवंबर 2023 में, राज्य सरकार ने बिना कोई कारण बताए नई निविदा प्रक्रिया शुरू की. जून 2025 में, बंगाल मंत्रिमंडल ने अदाणी समूह के साथ पूर्व में हुई व्यवस्था को समाप्त करने का फैसला किया और नई निविदा प्रक्रिया को मंजूरी दी.

अप्रैल में भारत का इस्पात उत्पादन और खपत बढ़ी, सभी श्रेणियों की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली: भारत के इस्पात क्षेत्र ने अप्रैल 2026 में अपनी विकास गति को बनाए रखी है. बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्रों में मज़बूत घरेलू मांग के चलते उत्पादन और खपत में वृद्धि दर्ज की गई है. इस्पात मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में कच्चे स्टील का उत्पादन 14.09 मिलियन टन रहा, जो अप्रैल 2025 के 13.31 मिलियन टन की तुलना में 5.8 फीसदी की सालाना (साल-दर-साल) बढ़ोतरी है. इस दौरान तैयार स्टील का उत्पादन बढ़कर 13.05 मिलियन टन हो गया, जिसमें सालाना आधार पर 3.4 फीसदी की वृद्धि हुई. वहीं, तैयार स्टील की खपत भी 12.99 मिलियन टन तक पहुंच गई, जो 8.1 फीसदी की वृद्धि है.मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि यह वृद्धि निर्माण, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे अंतिम-उपयोग वाले क्षेत्रों में लगातार बनी हुई तेजी को दर्शाती है. इस दौरान हॉट मेटल उत्पादन में भी साल-दर-साल 5.4 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि इस महीने पिग आयरन का उत्पादन 6 फीसदी घटकर 0.69 मिलियन टन रह गया.मंत्रालय ने बताया कि व्यापार के मोर्चे पर भारत एक मामूली शुद्ध आयातक बना रहा, जहां आयात 0.68 मिलियन टन और निर्यात 0.47 मिलियन टन रहा. इसकी तुलना में अप्रैल 2025 में आयात 0.52 मिलियन टन और निर्यात 0.38 मिलियन टन रहा था. इस प्रकार अप्रैल 2026 में आयात और निर्यात में क्रमशः 30.8 फीसदी और 24.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई.इस्पात मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की कुल स्टील क्षमता लगभग 220 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) रही, जो 2030 तक 300 एमटीपीए के राष्ट्रीय स्टील नीति लक्ष्य की ओर बढ़ रही है. इस दिशा में सेल, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसपीएल और एएमएनएस जैसी कंपनियां अपनी क्षमता का विस्तार लगातार जारी रखे हुए हैं.मंत्रालय के मुताबिक अप्रैल में घरेलू स्टील की कीमतों में सभी सेगमेंट में तेज़ी देखने को मिली है. टीएमटी/रीबार की कीमतों में महीने-दर-महीने आधार पर लगभग 2.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई. इसके साथ ही साल-दर-साल आधार पर भी 3 फीसदी का लाभ दर्ज किया गया, जो कई महीनों की नरमी के बाद साल-दर-साल आधार पर पहली सकारात्मक बढ़त है.मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान फ्लैट स्टील की कीमतों में ज्यादा तेजी आई, जिसमें हॉट-रोल्ड कॉइल की कीमतों में पिछले महीने के मुकाबले लगभग 6.3 फीसदी और जीपी शीट की कीमतों में लगभग 7.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई, जो मजबूत मांग का संकेत है.

न्यूज़ कॉर्नर

पहली बार महिला टी-20 विश्व कप खेलेगा नीदरलैंड, बाबेट डी लिडे होंगी कप्तान

नयी दिल्ली : नीदरलैंड ने जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले अपने पहले महिला टी-20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा कर दी है. इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में बाबेट डी लिडे टीम की कमानी करेंगी. बाबेट डी लिडे अपने परिवार की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं, उनके चाचा टिम डी लिडे और चचेरे भाई बास डी लिडे पुरुष विश्व कप में नीदरलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. कप्तान बाबेट डी लिडे ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम अपने पहले आईसीसी टी20 विश्व कप को लेकर बेहद उत्साहित हैं. यह दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने और बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार अवसर है. हम उम्मीद करते हैं कि हम अपने देश को गर्व महसूस कराएंगे और नीदरलैंड में युवा लड़कियों को प्रेरित करेंगे. उन्होंने आगे कहा, टूर्नामेंट हमारे घर के करीब इंग्लैंड में हो रहा है, इसलिए हमें बड़ी संख्या में समर्थकों का समर्थन मिलने की उम्मीद है. यह हमारे लिए ही नहीं, बल्कि हमारे परिवार और दोस्तों के लिए भी जीवनभर का अनुभव होगा. **नीदरलैंड्स टीम:** बाबेट डी लिडे (कप्तान), कैरोलिन डी लैंगे, फ्रेडरिक ओवरडाइक, हन्नाह लैंडहीयर, हीदर सीगर्स, आइरिस ज्विलिंग, इसाबेल वान डेर वोनिंग, लारा लीमहुइस, मिर्थे वान डेन राड, फीबे मोल्केनबोअर, रोबिन राइके, रोजाली लॉरेंस, सान्या खुराना, सिल्वर सीगर्स, स्टेरे केलिस.

22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप का ऐलान, 27 जुलाई से 02 अगस्त तक

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 का आधिकारिक ऐलान किया. उन्होंने कहा कि दिल्ली अब खेलों के वैश्विक मंच पर अपनी नई पहचान दर्ज कराने जा रही है. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि 27 जुलाई से 02 अगस्त तक त्यागराज स्टेडियम में आयोजित होने वाली इस प्रतिष्ठित चैम्पियनशिप में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और मलेशिया सहित 35 से अधिक कॉमनवेल्थ देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे. उन्होंने कहा कि यह चैम्पियनशिप दिल्ली की आधुनिक खेल सुविधाओं, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और विश्वस्तरीय आयोजन क्षमता को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगी. इस अवसर पर दिल्ली के खेल मंत्री आशीष सूद सहित कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस फेडरेशन और टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. मंत्री आशीष सूद ने कहा कि 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में 35 से अधिक राष्ट्रमंडल देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. यह प्रतिष्ठित आयोजन दिल्ली के विश्व-स्तरीय खेल बुनियादी ढांचे को प्रदर्शित करेगा और ओलंपिक में उत्कृष्टता हासिल करने के हमारे 'विजन 2036' को और मजबूत करेगा. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम खेलों को बढ़ावा देने और वैश्विक आयोजनों की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं.

महिला टीम की हार के साथ विश्व टेबल टेनिस में भारत का निराशाजनक अभियान समाप्त

लंदन: भारत का विश्व टेबल टेनिस टीम चैम्पियनशिप में निराशाजनक अभियान राउंड ऑफ 32 में अमेरिका के हाथों महिला टीम की 1-3 से हार के साथ खत्म हो गया. पुरुष टीम भी मंगलवार को राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में ऑस्ट्रिया से हार गई थी. मनिका बत्रा इस मुकाबले में छाप छोड़ने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रहीं. उन्होंने अपना एकल मैच रेचल येस्क जेसिका के खिलाफ 11-2, 11-8, 8-11, 11-4 से जीता. शुरुआती एकल मैच में यशस्विनी घोरपड़े को मोयलेंड सैली ने 0-3 (8-11, 8-11, 7-11) से हरा दिया. दीया चितले भी चीनी मूल की खिलाड़ी लिली झांग का मुकाबला नहीं कर पाईं और 0-3 (8-11, 7-11, 11-13) से हार गईं. मनिका को अपने दूसरे एकल मैच में सैली के खिलाफ 12-10, 9-11, 3-11, 11-13 की हार के साथ भारत प्रतियोगिता से बाहर हो गया.

क्रीन सिरिकिट कप में तीन सदस्यीय टीम भेजेगा आईजीयू

नयी दिल्ली: युवा गोल्फर गुंतास कौर संधू की अगुवाई में भारत की तीन सदस्यीय टीम क्रीन सिरिकिट कप के लिए 12 से 15 मई तक इंडोनेशिया में होने वाली प्रतिष्ठित एशिया-प्रशांत एमेच्योर टीम चैंपियनशिप में भाग लेगी. इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) ने बुधवार को इस टूर्नामेंट के लिए तीन सदस्यीय टीम की घोषणा की है. इस प्रतियोगिता में मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया सहित कुल 15 देश भाग लेंगे. अन्य देशों में ऑस्ट्रेलिया, चीन, चीनी ताइपे, हांगकांग, भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, म्यांमा, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं. संधू भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी. टीम की अन्य दो सदस्य हरियाणा की सीरत कांग और दिल्ली की कीया बहुगु हैं. संधू 2025 की लेडीज ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन हैं. चंडीगढ़ की यह गोल्फर 2026 में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और उन्होंने 2025-26 में इंडियन गोल्फ यूनियन के सत्र में अब तक 20 टूर्नामेंट में से छह में जीत हासिल की हैं और वह 17 बार शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही हैं.

पीसीबी ने बकाया नहीं चुकाने वाले प्रसारण और व्यावसायिक साझेदारों को कानूनी नोटिस भेजे

लाहौर: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बकाया नहीं चुकाने वाली फ्रेंचाइज़ी, प्रसारण और व्यावसायिक साझेदारों से अरबों रुपये का बकाया वसूलने के लिए कड़ा अभियान शुरू किया है. पीसीबी के एक सूत्र के अनुसार हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की विभिन्न फ्रेंचाइज़ियों, प्रसारण और व्यावसायिक साझेदारों को कानूनी नोटिस भेजे गए हैं. इन नोटिस में उनसे बकाया चुकाने के लिए कहा गया है जिससे कि उन्हें किसी भी कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़े जिसके तहत उनके संबंधित अनुबंध रद्द हो सकते हैं. सूत्र ने बताया, ''शुरुआत में पाकिस्तान सुपर लीग की कुछ बकाया नहीं चुकाने वाली फ्रेंचाइज़ी को भी नोटिस भेजे गए थे जिसमें उनसे अपनी बकाया सालाना फीस चुकाने या कार्रवाई का सामना करने के लिए कहा गया था. एक फ्रेंचाइजी ने अब अपना बकाया चुका दिया है लेकिन बोर्ड से यह भी कहा है कि 2010 से लंबित फ्रेंचाइजी के लिए केंद्रीय पूल से बकाया उनका हिस्सा भी चुका दे.'' सूत्र ने बताया कि एक फ्रेंचाइजी ने शिकायत की थी कि उनकी सालाना फीस इसलिए अटकी हुई है क्योंकि बोर्ड ने पीएसएल के 10वें सत्र के लिए केंद्रीय पूल से उनका पूरा हिस्सा (लगभग 96 करोड़ पाकिस्तानी रुपये) अभी तक नहीं चुकाया है. इसके जवाब में बोर्ड ने उस फ्रेंचाइजी को साफ-साफ कह दिया कि जब तक अनुबंध करने वाले पक्ष अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करेंगे तब तक बोर्ड बकाया कैसे चुका सकता है. सूत्र ने बताया कि बोर्ड पर अब भी पीएसएल के 2025 के केंद्रीय पूल से कुछ फ्रेंचाइजी का 40 से 45 करोड़ रुपये बकाया है. सूत्र ने यह भी बताया कि बोर्ड का सबसे बड़ा बकायेदार एक ऐसी कंपनी है जिसने पीसीबी से ना केवल पीएसएल के लिए बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों के लिए भी प्रसारण, अन्य मीडिया और व्यावसायिक अधिकार हासिल किए थे. उस कंपनी ने हालांकि घोषणा की है कि उसे भारी नुकसान हुआ है और उस पर अब भी लगभग 4.5 अरब पाकिस्तानी रुपये बकाया है जिसे उसने अभी तक नहीं चुकाया है.

अहमदाबाद करेगा आईपीएल फाइनल की मेजबानी

धर्मशाला और न्यू चंडीगढ़ में होंगे प्लेऑफ मैच

नयी दिल्ली: बेंगलुरु के बजाय अहमदाबाद लगातार दूसरे सत्र में 31 मई को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल की मेजबानी करेगा, जबकि क्वालीफायर एक धर्मशाला और दो अन्य प्लेऑफ मैच न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को यह घोषणा की. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मौजूदा चैंपियन होने के कारण परंपरा के अनुसार फाइनल बेंगलुरु में खेला जाना था. पिछले साल के अलावा अहमदाबाद ने इससे पहले 2022 और 2023 में आईपीएल फाइनल की मेजबानी की थी. बीसीसीआई ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''आईपीएल फाइनल की मेजबानी के लिए मूल रूप से बेंगलुरु को चुना गया था. लेकिन स्थानीय संघ और अधिकारियों की कुछ ऐसी मांगों के कारण जो बीसीसीआई के स्थापित दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं, आयोजन स्थल को स्थानांतरित कर दिया गया है.'' बोर्ड ने हालांकि कर्नाटक की राजधानी में फाइनल आयोजित करने के लिए की जा रही मांगों का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया है. बोर्ड ने यह भी कहा कि ''संचालन और

प्लेऑफ़ का कार्यक्रम इस प्रकार है

क्वालीफायर एक	: 26 मई - एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला
एलिमिनेटर	: 27 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़
क्वालीफायर दो	: 29 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़
फाइनल	: 31 मई - नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद.

लॉजिस्टिकल से जुड़े मसलों के कारण इस वर्ष प्लेऑफ चरण के मैच तीन स्थानों पर खेले जाएंगे.'' बीसीसीआई ने कहा, ''क्वालीफायर एक 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा. इस मैच में अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें भाग लेंगी. इस मैच के विजेता को फाइनल में सीधा प्रवेश मिलेगा.'' इसमें कहा गया है, ''इसके बाद मुकाबले न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होंगे, जहां तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच 27 मई को एलिमिनेटर मैच खेला जाएगा. इसी स्टेडियम में 29 मई को क्वालीफायर दो भी खेला जाएगा.'' धर्मशाला में पहली बार आईपीएल प्लेऑफ का कोई मैच खेला जाएगा. एलिमिनेटर में जीत दर्ज करने वाली टीम क्वालीफायर दो में क्वालीफायर एक में हारने वाली टीम का सामना करेगी. इस मैच की विजेता टीम फाइनल में पहुंचेगी. बीसीसीआई ने कहा, ''आईपीएल के मौजूदा सत्र का समापन 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ग्रैंड फाइनल के साथ होगा, जो दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है.'' बीसीसीआई के सूत्रों ने बताया कि अहमदाबाद स्टेडियम को उसकी अधिक दर्शकों की क्षमता के कारण प्राथमिकता दी गई क्योंकि फाइनल के लिए अधिक संख्या में दर्शकों के आने की संभावना है. यह भी पता चला है कि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की अपेक्षाकृत कम क्षमता को देखते हुए बोर्ड कर्नाटक सरकार के उस फैसले से सहमत नहीं है जिसमें राज्य के विधायकों, एमएलसी और सांसदों के लिए इस सत्र में आईपीएल के तीन-तीन मुफ्त टिकटों का कोटा निर्धारित किया गया है. एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की क्षमता लगभग 35,000 दर्शकों की है. पिछले साल आरसीबी के विजय समारोह के दौरान हुई भगदड़ में यहां 11 लोगों की जान चली गई थी.

आईपीएल के प्लेऑफ और फाइनल की मेजबानी न मिलने से केएससीए निराश

बेंगलुरु: इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ और फाइनल मुकाबलों की मेजबानी से वंचित रहने पर कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने गहरी निराशा व्यक्त की है. साथ ही, भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के स्थल चयन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं. केएससीए ने बुधवार को जारी अपने विस्तृत बयान में कहा कि उसने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्लेऑफ मैचों की मेजबानी के लिए अपनी तैयारी, इच्छा और गहरी रुचि औपचारिक रूप से बीसीसीआई को बताई थी. संघ के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने इस संबंध में व्यक्तिगत रूप से भी बोर्ड से बातचीत की थी. बयान में कहा गया कि आईपीएल प्लेऑफ मैच अन्य केंद्रों को आवंटित किए जाने से केएससीए निराश है. संघ ने यह भी रेखांकित किया कि इस सीजन बेंगलुरु में आयोजित पांच लीग मुकाबले सफलतापूर्वक संपन्न हुए, जिनकी संचालन व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और दर्शकों के अनुभव की व्यापक सराहना हुई. गौरतलब है कि बीसीसीआई ने इस बार प्लेऑफ मुकाबले धर्मशाला और मुल्लांपुर में आयोजित करने का फैसला लिया है, जबकि फाइनल अहमदाबाद में होगा. पिछले पांच संस्करणों में यह चौथी बार है, जब फाइनल अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा. परंपरा के अनुसार इस बार फाइनल बेंगलुरु में होने की उम्मीद थी, खासकर क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु मौजूदा चैंपियन है. बीसीसीआई ने अपने फैसले का कारण बताते हुए कहा था कि कुछ परिचालन और लॉजिस्टिक कारणों के चलते इस बार प्लेऑफ तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जा रहे हैं. साथ ही यह भी कहा गया कि स्थानीय संघ और प्रशासन की कुछ आवश्यकताएं बोर्ड के तय दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं थीं. हालांकि, केएससीए ने स्पष्ट किया कि उसका बोर्ड को भेजा गया संचार पूरी तरह तथ्यात्मक और संचालन संबंधी था, जिसका उद्देश्य केवल पारदर्शिता और स्पष्टता बनाए रखना था. संघ ने यह भी बताया कि बेंगलुरु में आईपीएल 2008 से ही एक समान संचालन व्यवस्था लागू रही है, जिसे इस सीजन भी अपनाया गया. बयान में आगे कहा गया, हमारी पूरी तैयारी और इच्छा के बावजूद बीसीसीआई ने अन्य स्थानों को चुना है. हालांकि इसके पीछे के कारण हमें औपचारिक रूप से नहीं बताए गए हैं, लेकिन हम बोर्ड के निर्णय और अधिकार का सम्मान करते हैं.

पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेलों पर रोक जारी रहेगी, कई देशों की प्रतियोगिताओं को छूट : मंत्रालय

नयी दिल्ली: खेल मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंधों पर पिछले साल पूरी तरह से लगाई गई रोक जारी रहेगी लेकिन सीमा पार से आने वाले खिलाड़ियों को कई देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए यहां आने से नहीं रोका जाएगा. मंत्रालय ने खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और अंतरराष्ट्रीय खेल संचालन संस्थाओं के पदाधिकारियों के लिए वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई जिससे कि भारत को एक 'पसंदीदा खेल स्थल' के रूप में स्थापित किया जा सके. मंत्रालय ने सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ), भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) सहित अन्य संस्थाओं को जारी एक सर्कुलर में कहा, ''जहां तक एक-दूसरे के देश में द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं का संबंध है तो भारतीय टीमें पाकिस्तान में होने वाली प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लेंगी. ना ही हम पाकिस्तानी टीमों को भारत में खेलने की अनुमति देंगे.'' इसमें कहा गया, ''अंतरराष्ट्रीय और बहु राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के संबंध में, चाहे वे भारत में हों या विदेश में, हम अंतरराष्ट्रीय खेल संचालन संस्थाओं की कार्यप्रणाली और अपने स्वयं के खिलाड़ियों के हितों से निर्देशित होते हैं.'' इसके अनुसार, ''इसे देखते हुए भारतीय टीमें और व्यक्तिगत खिलाड़ी उन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे जिनमें पाकिस्तान की टीमें या खिलाड़ी भी शामिल होते हैं. इसी तरह पाकिस्तानी खिलाड़ी और टीमें भारत द्वारा आयोजित ऐसी बहुपक्षीय प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगी.'' इस नीति की घोषणा सबसे पहले पिछले साल अगस्त में की गई थी. यह घोषणा तब हुई जब यूएई में हुए क्रिकेट के एशिया कप में भारत के भाग लेने को लेकर काफी हंगामा मचा था. इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान भी खेल रहा था और इसका आयोजन पहलगाम आतंकी हमले के कुछ ही महीनों बाद हुआ था जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी. उस समय मंत्रालय ने कहा था कि वह बहुपक्षीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में तब तक कोई रुकावट नहीं डालेगा जब तक कि मेजबान देश पाकिस्तान ना हो. यह नीति साफ करती है कि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का इच्छुक भारत ओलंपिक चार्टर और उसकी समावेशिता की भावना का पालन करेगा जिससे कि वह वैश्विक प्रतियोगिताओं के एक मिलनसार मेजबान के रूप में खुद को प्रस्तुत कर सके.

एलएसजी के खिलाफ बल्लेबाजी में लय वापस पाने की कोशिश करेगी आरसीबी

लखनऊ : पिछले मैच में बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तालिका में शीर्ष पर जगह मनाने का मौका गंवाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुरुवार को यहां सबसे निचले पायदान पर काबिज लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ बल्लेबाजी में अपनी लय फिर से हासिल करके प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को मजबूत करने की कोशिश करेगी. आरसीबी फिलहाल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है, लेकिन उसके चार अन्य टीमों के समान 12 अंक हैं. उसकी टीम को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स से चार विकेट से मिली हार को भूलकर जल्द से जल्द वापसी करनी होगी. गुजरात के खिलाफ उस मैच में आरसीबी की बल्लेबाजी नाटकीय रूप से धराशायी हो गई थी. एक समय उसका स्कोर दो विकेट पर 79 रन था जो जल्द ही छह विकेट पर 96 रन हो गया और आखिर में उसकी टीम 155 रन पर आउट हो गई. आरसीबी के बल्लेबाज भले ही इस मैच में लड़खड़ा गए थे लेकिन वह दमदार वापसी करने में सक्षम हैं. उसके बल्लेबाजों ने अब तक आक्रामक खेल दिखाया है और लखनऊ के खिलाफ भी वह इसे जारी रखने में कोई

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा

कसर नहीं छोड़ेंगे. आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए 379 रन बनाए हैं, वहीं देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है. नियमित सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट के उंगली में चोट के कारण बाहर होने से कोहली के साथ विस्फोटक शुरुआत देने की जिम्मेदारी जैकब बेथेल पर होगी. आरसीबी की टीम को एक सप्ताह के विश्राम का मौका मिला है और उसकी टीम इस मैच में अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में अधिक तरोताजा होकर उतरेगी. जहां तक एलएसजी का सवाल है तो उसका प्रदर्शन अभी तक निराशाजनक रहा है. वह पिछले छह मैचों में हार झेलने के कारण अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है. इस बीच उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ टाई रहे मैच में सुपर ओवर में भी हार का सामना करना पड़ा था. उसे पिछले मैच में मुंबई इंडियंस ने छह विकेट से करारी शिकस्त दी थी. एलएसजी का अभियान लगातार खराब प्रदर्शन, रणनीतिक अस्थिरता और मैचों का सकारात्मक अंत नहीं कर पाने के कारण कारण बिखर गया है. मिचेल मार्श, कप्तान ऋषभ पंत, एडन मार्क्रम और निकोलस पूरन जैसे प्रमुख बल्लेबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं. इसके अलावा बल्लेबाजी क्रम में बार-बार फेरबदल ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं. पंत के सीमित ओवरों की क्रिकेट में प्रदर्शन को लेकर सवाल उठ रहे हैं. ऐसे में एलएसजी के बल्लेबाजों के लिए अनुभवी भुवनेश्वर कुमार और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड की अगुवाई वाले आरसीबी के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना आसान नहीं होगा. भुवनेश्वर और हेजलवुड की जोड़ी बेहद प्रभावी साबित हुई है. उनके शानदार प्रदर्शन से आरसीबी ने 27 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स को मात्र 75 रन पर ढेर कर दिया था. तेज गेंदबाज भुवनेश्वर विकेट लेने में किसी तरह की कोताही नहीं बरत रहे हैं जबकि हेज़लवुड ने लगातार प्रभावशाली गेंदबाजी की है. क्रुणाल पंड्या ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए नौ विकेट लिए हैं. पिछले मैच में सुयश शर्मा और रोमारियो शेफर्ड ने भी अच्छा प्रदर्शन किया. एलएसजी के लिए प्रिंस यादव और मोहसिन खान ने क्रमशः 13 और 10 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया है. मोहम्मद शमी ने सत्र की दमदार शुरुआत की थी, लेकिन पिछले कुछ मैचों में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्होंने जमकर रन लुटाए हैं. आरसीबी ने पहले चरण में एलएसजी को पांच विकेट से हराया था और उसकी टीम काफी आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी.

शंघाई विश्व कप: कंपाउंड टीम की करारी हार, व्यक्तिगत स्पर्धा में अगले दौर में जगह बनाई

शंघाई: पदक की प्रबल दावेदार मानी जा रही भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड टीम ने बुधवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में निराशाजनक प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण मौकों पर लड़खड़ाने के कारण पोडियम पर जगह बनाने में असफल रहीं. सबसे बड़ा झटका महिला टीम को लगा जिसने पिछले महीने मैक्सिको में सत्र के पहले विश्व कप में भारत के लिए एकमात्र स्वर्ण पदक जीता था. ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रगति और अदिति स्वामी की तिकड़ी क्वार्टर फाइनल में तुर्की से 227-233 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई. भारतीय टीम हज़ल बुरुन, डेफने चकमाक और एमिने राबिया ओगुज़ की निरंतरता का मुकाबला करने में विफल रही. ओजस देवताले, साहिल जाधव और कुशल दलाल की पुरुष टीम ने सेमीफाइनल में पहुंचकर उम्मीदें जगाईं, लेकिन अंतिम चार में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए. इसके बाद कांस्य पदक के मैच में भारत को चीन से शूट-ऑफ में हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले इन दोनों टीम का स्कोर 234-234 से बराबर था. यहां तक कि शूट-ऑफ भी दोनों टीमों के तीन-तीन सटीक तीरों के साथ बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन चीन के दो तीर केंद्र (एक्स) के करीब थे, जबकि भारत का केवल एक तीर ही केंद्र के करीब था. इस तरह से चीन ने जीत हासिल की. मैच में एक समय भारत एक अंक (118-117) से आगे था, लेकिन शी जिंग्यू, लियू जिन्यू और क्यूई जियांगशुओ ने तीसरे चरण में वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया. सेमीफाइनल में भी तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम को पहले तीन चरण तक बढ़त बनाए रखने के बावजूद जेम्स लुटूज़, लुई प्राइस और गैयस की सातवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी टीम से 234-235 से हार का सामना करना पड़ा. ओजस देवताले और अदिति स्वामी की मिश्रित टीम जोड़ी अब टीम स्पर्धाओं में भारत की एकमात्र उम्मीद बची है. भारत को हालांकि व्यक्तिगत वर्ग में कुछ राहत मिली क्योंकि सभी भारतीय कंपाउंड तीरंदाज अगले दौर में पहुंच गए. पुरुष वर्ग में अभिषेक वर्मा, साहिल जाधव, कुशल दलाल और ओजस देवताले ने अपने-अपने मैच जीतकर अगले राउंड में जगह बनाई. वर्मा का अगला मुकाबला जाधव से होगा. महिला वर्ग में 33वीं वरीयता प्राप्त मधुरा ने चीन की वांग यू को 148-147 से हराया. अगले मुकाबले में उन्हें अमेरिका की शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेक्सिस रुइज़ की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा. एक अन्य मैच में ज्योति ने 150 का परफेक्ट स्कोर बनाकर कजाकिस्तान की डायना युनुसोवा को हराया जबकि पूर्व विश्व चैंपियन अदिति ने ग्रेट ब्रिटेन की इसाबेल कारपेंटर पर जीत हासिल की. प्रगति ने सिंगापुर की ओंग मैडलीन जू ली को 143-142 से हराया.

रोहित, हार्दिक समेत मुंबई की पूरी टीम पहुंची रायपुर

रायपुर: राजधानी रायपुर में होने वाले आईपीएल मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. इसी बीच 10 मई को होने वाले मैच के लिए आज मुंबई इंडियंस की टीम रायपुर पहुंच गई है. रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, सूर्या कुमार यादव समेत टीम के सभी खिलाड़ी एयरपोर्ट से होटल के लिए रवाना हो गए है, इस दौरान क्रिकेट फैंस खिलाड़ियों को देखने उमड़ पड़ी. आपको बता दें इस सीजन रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल 2026 के दो मुकाबले खेले जाएंगे. पहला मैच 10 मई को रॉयल चैलेंजर बैंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच होगा. इसके बाद 13 मई को बैंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा.

आठवीं वरीय आकांक्षा बाहर, अन्य वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी जीते

तुमकुरु: भारत की महिला एकल खिलाड़ियों के लिए बुधवार को यहां आईटीएफ डब्ल्यू15 तुमकुरु ओपन में दूसरा दिन अच्छा रहा लेकिन आठवीं वरीय आकांक्षा दिलीप निटुरे को निराशानजक हार का सामना करना पड़ा. आकांक्षा को राउंड ऑफ 32 के एकतरफा मैच में एरिना आरिफुलिना ने 6-1, 6-1 से हरा दिया. तीसरी वरीय वैदेही चौधरी ने सोहा सादिक को 6-3, 6-4 से हराया जबकि चौथी वरीय जील देसाई ने दिन का सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए जीतेश कुमारी के खिलाफ 6-0, 6-0 की एकतरफा जीत दर्ज की. लिथुआनिया की शीर्ष वरीय जस्टिना मिकुलस्काइट और पोलैंड की दूसरी वरीय जुजाना पावलिकोवस्का ने अपने-अपने भारतीय प्रतिद्वंद्वियों को सीधे सेट में हरा दिया. छठी वरीय एकातेरिना याशिना भी आसानी से अगले दौर में पहुंच गईं. उन्होंने बेला तम्हणकर को 6-2, 6-2 से हराया. लक्ष्मीसिरी दंडू ने जबरदस्त वापसी करते हुए हमवतन भारतीय प्रत्युषा रचपुडी को 1-6, 7-5, 6-3 से शिकस्त दी. काशिश भाटिया ने वाइल्ड कार्ड धारक अमोदिनी नाइक को 6-1, 6-1 से आसानी से हरा दिया. मिश्रित युगल प्री क्वार्टर फाइनल में सोहा सादिक और मधुरिमा सावंत की जोड़ी ने पूजा इंगले और प्रत्युषा रचपुडी के खिलाफ 6-3, 6-2 से जीत दर्ज की. श्रीमान्या रेड्डी अनुगोंडा और साहिरा सिंह ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी की और लक्ष्मीसिरी डांडू तथा चेविका रेड्डी सामा के खिलाफ 3-6, 6-3, 10-6 से जीत हासिल की.

गगन नारंग और अन्नू राज सिंह के 'प्रोजेक्ट अमरजीत' में देशभर के निशानेबाजों को मिलेगा मुफ्त प्रशिक्षण

नयी दिल्ली: ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और चार बार के ओलंपियन गगन नारंग ने अपनी पत्नी और ओलंपियन अन्नू राज सिंह के साथ मिलकर 'प्रोजेक्ट अमरजीत' की शुरुआत की है. यह पहल देश के हर निशानेबाज, कोच और अकादमी के लिए मुफ्त कोचिंग, मेंटरिंग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगी. इस पहल की शुरुआत 6 मई को गगन नारंग के जन्मदिन के अवसर पर की गई, जिसे उन्होंने अपने जीवन का सबसे खास दिन बताया. 'प्रोजेक्ट अमरजीत' का नाम गगन नारंग की माता अमरजीत के नाम पर रखा गया है, जिसका अर्थ है जिसकी जीत कभी समाप्त न हो. गगन नारंग ने कहा कि यह पहल केवल उनकी मां को समर्पित नहीं है, बल्कि उन सभी माताओं के लिए है जो अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाती हैं. उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह पहल उन सभी माताओं को समर्पित है, जो अपने बच्चों के लिए हर संभव प्रयास करती हैं. प्रोजेक्ट अमरजीत के माध्यम से हम खेल के जरिए समाज को कुछ वापस देना चाहते हैं. इस पहल के तहत तीन प्रमुख कार्यक्रम चलाए जाएंगे-उड़ान, प्रतिभा और दिशा. 'उड़ान' कार्यक्रम के अंतर्गत 3 से 5 दिन का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें गगन नारंग और अन्नू राज सिंह खुद प्रतिभागियों के पास जाकर प्रशिक्षण देंगे. 'प्रतिभा' कार्यक्रम प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के

लिए दीर्घकालिक व्यक्तिगत मेंटरिंग पर आधारित होगा. 'दिशा' कार्यक्रम कोच, अकादमियों और अभिभावकों को मार्गदर्शन प्रदान करेगा. ये सभी कार्यक्रम ग्रासरूट, इंटरमीडिएट और एलीट स्तर पर उपलब्ध होंगे और देश के किसी भी हिस्से से जुड़े लोग इसमें भाग ले सकेंगे. आवेदन की समीक्षा स्वयं गगन नारंग और अन्नू राज सिंह करेंगे. अन्नू राज सिंह ने कहा, मैंने अपने करियर की कई कठिनाइयों का सामना खुद किया है. मैं चाहती हूं कि आने वाले खिलाड़ियों को वह संघर्ष न करना पड़े. इसी सोच के साथ इस पहल की शुरुआत की गई है. इस परियोजना के संचालन के लिए 'साथी', 'सहयोग' और 'समर्पण' मॉडल अपनाया गया है, जिसके तहत विशेषज्ञ, संस्थान और आम लोग योगदान दे सकेंगे. सभी आर्थिक सहयोग 'गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन' के माध्यम से लिया जाएगा, जो एक पंजीकृत गैर-सरकारी संगठन है और दानदाताओं को आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत छूट भी प्रदान की जाएगी. जहां आवेदकों के पास अपनी शूटिंग रेंज होगी, वहां यह कार्यक्रम सीधे पहुंचेगा, और जहां सुविधा नहीं होगी, वहां 'रेंज पार्टनर' नेटवर्क के माध्यम से व्यवस्था की जाएगी. 'गन फॉर ग्लोरी' अकादमी इस पहल की प्रमुख साझेदार है. इसके अलावा, इस परियोजना के तहत खिलाड़ियों को वित्तीय साक्षरता, पोषण, खेल विज्ञान, डोपिंग विरोधी शिक्षा, मानसिक मजबूती और फिटनेस जैसे विषयों पर ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रशिक्षण भी दिया जाएगा. 'प्रोजेक्ट अमरजीत' का उद्देश्य देशभर के निशानेबाजों को बेहतर अवसर प्रदान करना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है.

न्यूज कॉर्नर

सरकार की कर्मचारियों को हिदायत, 22 मई तक दाखिल करें संपत्ति विवरण

चंडीगढ़: हरियाणा सरकार ने राज्य के सभी सरकारी कर्मचारियों को वर्ष 2025-2026 के लिए अपना वार्षिक संपत्ति विवरण (एनुअल प्रॉपर्टी रिटर्न) 22 मई, 2026 से पहले दाखिल करने के निर्देश दिए हैं. मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार हरियाणा सिविल सेवाएं (सरकारी कर्मचारी आचरण) नियम, 2016 के नियम 24 के तहत प्रत्येक सरकारी कर्मचारी के लिए प्रत्येक वित्त वर्ष के अंत में वार्षिक संपत्ति विवरण दाखिल करना अनिवार्य है.इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि यदि उन्होंने पूर्व वर्षों का विवरण अभी तक दाखिल नहीं किया गया है तो उसे भी निर्धारित समय सीमा तक सरकार के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन भरना सुनिश्चित करें.

रोहतक में युवक की तेजधार हथियार से काटकर हत्या

चंडीगढ़: हरियाणा के रोहतक में बुधवार सुबह अनाज मंडी के पीछे एक युवक की तेजधार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई. युवक के पेट से अंतड़ियां तक निकाली हुईं थी. शव के पास शराब की बोतल व नमकील के पैकेट मिले हैं. पुलिस जांच में मृतक की पहचान आर्य नगर में ढाबा चलाने वाले मोहित (25) के तौर पर हुई है. मोहित के चचेरे भाई गौरव ने बताया कि उसकी किला रोड पर दुकान है. मोहित आर्य नगर में अपने छोटे भाई सचिन के साथ खत्री ढाबा चलाता था. मोहित और सचिन अभी अविवाहित हैं. इनके माता-पिता नहीं हैं. दोनों भाइयों ने आर्य नगर में ही किराए पर कमरा लिया हुआ. मोहित शराब पीने का आदी था.गौरव ने कहा कि मंगलवार रात को वह अपनी दुकान पर बैठा हुआ था. इसी दौरान गीता मार्केट की तरफ से मोहित आता हुआ दिखाई दिया. उसने शराब पी हुई थी. मोहित ज्यादा नशे में था, इसलिए उसने रोककर उससे बात नहीं की. इसके बाद वह चला गया. मंगलवार को मोहित ढाबे पर भी नहीं गया था. पता चला है कि इसके बाद मोहित ने अनाज मंडी के पीछे ग्राउंड में जाकर शराब पी. कुछ महीने पहले मोहित का हर्षित और बिट्टू नाम के युवक के साथ झगड़ा हुआ था. इनके बीच मारपीट भी हुई. इसके बाद से हर्षित और बिट्टू मोहित से रंजिश रखने लगे थे. इस दोनों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है.शिवाजी कॉलोनी थाना प्रभारी राकेश सैनी ने बताया कि सुबह अनाज मंडी के पीछे एक शव पड़ा होने की सूचना मिली थी. इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में ले लिया. मौके से शराब की बोतल और नमकीन के पैकेट बरामद हुए थे.

ईंट भट्ठे पर खेल रहा तीन वर्षीय मासूम पानी के कुंड में डूबा, दर्दनाक मौत

हांसी: जिले के गांव बडाला स्थित ईंट भट्ठे पर ईंट बनाने के लिए बनाए गए पानी के कुंड में गिरने से तीन वर्षीय मासूम की मौत हो गई. मृतक की बच्चे की पहचान रामकुमार के रूप में हुई है. घटना की जानकारी देते हुए परिजन संजय ने बताया कि वे बिहार के जहानाबाद क्षेत्र के रहने वाले अजीत कुमार के साथ अपने परिवार के साथ बडाला गांव में ईंट बनाने के लिए आए हुए थे. बुधवार को अजीत कुमार किसी पारिवारिक शादी समारोह में शामिल होने के लिए अपने गांव गए हुए थे. इसी दौरान उनका तीन वर्षीय बेटा रामकुमार पास ही खेल रहा था और खेलते-खेलते ईंटों के लिए बनाए गए गहरे पानी के कुंड में जा गिरा. काफी देर तक बच्चे के नजर न आने पर परिजनों ने तलाश शुरू की तो वह पानी के कुंड में मिला जिसके बाद उसे कुंड से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. बच्चे की अचानक पानी के कुंड में गिर कर मौत होने पर परिवार में मातम पसरा हुआ है. मृतक के परिवार में मां गुड़िया देवी व चार वर्षीय बेटी शामिल हैं. घटना के बाद मौके पर डायल 112 पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया. सूचना मिलने पर बास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है.

बस की टक्कर से बोलेरो एंबुलेंस से भिड़ंत में आठ घायल

जयपुर: हरमाड़ा थाना इलाके में बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया. सीकर रोड स्थित हरमाड़ा घाटी में तेज रफ्तार बस ने बोलेरो गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी. टक्कर के बाद बोलेरो अनियंत्रित होकर डिवाइडर कूदते हुए दूसरी लेन में चली गई और सामने से आ रही एंबुलेंस से जा भिड़ी. हादसे में एंबुलेंस में सवार मरीज समेत करीब 8 लोग घायल हो गए. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया.थानाधिकारी उदय सिंह यादव ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो और एंबुलेंस दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. वाहनों में फंसे घायलों को कड़ी मशक्कत से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया. वहीं हादसे में घायल लोगों में से कुछ को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि 3 से 4 गंभीर घायलों का उपचार अस्पताल में जारी है. इस हादसे के कारण सीकर रोड पर लंबा जाम लग गया. पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारू करवाया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार बस ने आगे चल रही बोलेरो को जोरदार टक्कर मारी, जिससे यह हादसा हुआ. घटना के बाद बस चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया. पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार बस चालक की तलाश शुरू कर दी है.

देश की मुख्यधारा से जुड़ें मुसलमान, राष्ट्रहित में निभाएं भागीदारी: मुनवरी बेगम

अजमेर: राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की नवनियुक्त सदस्या मुनवरी बेगम ने ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर जियारत कर देश के मुसलमानों से राष्ट्रहित में मुख्यधारा से जुड़ने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि इस्लाम में वतनपरस्ती को सच्चे ईमान की निशानी माना गया है और सभी को देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए. मुनवरी बेगम ने दरगाह पर मखमली चादर और अकीदत के फूल पेश कर देश में अमन-चैन की दुआ मांगी तथा अपने नए दायित्व को बेहतर ढंग से निभाने की प्रार्थना की. उन्होंने कहा कि उन्हें जो नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसमें वे समाज और विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के हित में कार्य करने का प्रयास करेंगी. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है. स्किल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं से जुड़कर न केवल व्यक्ति स्वयं सशक्त हो सकता है, बल्कि राष्ट्रहित में भी योगदान दे सकता है.इस अवसर पर दरगाह पहुंचने पर गद्दीनशीन सैयद अफशांन चिश्ती के नेतृत्व में खुद्दाम सैयदजादगान ने शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया. अंजुमन की ओर से सैयद शामिख चिश्ती ने इस्तकबाल किया. अजमेर आगमन पर विभिन्न स्थानों पर उनका स्वागत किया गया. सर्किट हाउस में भाजपा शहर जिला अध्यक्ष रमेश सोनी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों ने अभिनंदन किया. इसके अतिरिक्त दिल्ली गेट पर अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भी उनका स्वागत किया. मुनवरी बेगम ने तारागढ़ दरगाह पर भी जियारत की, जहां दरगाह कमेटी द्वारा उनका स्वागत किया गया. इस दौरान भाजपा नेता सैयद अफशान चिश्ती, एहतेशाम अहमद, शादाब खान, नुज्त परवीन सहित अन्य लोग मौजूद रहे.

27 सूत्रीय मांगों को लेकर बिजली कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

जयपुर: प्रदेशभर में विद्युत कंपनियों के अधीक्षण अभियंताओं के माध्यम से बुधवार को राजस्थान विद्युत श्रमिक महासंघ बीएमएस ने ऊर्जा सचिव आरती डोगरा को 27 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा. जयपुर में अधीक्षण अभियंता जेसीसी, जेपीडीसी एवं विद्युत प्रसारण जयपुर सिटी के माध्यम से प्रदर्शन रैली निकालकर मांगपत्र सौंपा गया. संघ के पदाधिकारी यतेंद्र कुमार ने बताया कि लंबे समय से लंबित प्रमुख मांगों के समाधान के लिए यह कदम उठाया गया है. उन्होंने कहा कि विद्युत क्षेत्र में फ्रेंचाइजी क्लस्टर एवं खछतळढमॉडल के नाम पर हो रहे निजीकरण को बंद किया जाए. इसके साथ ही वर्ष 2023 से लागू पुरानी पेंशन योजना के तहत कर्मचारियों से ईपीएस-95 (एझक्रज) में भेजी गई राशि की वसूली नहीं की जाए तथा जमा राशि वापस की जाए. महासंघ ने आईटीआई तकनीकी कर्मचारियों को 3, 12, 21 और 30 वर्ष पर फिक्स टर्म योजना का नगद लाभ नियुक्ति तिथि के अनुसार चयन ग्रेड की तर्ज पर देने, विद्युत विभाग में नई भर्तियां करने तथा 132 एवं 33 केवी ग्रिड सब स्टेशनों पर इंजीनियरिंग सुपरवाइजर के पद सृजित करने की मांग भी उठाई. इसके अलावा राज्य सरकार के कर्मचारियों की तरह आरजीएचएस योजना का पूर्ण लाभ लागू करने की भी मांग की गई.संघ ने चेतावनी दी कि मांगों के निस्तारण के लिए शीघ्र उच्च स्तरीय बैठक बुलाई जाए. यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो 20 मई 2026 को डिस्कॉम मुख्यालय और 10 जून 2026 को विद्युत भवन, जयपुर में विशाल रैली, धरना-प्रदर्शन व आंदोलन किया जाएगा.

अनाज भंडारण के लिए शाहबाद-अंबाला के बीच बनेगा गेहूं साइलो : नायब सैनी

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अनाज को खराब होने से बचाने के लिए जरूरी है कि प्रदेश में पर्याप्त संख्या में वेयरहाउस व साइलो उपलब्ध हों. इसके लिए संबंधित विभाग विस्तृत कार्ययोजना बनाकर जल्द से जल्द अनाज भंडारण की समस्या का स्थाई समाधान निकालें. उन्होंने निर्देश दिए कि अनाज भंडारण के लिए शाहबाद व अंबाला के बीच साइलो बनाने की योजना तैयार की जाए. नायब सिंह सैनी बुधवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ प्रदेश में अनाज भंडारण तथा पलवल व नूंह क्षेत्रों में जलापूर्ति के प्रबंधों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे. बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारीगण उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए पर्याप्त संख्या में वेयरहाउस भी होने आवश्यक हैं. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शाहबाद व अंबाला के बीच किसी ऐसे स्थान पर साइलो की योजना बनाई जाए जो रेलवे लाईन व सडक़ मार्ग के बीच हो. साइलो के लिए 100 एकड़ तक जमीन अधिगृहीत कर ली जाए. उन्होंने अधिकारियों को जमीन अधिगृहण व साइलो निर्माण की योजना तैयार करने का कार्य एक माह में पूरा करने के निर्देश दिए.

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के मद्देनजर वहां सब्जियों व फलों की काफी अधिक मांग है. इसके लिए मुख्यमंत्री ने वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन को हिसार एयरपोर्ट के समीप भी एक साइलो अथवा बड़े वेयरहाउस की स्थापना की कार्ययोजना तैयार करने को कहा जहां सब्जियों व फलों का सुरक्षित भंडारण किया जा सके और इन्हें हिसार एयरपोर्ट के माध्यम से मिडिल ईस्ट में सप्लाई किया जा सके. ऐसा करके प्रदेश के सब्जी व फल उत्पादक किसानों को उनके उत्पादों के अधिक दाम मिल सकेंगे.

जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पलवल व नूंह क्षेत्र के 108 गांवों तथा पुन्हाना नगर में ट्यूबवेल आधारित पेयजल आपूर्ति की जाती है. इसलिए भूमिगत जलस्तर को बनाए रखने के लिए जमीन को रिचार्ज करने हेतु विभाग द्वारा 7 रैनी वेल व बूस्टिंग स्टेशन लगाए जाएंगे. इस कार्य पर 765 करोड़ रुपये का खर्च आएगा.

रायपुर में 59 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

चुनावी माहौल में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन

भीलवाड़ा: जिले के सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र के रायपुर में बुधवार को 59 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए इसे अभूतपूर्व विकास का दौर बताया और आमजन से आगामी पंचायत व नगरीय निकाय चुनावों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया. उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में गांव से लेकर शहर तक आधारभूत ढांचे में व्यापक सुधार हुआ है. उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से पूर्ववर्ती सरकार पर विकास कार्यों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले सड़कों, स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की स्थिति कमजोर थी, जिसे वर्तमान सरकार ने सुदृढ़ किया है. उन्होंने स्पष्ट संकेत देते हुए कहा कि लोकतंत्र में सही जनप्रतिनिधि का चयन ही विकास की निरंतरता सुनिश्चित करता है.

कार्यक्रम में सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक लादूलाल पितलिया और भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जनहितकारी बताया तथा विपक्ष पर विकास कार्यों में बाधा डालने के आरोप लगाए.

इस दौरान सार्वजनिक निर्माण, जलदाय, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली और पशुपालन विभागों से जुड़े करोड़ों रुपये के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया गया. साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाबियां वितरित कर योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का संदेश दिया गया. राजनीतिक दृष्टि से यह कार्यक्रम केवल विकास कार्यों का शुभारंभ नहीं, बल्कि चुनावी माहौल में भाजपा की सक्रियता और मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने का प्रयास भी माना जा रहा है.

हरियाणा के नगर निगमों में 17 हजार फर्जी मतदाता

चंडीगढ़: हरियाणा के विधानसभा चुनाव में करीब 25 लाख वोटों के नकली अथवा फर्जी होने का आरोप लगाने के बाद कांग्रेस ने अब पंचकूला नगर निगम के चुनाव में करीब 17 हजार वोट नकली या फर्जी होने का आरोप लगाया है. कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने बुधवार को चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कान्फ्रेंस में प्रोजेक्टर पर उन मतदाताओं के नाम और पते सार्वजनिक किए, जिनके वोट नकली, डबल या फर्जी हैं. कई ऐसे मतदाताओं के नाम भी सार्वजनिक किए गए हैं, जिनके तीन-तीन वोट बने हुए हैं.

कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और पंचकूला के विधायक एवं पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन ने कथित फर्जी नाम-पते वाली मतदाता सूचियां पहले रिटर्निंग अधिकारी और फिर राज्य चुनाव आयुक्त को सौंपी. राज्य में पंचकूला, अंबाला और सोनीपत नगर निगमों समेत कई शहरी निकायों में 10 मई को चुनाव होगा और 13 मई को मतगणना की जाएगी. राज्य चुनाव आयुक्त ने कांग्रेस नेताओं द्वारा सौंपी गई मतदाता सूची की जांच कराने का भरोसा दिलाया है, लेकिन मीडिया से बात करते हुए सुरजेवाला और राव ने कहा कि हमने वैरीफाई मतदाता सूचि राज्य चुनाव आयोग को सौंपी है. इस सूची में एक ही नाम, आयु, पिता या माता का नाम के साथ एक समान पते दर्ज हैं. इसलिए मतदाता सूची के नये सिरे से जांच का विषय ही नहीं है. राज्य चुनाव आयोग को चाहिए कि वह फर्जी नाम मतदाता सूचियों से हटाकर नई संशोधित पारदर्शी मतदाता सूची जारी करे.

पुरानी रंजिश में दोस्त ने दोस्त को मौत के घाट उतारा

पानीपत: पानीपत की पूजा विहार कालोनी में बीती रात एक युवक ने अपने ही दोस्त की हत्या कर दी. दोनों दोस्तों के बीच काफी समय से मनमुटाव चल रहा था. जिसके चलते आरोपी ने एक बार पहले भी गला घोंटकर हत्या करने की कोशिश की थी. बुधवार की सुबह बेटी ने पिता को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा, तो उसने बाकी परिचितों को मौके पर बुलाया. अचेत अवस्था में उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया. जहां चेकअप के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर शव को शवगृह में रखवा दिया है. पुलिस मामले की आगामी कार्रवाई में जुट गई है. परिजनों के अनुसार, मंगलवार देर रात पूजा विहार कालोनी में आरोपी साहिल ने शिवकुमार के घर का दरवाजा खटखटाया. जैसे ही शिवकुमार ने दरवाजा खोला, बाहर खड़े साहिल ने अचानक लोहे की राड से उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया. हमला इतना जोरदार था कि शिवकुमार वहीं लहूलुहान होकर गिर पड़ा. वारदात के बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला. घटना का पता सुबह चला, जब शिवकुमार की बेटी जगी और उसने पिता को गेट पर खून से लथपथ पड़ा देखा. शोर मचाने पर परिजन इकट्ठा हुए और तुरंत घायल शिवकुमार को लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे.

आठ देशों के प्रतिनिधिमंडल ने देखा निपुण हरियाणा मॉडल

अंतरराष्ट्रीय टीम ने हरियाणा के डिजिटल इकोसिस्टम की तारीफ की

गुरुग्राम: साउथ लर्निंग सिम्पोजियम के तहत दुनिया के आठ देशों के शीर्ष शिक्षा विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा के स्कूलों का दौरा किया. दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, रवांडा, घाना, केन्या, तंजानिया, नेपाल और यूनाइटेड किंगडम के अलावा यूनेस्को, यूनिसेफ, वल्र्ड बैंक, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि शामिल रहे. इन विशेषज्ञों ने गुरुग्राम, रोहतक, झज्जर और सोनीपत के चयनित स्कूलों में जाकर यह देखा कि कैसे एक राज्य ने अपनी पूरी प्राथमिक शिक्षा प्रणाली को डिजिटल और डेटा-आधारित बना दिया है. इस दौरे का उद्देश्य निपुण हरियाणा मिशन के उस सफल मॉडल को करीब से देखना था, जिसकी चर्चा अब ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से लेकर वल्र्ड बैंक तक हो रही है.

दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय टीम ने हरियाणा के डिजिटल इकोसिस्टम की जमकर तारीफ की. विशेषज्ञों ने माना कि हरियाणा ने तकनीक का ऐसा समावेश किया है जो विकसित देशों के लिए भी प्रेरणा है. टीम ने लाइव देखा कि कैसे मेंटर कक्षा में जाकर बच्चों का स्पॉट-असेसमेंट करते हैं और डेटा तुरंत राज्य स्तरीय डैशबोर्ड पर रिफ्लेक्ट होता है. विदेशी विशेषज्ञों ने शिक्षकों के हाथ में मौजूद डिजिटल टूलकिट और लेसन प्लांस को सराहा, जो पढ़ाई को बोझिल नहीं, बल्कि मजेदार बनाते हैं. प्रतिनिधिमंडल इस बात से हैरान था कि कैसे एक ऐप के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों के अभिभावक भी

अपने बच्चे की पढ़ाई की रियल-टाइम प्रोग्रेस देख रहे हैं. प्रतिनिधिमंडल ने गुरुग्राम के सेक्टर-43, 44 (कन्हई), रोहतक के खरावड़, झज्जर के बालौर और सोनीपत के कबीरपुर जैसे स्कूलों का दौरा किया. टीचिंग-लर्निंग मैटेरियल टीम ने देखा कि कैसे लकड़ी के खिलौनों, काड्र्स और कहानियों के जरिए गणित और भाषा सिखाई जा रही है.

गुरुग्राम में निपुण मिशन के सफल संचालन का नेतृत्व कर रहे जिला कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार लाकड़ा ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि निपुण हरियाणा मिशन केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि हमारे बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक संकल्प है. हमने तकनीक और मानवीय संवेदना के बीच एक ऐसा पुल बनाया है, जहां हर बच्चे की सीखने की गति पर हमारी नजर है. आज जब अंतरराष्ट्रीय टीमें हमारे शिक्षकों के टीएलएम और डेटा डैशबोर्ड की सराहना करती है तो यह हमारे फील्ड स्टाफ की दिन-रात की मेहनत का प्रमाण है. हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि कक्षा तीसरी तक का हर बच्चा न केवल पढ़ना सीखे, बल्कि समझ के साथ पढ़ना सीखे.

हिसार के होटल में लगी आग, पांच किलोमीटर तक दिखा धुएं का गुबार

होटल की किचन में हुए शॉर्ट सर्किट से लगी आग

चौथी मंजिल तक फैल गई

दमकल की छह गाड़ियों ने पाया काबू, युवती को किया रेस्क्यू, महिला को लगी ईंट

हिसार: शहर के रेड स्कवेयर मार्केट स्थित मशहूर होटल पैराडाइज में आग लगने से लाखों के नुकसान का अंदेशा है. होटल की किचन से भड़की इस आग से होटल पूरा जलकर राख हो गया. अचानक भड़की आग होटल की चौथी मंजिल तक पहुंच गई, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया. आग इतनी तेज थी कि होटल में लगे एसी फटने लगे.

इसके अलावा होटल की पार्किंग में खड़े वाहन आग की चपेट में आ गए. आसपास खड़े लोगों ने वहां खड़ी गाड़ियों को हटाया. आग की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. होटल से सटी बिल्डिंग में एक युवती भी फंस गई, जिसे स्थानीय लोगों ने सड़क पर कंबल लगाकर दूसरी मंजिल से जंप

करवाकर बचाया. होटल की बिल्डिंग से गिरी ईंट महिला के सिर में लग गई. इससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. पॉश क्षेत्र रेड स्कवेयर मार्केट में स्थित यह होटल डिजायर रामपुरा मोहल्ला निवासी शुभम का बताया जा रहा है. इसमें 15 कमरे हैं. होटल में आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया. घबराहट में लोग इधर उधर दौड़ने लगे. यहां कई कंपनियों के शोरूम, होटल और कॉमर्शियल बिल्डिंग है.बताया जा रहा है कि बुधवार दोपहर बाद होटल की किचन में हुई शॉर्ट सर्किट से यह आग भड़की. उस वक्त वहां मौजूद पांच कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके. इसके बाद उन्होंने शोर मचाते हुए भाग कर जान बचाई. आग तेजी से फैलती देख वहां मौजूद ग्राहक भी बाहर की तरफ भागने लगे. गनीमत रही कि जब तक आग भीषण रूप धारण करती, होटल स्टाफ और ग्राहक बाहर आ चुके थे. इसके बाद तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया. इस दौरान होटल के बाहर पार्किंग में खड़े कुछ वाहन भी आग की चपेट में आ गए. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस बिल्डिंग में डीएसए बैंक का ऑफिस भी बना है. घटना के समय एक लड़की ऑफिस में काम कर रही थी. आग लगने के बाद युवती को कॉल किया गया, मगर कॉल वेटिंग में जा रही थी. कुछ देर बाद युवती ने कॉल पिक किया. उस समय युवती काफी घबराई हुई थी. ऑफिस की सीढ़ियों तक भी आग फैल चुकी थी. इसके बाद उसे दूसरी मंजिल से कूदने के लिए कहा. नीचे खड़े लोग एक अन्य होटल से कुछ कंबल लेकर आए, जिस पर युवती को जंप करवाकर रेस्क्यू किया.

घरेलू विवाद में विवाहिता की हत्या, पति-सास-ससुर पर केस दर्ज

कैथल: कैथल के अर्जुन नगर क्षेत्र में घरेलू विवाद के चलते एक 32 वर्षीय विवाहिता की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. गंभीर रूप से घायल महिला ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. मृतका के पति, सास और ससुर पर मारपीट करने का आरोप लगा है. पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मृतका के भाई नरवाना निवासी अमन ने बताया कि उसकी बहन कविता की शादी करीब 10 साल पहले अर्जुन नगर निवासी सोनू के साथ हुई थी. शादी के शुरुआती समय में सब ठीक रहा, लेकिन बाद में ससुराल पक्ष द्वारा उसे परेशान किया जाने लगा. आरोप है कि पति उस पर बेवजह शक करता था और अक्सर मारपीट करता था. परिजनों के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले पति ने अपने माता-पिता के साथ मिलकर कविता की बुरी तरह पिटाई की. उसे डंडों और लाठियों से मारा गया. सूचना मिलने पर परिजन कैथल पहुंचे और उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.बताया जा रहा है कि मृतका अपने पीछे दो बेटे और एक बेटी छोड़ गई है. परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.

सुडोकू-40

5	9		1		2	6	3	
4				3				2
3			4		5	8		1
	7		9		6	2		
		6				1		
		4	5		8			
8		1	2		4			6
7				6				9
	2	9	3		7		1	8

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें. उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -39 का उत्तर

7	2	8	4	1	6	5	3	9
3	9	5	7	2	8	6	4	1
6	1	4	9	5	3	7	8	2
2	7	6	8	9	1	3	5	4
9	8	3	6	4	5	2	1	7
4	5	1	2	3	7	8	9	6
1	6	7	5	8	9	4	2	3
8	4	9	3	6	2	1	7	5
5	3	2	1	7	4	9	6	8

युवा शक्ति माथापच्ची 61

1	2				■	■	3	■
4		■	■	■	5			
	■	6	7	8	■	■		■
9		■	10			11		■
	■	12	■		■		■	13
■	14				15	■	16	
■		■	■	17			■	
18				■	■	■	19	
■		■	■	20				

● **बाएं से दाएं**

1. किसी का दर्जा घटाना, 4. वायु, 5. जासूस, 6. पौरुष, इकबाल, 9. शब्दों का अर्थपूर्ण समूह, 10. वाहन द्वारा ले जाना, 14. कुढना, ईर्ष्या होना, 16. नोक अगर उलट जाए तो, 17. शहर, 18. थामना, पता लगाना, 19. धूल, पराग, 20. झूठा अहंकार,

● **उपर से नीचे**

1. मल्ल, 2. अभियोग, 3. रिवाज, 7. गरमी, 8. गणना करना, हिसाब लगाना, 11. समाधान, एक प्रकार का यंत्र, 12. समय, एक घडी का साठवां भाग, 13. मन को प्रसन्न करने वाला कार्य, 14. रवि, 15. एक देश, सांप, 19. लक्ष्मी,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 62 का हल

ऊं	ट	के	मुं	ह	में	जी	रा	■
■	क	■	शी	■	■	जा	■	बा
बा	रा	त	■	अं	ज	न	■	जा
जा	ना	■	■	क	■	से	■	र
र	■	■	वै	भ	व	■	■	क
ल	■	ए	■	र	■	■	दे	र
गा	■	का	म	ना	■	ट	ख	ना
ना	■	ए	■	■	वै	■	रे	■
■	ए	क	आं	ख	से	दे	ख	ना

‘इंडिया’ गठबंधन जल्द ही टूट जाएगा, इसका कारण राहुल गांधी होंगे: भाजपा

नयी दिल्ली: भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ‘‘अयोग्य नेता’’ बताते हुए कहा कि वह ‘इंडिया’ गठबंधन का संचालन करने में असमर्थ हैं तथा उनके नेतृत्व के कारण विपक्षी गठबंधन टूटने के कगार पर है. पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने चुनावों में ‘‘वोट चोरी’’ का आरोप लगाने को लेकर गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो स्वयं चोर होते हैं वे दूसरों को भी चोर समझते हैं. पात्रा की यह टिप्पणी गांधी द्वारा ‘एक्स’ पर किए गए उस पोस्ट के बाद आई है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि लोकसभा में भाजपा के 240 सांसदों में से लगभग हर छठा सांसद ‘‘वोट चोरी’’ के जरिए जीता है. गांधी ने ‘एक्स’ पर लिखा, ‘‘उनकी पहचान करना मुश्किल नहीं है - क्या हमें उन्हें भाजपा की अपनी भाषा में ‘घुसपैठिए’ कहना चाहिए? और हरियाणा? वहां तो पूरी सरकार ही ‘घुसपैठिया’ है.’’ उन्होंने लिखा, ‘‘वोट चोरी से कभी सीट छीन ली जाती हैं, कभी पूरी सरकारें ही गिर जाती हैं. उनका असली डर सच्चाई है. क्योंकि अगर निष्पक्ष चुनाव होते, तो आज भी वे 140 सीट नहीं जीत पाते.’’ इसके जवाब में भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस नेता ने हरियाणा की जनता द्वारा भाजपा सरकार को दिए गए जनादेश का अपमान किया है. पात्रा ने कहा, ‘‘राहुल गांधी ने आज पोस्ट किया कि न सिर्फ वोट और सीट चोरी हो रही हैं, बल्कि अब पूरी सरकार ही चोरी हो गई है. क्या यह कोई सरकार है या आपके जीजा की कोई ज़मीन जिसे चुराया जा सकता है? चोर तो हर किसी को चोर ही समझता है.’’ भाजपा सांसद ने गांधी द्वारा कथित तौर पर हरियाणा सरकार को ‘‘घुसपैठियों की सरकार’’ कहे जाने पर भी आपत्ति जताई. उन्होंने पूछा, जनता ने मतदान किया और यह भाजपा की सरकार है. विधायक जनता द्वारा चुने गए हैं और मुख्यमंत्री भी जनता द्वारा चुने गए हैं. ऐसे में उन्हें घुसपैठिया कहना कैसे सही है? पात्रा ने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन आंतरिक रूप से बिखर रहा है और यह गठबंधन कुछ ही हफ्तों में टूट जाएगा तथा इसके लिए गांधी जिम्मेदार होंगे. उन्होंने कहा, ‘‘राहुल गांधी, आप एक अयोग्य नेता हैं, और इसी वजह से आज आपकी पूरी पार्टी पतन की ओर है तथा बिखर रही है. और आज, भाजपा के मंच से, मैं भविष्यवाणी कर रहा हूँ: बस कुछ हफ्तों का इंतजार कीजिए, ‘इंडी’ गठबंधन टूट जाएगा. हमें सूत्रों से जानकारी मिली है कि ‘इंडी’ गठबंधन टूटने वाला है. इसके अलावा कोई और रास्ता नहीं है. हम यह बात यूं ही नहीं कह रहे हैं.’’ पात्रा ने पत्रकारों से कहा, ‘‘और इसका सारा दोष राहुल गांधी पर आएगा. जब ऐसा होगा, तब शायद वह विदेश में होंगे, इसलिए यह उनके लिए चिंता का विषय नहीं होगा.’’ उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी के नेतृत्व ने न केवल कांग्रेस को बल्कि समग्र विपक्षी गठबंधन को भी कमजोर कर दिया है. भाजपा प्रवक्ता ने अरविंद केजरीवाल तथा ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा और उन पर चुनावी हार के बाद एकजुट होने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, ‘‘यह हताशा की पराकाष्ठा है ‘इंडी’ गठबंधन के इन सभी नेताओं को देखिए - राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी - ये सब एक साथ आ गए हैं. जब चुनाव लड़ने के लिए एकजुट होना होता है, तो वे एकजुट नहीं होते और अलग-अलग चुनाव लड़ते रहते हैं. लेकिन हारने के बाद, वे सब एकजुट हो गए हैं.’’ पात्रा ने अपने हमले को और तेज करते हुए गांधी पर चुनावी राजनीति से ‘‘अलग-थलग’’ होने का आरोप लगाया और कहा कि वह चुनावों के दौरान नियमित रूप से विदेश यात्रा करते हैं. उन्होंने आरोप लगाया, ‘‘एक तरफ रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों के साथ खड़े होना तथा दूसरी तरफ चुनी हुई सरकार को घुसपैठिया कहना- राहुल जी, ध्यान से सुनिए और समझिए. जब चुनाव हो रहे होते हैं, तब आप अंडमान निकोबार द्वीप समूह में छुट्टियां मनाने जाते हैं और चीन के इशारे पर दुष्प्रचार फैलाते हैं.’’ पात्रा ने यह भी आरोप लगाया कि गांधी महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षणों के दौरान देश छोड़कर चले जाते हैं. उन्होंने कहा, ‘‘आप फिर गायब हो गए और ओमान चले गए. तो आपको क्या लगता है? आपको सीट मिलेंगी? आपको कुछ नहीं मिलेगा.’’

मेरी पार्टी की सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी: मुख्यमंत्री सिद्धरमैया

मैसूरु (कर्नाटक): कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को विश्वास जताया कि कांग्रेस सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी. हालांकि, उन्होंने उन सवालों को टाल दिया कि क्या वह पूरी अवधि के लिए मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे. उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नेतृत्व संबंधी निर्णय पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिए जाएगा. उन्होंने अपने कार्यकाल के बारे में सीधे तौर पर कोई जवाब नहीं दिया. मुख्यमंत्री पद पर अपना कार्यकाल पूरा करने के सवाल पर सिद्धरमैया ने कहा, ‘हमारी पार्टी (की सरकार) पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी.’ नेतृत्व के मुद्दे पर सिद्धरमैया ने कहा, इसका फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिए जाएगा. एक ही बात बार-बार पूछने का कोई मतलब नहीं है. उन्होंने कहा, अगर मुझे दिल्ली बुलाया गया, तो मैं जाऊंगा. उन्होंने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वह राहुल गांधी से मिलने का समय मांगेंगे. इस बात को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं कि सिद्धरमैया उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के लिए मुख्यमंत्री का पद छोड़ सकते हैं. मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों के हालिया उपचुनावों में मिली जीत सरकार के प्रति जनता के समर्थन को दर्शाती है. उन्होंने कहा कि इन परिणामों से स्पष्ट है कि लोगों ने कांग्रेस सरकार और उसके कार्यक्रमों पर अपनी मुहर लगाई है. मुख्यमंत्री ने विपक्ष के दावों को खारिज करते हुए उन्हें ‘रणनीतिहीन’ करार दिया और स्पष्ट किया कि स्थानीय निकाय चुनाव नियमों के अनुसार ही कराए जाएंगे.

उत्तराखंड : कैलाश मानसरोवर यात्रा महंगी हुई, 20 फीसदी ज्यादा मूल्य चुकाना होगा

नैनीताल: उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में लिपुलेख दर्रे के जरिए होने वाली वार्षिक कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को अब 2.09 लाख रुपये का भुगतान करना होगा. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. कैलाश मानसरोवर यात्रा इस बार चार जुलाई को शुरू हो रही है. अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिकी मुद्रा की कीमत ज्यादा होने के कारण तिब्बत में होने वाले यात्रा खर्च पर सीधा असर पड़ता है जबकि भारत में भी यात्रा दरें संशोधित हुई हैं और इसलिए इस बार श्रद्धालुओं को पिछले वर्ष के मुकाबले करीब 20 फीसदी अधिक राशि खर्च करनी होगी. उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय द्वारा तिब्बत के लिए शुल्क डॉलर में लिया जाता है, जिसमें वीजा, चिकित्सा और अन्य संबंधित खर्चे शामिल होते हैं. इसके अलावा, भारतीय क्षेत्र में श्रद्धालुओं को यात्रा, ठहरने, खाने और गाइड उपलब्ध कराने वाली एजेंसी कुमाउं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) ने भी अपने शुल्क संशोधित कर पिछले वर्ष के मुकाबले आठ हजार रुपए बढ़ा दिए हैं. इस बार भारतीय क्षेत्र में प्रति यात्री शुल्क 65,000 रुपये हो गया है. पिछले साल कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए कुल शुल्क 1.74 लाख रुपए था, जो इस बार बढ़कर 2.09 लाख रुपये हो गया है. निगम के महाप्रबंधक विजय नाथ शुक्ला ने संशोधित शुल्क को अंतिम रूप दिये जाने और यात्रा के लिए पंजीकरण जारी होने की पुष्टि की. उन्होंने बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए इस बार भी 10 जत्थे जाएंगे और प्रत्येक में 50 तीर्थयात्री शामिल होंगे. वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के बाद यात्रा को स्थगित कर दिया गया था लेकिन 1981 में यात्रा दोबारा बहाल हुई थी. कोविड महामारी के कारण इसमें दोबारा व्यवधान आया और काफी प्रयासों के बाद 2025 में यह यात्रा दोबारा शुरू हो पायी. चीन के नियंत्रण वाले तिब्बत में कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील का काफी धार्मिक महत्व है. हिंदुओं की मान्यता है कि कैलाश पर्वत भगवान शिव का वास स्थल है और उसकी परिक्रमा करने व मानसरोवर झील में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है .

राहत के तहत मिल रहे राशन को एनएफएसए के तहत लाने के विरोध में कश्मीरी पंडितों का प्रदर्शन

जम्मू: विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने बुधवार को राहत के तहत उन्हें दिए जाने वाले राशन को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) में एकीकृत करने के जम्मू-कश्मीर प्रशासन के फैसले के खिलाफ यहां विरोध प्रदर्शन किया. अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों द्वारा राहत आयुक्त के कार्यालय की ओर मार्च करने के प्रयास के दौरान पुलिस के साथ उनकी मामूली झड़प भी हुई. बाद में भीड़ को तितर-बितर किया गया. इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए धरना दिया. प्रदर्शनकारियों ने इस कदम को उनका ‘प्रवासी’ और ‘नरसंहार के पीड़ित’ वाले दर्जे को कम करने की ‘साजिश’ करार दिया है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस फैसले को वापस नहीं लिया गया, तो वे आंदोलन तेज करेंगे. प्रशासन जम्मू में रह रहे कश्मीरी पंडितों (केपी) सहित अन्य प्रवासियों के राशन कार्ड को एनएफएसए के डेटाबेस के साथ एकीकृत कर रहा है. यह प्रक्रिया वर्ष 2026 की शुरुआत में चालू हुई थी. अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल 2026 तक 17,500 से अधिक प्रवासियों के राशन कार्ड को एकीकृत किया जा चुका है. उन्होंने कहा कि अंततः 50,000 से अधिक परिवारों को इसमें शामिल किया जाना है ताकि उन्हें व्यापक सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ मिल सके. ‘यूनाइटेड अलायंस ऑफ कश्मीरी डिस्प्लेस्ड कम्युनिटी’, ‘पनुन कश्मीर’ और विभिन्न प्रवासी शिविरों के निवासियों सहित विस्थापित समुदाय के सैकड़ों लोग इस विरोध मार्च में शामिल हुए. इस विरोध प्रदर्शन को शिवसेना का भी समर्थन प्राप्त है. पनुन कश्मीर के संयोजक डॉ. अग्निशेखर ने कहा यह एक काला कानून है और नरसंहार के शिकार समुदाय की पहचान को कमजोर करने के लिए एक जाल है. इस कानून में मौजूद विसंगतियां पूरी तरह से अन्याय के समान हैं. पिछले 36 वर्ष से कश्मीरी पंडित विस्थापन की पीड़ा झेल रहे हैं और अब एनएफएसए के तहत हमारी पहचान को कमजोर किया जा रहा है. उन्होंने अधिकारियों से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है.

चर्चाओं के बीच : गायिका खुशी ठाकुर

इन दिनों संगीत की दुनिया में सैड और रोमांटिक गानों में माहिर, एक वर्सटाइल सिंगर के रूप में गायिका खुशी ठाकुर का नाम तेजी से उभर रहा है. अपनी मधुर आवाज और कड़ी मेहनत के दम पर खुशी ठाकुर वर्तमान समय में लाइव सिंगिंग और प्लेबैक सिंगिंग दोनों में शानदार पहचान बना रही हैं. इस कारण बॉलीवुड में खुशी ठाकुर काफी चर्चा का विषय भी बनी हुई हैं. खुशी ठाकुर ने अपने प्लेबैक सिंगिंग करियर की शुरुआत फिल्म 'लव के फंडे' के 'अनमोल मस्का' गीत से की. इसके बाद उन्होंने लगातार सफलता की ओर कदम बढ़ाए. अब तक वह 20 से अधिक हिंदी और पंजाबी म्यूजिक वीडियो में अपनी आवाज दे चुकी हैं. इसके साथ ही वह नृत्य में भी निपुण हैं और उन्होंने भरतनाट्यम की शिक्षा भी प्राप्त की है. लाइव परफॉर्मेंस में भी खुशी पीछे नहीं हैं. उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध सैफई महोत्सव में अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीता है. इसके अलावा कई स्टेज शो और सरकारी कार्यक्रमों में भी अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेरा है.खुशी ठाकुर को मुंबई में 'वॉइस ऑफ वैली' के नाम से भी जाना जाता है. अपनी सुरीली, दिल को छू लेने वाली आवाज और शानदार परफॉर्मेंस के कारण उन्होंने यह खास पहचान हासिल की है, जो उनकी बढ़ती लोकप्रियता और प्रतिभा को दर्शाती है.खुशी ने पुराने गीतों के रीक्रिएट, कवर सॉन्ग और रीमिक्स वर्जन में भी अपनी अलग पहचान बनाई है. वह किशोर कुमार, अरिजीत सिंह, विशाल मिश्रा और श्रेया घोषाल के गाने सुनना पसंद करती हैं. साथ ही वह सुरों की मलिका लता मंगेशकर और आशा भोसले की बड़ी प्रशंसक हैं और उन्हें अपना आदर्श मानती हैं. खुशी का सपना बॉलीवुड में एक सफल प्लेबैक सिंगर बनना है. उनके संगीत गुरु कमलेश समान्या हैं, जिनसे उन्हें निरंतर मार्गदर्शन मिलता है. उन्होंने पंजाबी फिल्म में दर्शन लख्खेवाला के साथ डुएट सॉन्ग भी गाया है और वेबसीरीज़ के लिए भी गाना गाया है. खुशी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में 'राइजिंग रोनाल्डो' शामिल है जो एक ट्रिब्यूट सॉन्ग है. इसके अलावा 'वो जो पास था मेरे' और 'तू मुझमें क्यों नहीं' जैसे गाने जल्द ही आने वाले हैं. विदित हो कि सिंगिंग के साथ-साथ खुशी ठाकुर ने 50 से अधिक पहाड़ी गढ़वाली म्यूजिक वीडियो में अभिनय भी किया है, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा सामने आती है. डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है. *(प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय)*

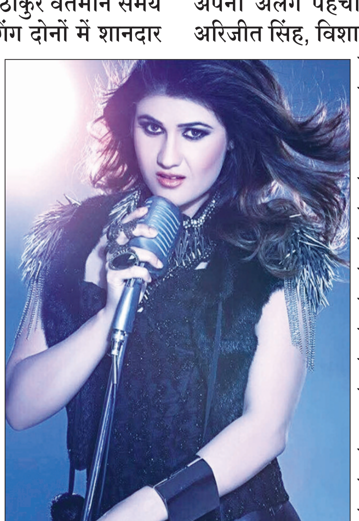

तमिलनाडु विस चुनाव से पहले भी कांग्रेस ने टीवीके के साथ गठबंधन पर विचार किया था: कार्ति चिदंबरम

चेन्नई: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कार्ति चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले ही उनकी पार्टी के भीतर अभिनेता एवं नेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन करने के समर्थन में आवाज उठी थी. कार्ति ने ‘पीटीआई-वीडियो’ से कहा, ‘‘चुनाव से पहले पार्टी के भीतर ऐसी आवाजें उठी थीं जिनमें टीवीके के साथ गठबंधन की बात कही गई थी. इसमें कोई शक नहीं है.’’ उन्होंने कहा कि हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने सभी हितधारकों से परामर्श करने के बाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ अपना गठबंधन जारी रखने का फैसला किया. उन्होंने कहा, ‘‘कई लोगों का मानना था कि द्रमुक के साथ लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का सम्मान किया जाना चाहिए.’’ उन्होंने कहा, ‘‘हम एक धर्मनिरपेक्ष सरकार चाहते हैं, और इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता.’ उन्होंने टीवीके नेता द्वारा कांग्रेस से संपर्क करने का दावा करते हुए कहा कि पार्टी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और तमिलनाडु में सरकार गठन के लिए समर्थन दिया. टीवीके ने 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में 108 सीट जीती हैं. सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 118 है. कांग्रेस पार्टी ने टीवीके को अपना समर्थन सार्वजनिक रूप से घोषित कर दिया है, लेकिन यह तुरंत पता नहीं चल पाया है कि विजय की पार्टी को और किस पार्टी ने समर्थन दिया है. कार्ति ने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस का द्रमुक के साथ केवल चुनावी गठबंधन है और वह सरकार का हिस्सा नहीं है. उन्होंने कहा कि हालांकि, कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर द्रमुक के साथ मिलकर काम कर सकती है. सूत्रों के अनुसार, विजय सात मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं.

सूरत में आज निकलेगी विशाल गौ सम्मान रैली, राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग

सूरत: देशभर में गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर चल रहे अभियान के तहत सात मई को सूरत शहर में विशाल गौ सम्मान अभियान आयोजित किया जाएगा. इस अभियान में हजारों गौसेवक, सनातन धर्म प्रेमी, सामाजिक संगठन एवं व्यापारी वर्ग शामिल होकर रैली निकालेंगे तथा कलेक्टर को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे. अभियान से जुड़े आयोजकों के अनुसार, हाल ही में देशभर में शहरों, गांवों और तहसील स्तर पर रैलियां, हस्ताक्षर अभियान और मिस कॉल अभियान चलाकर भारत सरकार से गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग की गई थी. इसी कड़ी में अब सूरत में भी व्यापक जनजागरण कार्यक्रम रखा गया है. कार्यक्रम के तहत अमरोली, वराछा, कतारगाम, रामबाड़ी, पर्वत पाटिया, नंदेश्वर गौशाला, माधव गौशाला, सर्वधर्म संस्था सहित कई गौसेवी संगठनों के सदस्य सुबह 9 बजे मिलेनियम मार्केट के सामने एकत्रित होंगे. यहां से सुबह 9:30 बजे रैली वनिता विश्राम पहुंचेगी.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन